नगर नई दिल्ली बुधवार 1 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

कहां से आए, कहां गए लोग

किन-किन देशों से आए लोग

– निजामुद्दीन मरकज मस्जिद में शामिल 1830 व्यक्तियों में 281 विदेशी

– इनमें इंडोनेशिया (72), श्रीलंका (34), म्यांमार (33), किर्गिस्तान (28), मलेशिया (20), नेपाल (9), बांग्लादेश (9), थाईलैंड (7), फिजी (4), इंग्लैंड (3), अफगानिस्तान, अल्जीरिया, जिबूती, सिंगापुर, फ्रांस और कुवैत का एक- एक नागरिक शामिल हैं।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोग

– बाकी 1,549 लोगों में से तमिलनाडु (501), असम (216), उत्तर प्रदेश (156), महाराष्ट्र (109), मध्य प्रदेश (107), बिहार (86), पश्चिम बंगाल (73), तेलंगाना (55), झारखंड (46), कर्नाटक (45), उत्तराखंड (34), हरियाणा (22), अंडमान निकोबार द्वीप समूह (21), राजस्थान (19), हिमाचल प्रदेश, केरल और ओड़ीशा से 15- 15, पंजाब (9) और मेघालय (5) के निवासी शामिल हैं।

7 दिन

भारत में कहां-कहां गए लोग

– तेलंगाना सरकार का अनुमान है कि सूबे से करीब 1000 लोगों ने निजामुद्दीन में जमात में हिस्सा लिया था। ये वापस लौट गए।

– हिमाचल प्रदेश सरकार ने ऐसे 17 लोगों को चिह्नित किया है। 14 लोग चंबा जिले के, 2 सिरमौर से और एक कुल्लु से। सभी अभी दिल्ली में

– यूपी में 19 जिलों से लोग जमात में हिस्सा लेने आए थे। 157 लोग थे। इनमें से अधिकांश को पृथक केंद्र ले जाया गया। भदोही से 11, मिर्जापुर से 30, लखनऊ से 27 और अन्य कई जगहों से पकड़े गए।

– पुडुचेरी के छह लोग निजामुद्दीन मरकज में शामिल हुए। इनमें पांच को पृथक किया गया।

कोरोना का कहर

मरकज : मरने वालों की संख्या नौ हुई

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजंसी)।

दक्षिण पूर्वी दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित तब्लीगी जमात के मरकज में रहने वाले नौ लोगों की कोरोना संक्रमण से देश के अलग-अलग हिस्सों में मौत हो गई। मरकज से जुड़े छह लोग तेलंगाना, एक तमिलनाडु, एक जम्मू कश्मीर और एक की दिल्ली में मौत हुई है।

इससे पहले तेलंगाना में उन छह लोगों की कोरोना संक्रमण के कारण मौत हो गई जिन्होंने दिल्ली के निजामुद्दीन में 13 मार्च से 15 मार्च के बीच धार्मिक सभा में भाग लिया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 'दिल्ली में निजामुद्दीन इलाके के मरकज में 13 मार्च से 15 मार्च तक एक धार्मिक सभा में भाग लेने वाले कुछ लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण फैल गया है।' इसमें कहा गया है, 'इस सभा में भाग लेने वालों में तेलंगाना के कुछ लोग भी शामिल थे।'

बयान में बताया गया है कि जिन छह लोगों की मौत हुई है, उनमें से दो की मौत गांधी अस्पताल में हुई, एक-एक व्यक्ति की मौत दो निजी अस्पतालों में और एक व्यक्ति की मौत निजामाबाद और एक व्यक्ति की मौत गडवाल शहर में हुई। कोरोना वायरस के संक्रमण से मरने से पहले श्रीनगर के एक कारोबारी ने निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया था और जम्मू कश्मीर लौटने से पहले उसने हवाई, रेल और सड़क मार्ग से दिल्ली और उत्तर प्रदेश की यात्रा की थी। अधिकारियों ने बताया कि इस व्यक्ति के जरिए संक्रमित होने वालों में संभवतः जम्मू-कश्मीर का एक डॉक्टर भी शामिल है जो फिलहाल जम्मू के एक अस्पताल में भर्ती है।

नई दिल्ली के निजामुद्दीन में हुए धार्मिक आयोजन में शिरकत करने वाले लोगों को मंगलवार को एलएनजीपी अस्पताल ले जाते अधिकारी।

निजामुद्दीन आयोजन में शामिल लोगों में से 24 को संक्रमण

जनसत्ता संवाददाता/भाषा

नई दिल्ली, 31 मार्च। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने धार्मिक जलसे में भाग लेने वाले 24 लोगों में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि होने की बात कही है। उन्होंने बताया कि इस जलसे में हिस्सा लेने वाले 700 अन्य लोगों को संक्रमित लोगों के संपर्क में आने के कारण पृथक रखा गया है जबकि ऐसे 335 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जिनमें संक्रमण के लक्षण उभरकर सामने आए।

उधर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह समय, किसकी गलती है, ये खोजने का नहीं है बल्कि संक्रमण को रोकने के लिए काम करने का है। इस बीच तबलीगी जमात के आयोजकों मौलाना साद और अन्य लोगों पर सरकारी निदेशों के उल्लंघन के लिए महामारी रोग अधिनियम 1897 के सेक्शन 269, 270, 271 और आइपीसी की धारा 120-बी के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया, 335 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। *आयोजकों* के खिलाफ मामला दर्ज। *आयोजन* में भाग लेने वाले तेलंगाना के छह और जम्मू कश्मीर के एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। *अभी* समय गलती खोजने का नहीं, संक्रमण रोकने का है : स्वास्थ्य मंत्रालय

दक्षिण पूर्वी दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन थाने में दर्ज इस मामले के साथ ही मंगलवार को भारतनगर में दस और जहांगीरपुरी में 14 नमाजी कब्जे में लिए गए। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मंगलवार को पुलिस को इस मामले में एफआइआर दर्ज बाकी पेज 8 पर

तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए : गृह मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 31 मार्च।

सरकार ने मंगलवार को कहा कि इस साल एक जनवरी से देश में तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए और उनमें से सभी ने पहले दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित उसके मुख्यालय में आमद दर्ज कराई। निजामुद्दीन स्थित तबलीगी मुख्यालय से कोरोना वायरस के कई मामले सामने आए हैं। उधर मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि भारत सरकार उन करीब तीन सौ विदेशी नागरिकों को प्रतिबंधित कर सकती है, जो पर्यटक वीजा पर आने के बावजूद दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 21 मार्च तक उनमें से लगभग 824 देश के विभिन्न हिस्सों में चले गए, 216 निजामुद्दीन मरकज में रह रहे हैं, जिनमें से कई कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। बयान में कहा गया कि ऐसा आकलन है कि एक जनवरी से तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए। तबलीगी जमात के बाकी पेज 8 पर

बंदी का पालन ठीक से नहीं होने पर मामले बढ़े : स्वास्थ्य मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 31 मार्च।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए लागू की गई देशव्यापी बंदी का पालन ठीक से नहीं होने के कारण मामले बढ़ रहे हैं। इनके साथ ही संक्रमण के खतरे वाले इलाके (हॉटस्पॉट) भी बढ़ रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने संक्रमण के मामलों में इजाफा नहीं रुकने के पीछे बंदी के पालन में जनता के सहयोग में कमी और संक्रमण की समय से पहचान में देरी होने को प्रमुख वजह बताया है। उन्होंने कहा कि जिस इलाके से संक्रमण का एक भी मामला सामने आता है, उसे पृथक हॉटस्पॉट के रूप चिह्नित कर उस इलाके में रोकथाम के उपाय तेज कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमण से जूझ रहे छोटे-छोटे क्षेत्रों को सील करने की रणनीति अपना रहे हैं और देश में कोरोना हॉटस्पॉट में संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का सघनता से पता लगाया जा रहा है।

अग्रवाल ने संक्रमण के मामले रोकने के लिए बंदी का सौ फीसद पालन सुनिश्चित करने को ही एकमात्र उपाय बताते हुए कहा कि इसकी रोकथाम के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। अग्रवाल ने बताया कि मंत्रालय ने कोरोना संक्रमण के बारे में प्रमाणिक जानकारी लोगों को अवगत कराने के लिए ऑनलाइन परामर्श केंद्र भी शुरू करने की पहल बाकी पेज 8 पर

कोरोना से मरने वालों की संख्या 35

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 31 मार्च।

कोरोना विषाणु संक्रमण से मौत के तीन नए मामलों के साथ मंगलवार को देश में मरने वालों की संख्या 35 हो गई जबकि संक्रमितों की संख्या 1397 पहुंच गई।

के द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 1238 लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित हैं जबकि 123 लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है और एक व्यक्ति यहां से चला गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संक्रमितों की संख्या 97 पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय बाकी पेज 8 पर

देश में संक्रमितों की संख्या
सोमवार : 1251
मंगलवार : 1397

देश में तेईस घंटे में संक्रमितों की संख्या 146 बढ़ी
उत्तर प्रदेश से संक्रमितों की संख्या 101 पहुंची

बैंकों ने किस्त मामले अमल में लाने के लिए उठाए कदम

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

बैंकों ने कोरोना महामारी रोकने के लिए देशव्यापी बंद से लोगों को राहत देने के लिए आवास, वाहन और फसल समेत सभी प्रकार के मियादी कर्जों की किस्त लौटाने पर तीन महीने की रोक को लेकर अपनी शाखाओं को इसे अमल में लाने को लेकर कदम उठाने को कहा है।

रिजर्व बैंक ने कोरोना महामारी रोकने के लिए बंद से लोगों को राहत देने के लिए कर्ज की किस्त लौटाने पर तीन महीने की मोहलत देने की घोषणा की है। कई बैंकों ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपनी शाखाओं को आरबीआइ द्वारा घोषित विभिन्न योजनाओं के बारे में सूचित किया है और विस्तृत दिशानिर्देश दिए हैं। ग्राहकों को पंजीकृत मोबाइल बाकी पेज 8 पर

आरबीआइ ने पिछले शुक्रवार को खुदरा और फसल ऋण व कार्यशील पूंजी समेत मियादी कर्ज के भुगतान पर तीन महीने की रोक लगाने की मंजूरी दी। उसने कहा कि इस दौरान भुगतान नहीं होने वाले कर्ज को चूक नहीं माना जाएगा। इस छूट के तहत मूल राशि/ब्याज, कर्ज भुगतान, क्रेडिट कार्ड भुगतान, बकाया भुगतान व मासिक किस्त आएगी।

24 घंटे के भीतर पोर्टल बनाए केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना विषाणु की वजह से कामगारों के पलायन को रोकने और 24 घंटे के भीतर इस महामारी से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए एक पोर्टल बनाने का केंद्र सरकार को मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि इस पोर्टल से महामारी से संबंधित सही जानकारी जनता को उपलब्ध कराई जाए। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव के पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र को यह निर्देश दिया।

पीठ ने कहा, 'यह दहशत विषाणु से कहीं ज्यादा जिंदगियां बर्बाद कर देगा।' साथ ही पीठ ने केंद्र से कहा कि देश के तमाम आश्रय गृहों में पनाह लिए इन बाकी पेज 8 पर

मजदूरों के पलायन के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

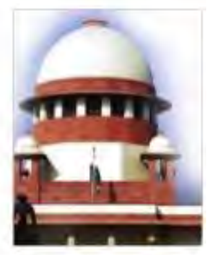

पीठ ने केंद्र से कहा कि वह पलायन कर रहे इन कामगारों को रोके और उनके भोजन, रहने और चिकित्सा सुविधा आदि का बंदोबस्त करे। *पीठ* ने केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कामगारों के आश्रय स्थलों के प्रबंधन की जिम्मेदारी स्वयंसेवियों को सौंपी जाए और इनके साथ किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं किया जाए।

भारत और चीन हो सकते हैं अपवाद

दुनिया की अर्थव्यवस्था मंदी में

संयुक्त राष्ट्र, 31 मार्च (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा व्यापार रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल मंदी में चली जाएगी, जबकि भारत और चीन इसके अपवाद हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान खरबों डॉलर का नुकसान होगा और विकासशील देशों के लिए एक बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। रिपोर्ट में हालांकि इस बात बाकी पेज 8 पर

कोरोना तोड़ेगा एशिया की कमर : विश्व बैंक

वाशिंगटन, 31 मार्च (एपी)।

विश्व बैंक ने अनुमान जाहिर किया है कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण इस साल चीन व अन्य पूर्वी एशिया प्रशांत देशों में अर्थव्यवस्था की रफ्तार बहुत धीमी रहने वाली है जिससे लाखों लोग गरीबी की ओर चले जाएंगे।

बैंक ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह आंशका व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्र में इस वर्ष विकास की रफ्तार 2.1% रह सकती है जो 2019 में बाकी पेज 8 पर

कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियार बरामद

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 31 मार्च।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के एक ठिकाने को ध्वस्त किया है। वहां से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। कई आपत्तिजनक वस्तुएं भी मिली हैं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, जानकारी मिली थी कि कुपवाड़ा के बाकी पेज 8 पर

दरअसल

लोगों को जोड़े रखने की सार्थक पहल

कोरोना-काल

ढाई लाख रचनाकारों और श्रोताओं तक पहुंच

अलगाव के दौर में साहित्य पर आभासी संवाद

मृणाल वल्लरी

नई दिल्ली, 31 मार्च।

'कोरोना के आगे जहां और भी है। हम आज भी अपनी ताकत पर भरोसा कर सकते हैं। अगर आपने अपनी ताकत नहीं बनाई है तो आज कोरोना नहीं तो आगे कोई और बीमारी आपको ले डूबेगी। अभी मैं नार्वे में हूं और नार्वे भारत का 200वां अंश है। जनसंख्या के हिसाब से पटना और रांची जैसा। यहां कोरोना संक्रमण के दो सौ से ज्यादा मामले हैं और चार सौ से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मी अपनी सेवा दे रहे हैं। लेकिन यहां बहुत ज्यादा पैनिक नहीं है'। ऑनलाइन गोष्ठी में जब लेखक और डॉ परवीन झा मुखातिब हुए तो काफी संख्या में लोग उनसे जुड़े।

प्रवीण झा ने बातचीत के दौरान कहा कि कोरोना से मृत्यु इस बात पर निर्भर करती है कि देह की प्रतिरोधक क्षमता कितनी है। हमारे क्षेत्र में तीन वेंटिलेटर हैं लेकिन किसी के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा कि आप लाखों वेंटिलेटर जुटा लीजिए लेकिन जो हमने अपने अंदर प्रतिरोधक क्षमता बचा रखी है, वही हमें बचाएगी।

कोरोना से अलगाव के दौर में अब लेखक और प्रकाशक ऑनलाइन गोष्ठी का रुख कर रहे हैं। अब तक किताब के मेलों में पाठकों और रचनाकारों से घिरी रहने वाली वाणी प्रकाशन समूह की निदेशक अदिति माहेश्वरी गोयल ने कहा कि जब 20 मार्च तक लगने लगा कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन हो जाएगा, तभी हमने अपने दिमाग में बैठा लिया था कि अब हमें रणनीति बदलनी पड़ेगी। हमारा मुख्य काम प्रकाशन करना और लोगों को जोड़े रखना है और वो अगर एक महीने नहीं होगा तो हम अपना सामाजिक उत्तरदायित्व कैसे पूरा करेंगे। यही सोच कर हमने ये ऑनलाइन मुहिम शुरू की और पहले इसका नाम ह्यऑनलाइन साहित्य महोत्सवह्ण रखा क्योंकि हम एक खुशहाल माहौल रचना चाहते थे। लेकिन जब आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे का हाल देखा तो लगा कि अभी तो माहौल खुशगवार हो ही नहीं सकता तो हमने इसका नाम बदल कर ह्यसाहित्य और समाज ऑनलाइन गोष्ठीह्ण कर दिया।

कोरोना से अलगाव के दौर में अब लेखक और प्रकाशक ऑनलाइन गोष्ठी का रुख कर रहे हैं। अब तक किताब के मेलों में पाठकों और रचनाकारों से घिरी रहने वाली वाणी प्रकाशन समूह की निदेशक अदिति माहेश्वरी गोयल ने कहा कि जब 20 मार्च तक लगने लगा कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन हो जाएगा, तभी हमने अपने दिमाग में बैठा लिया था कि अब हमें रणनीति बदलनी पड़ेगी।

माहेश्वरी ने कहा कि इस मुहिम के जरिए हम कम से कम ढाई लाख लोगों तक पहुंच चुके हैं अब तक। एक बार में हम सवा लाख लोगों के बीच पहुंचे हैं। मुझे ये समझ आ रहा है कि लोग सुनना चाहते हैं, लेखक अपना सामाजिक उत्तरदायित्व निभाना चाहते हैं।

ऑनलाइन गोष्ठी में पाठकों से रूबरू हो चुकीं साहित्यकार गीताश्री ने कहा कि यह मेरा पहला अनुभव था जिसमें एक आभासीय निकटता थी। एक दैहिक निकटता होती है, एक आभासीय। दैहिक निकटता का ये मतलब नहीं होता कि आप किसी से लिपट जाएं। मुझे बातचीत के वक्त एक यह कसक महसूस हुई। दैहिक उपस्थिति जो आपके सामने होती है वो अद्भुत होती है जिसका शिद्दत से एहसास इस लॉकडाउन में हुआ। इसके पहले लगता बाकी पेज 8 पर

www.readwhere.com

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I, No-15417093W, Rank-NK/AA, Solanki Haresh Bhai Govind Bhai, Unit-MH Baroda, C/o 56 APO, declare that my service record wrongly entered my wife name MADHU HARESH SOLANKI but real my wife name SOLANKI MADHU HARESH BHAI. 0060073757-6

I, No-15417093W, Rank-NK/AA, Solanki Haresh Bhai Govind Bhai, Unit-MH Baroda, C/o 56 APO, declare that my service record wrongly entered my son name SOLANKI JAY HARESH but real my son name SOLANKI JAY HARESH BHAI. 0060073757-7

I NO-15417084 P JADEJA RAJENDRA SINH, my wife name and DOB has been mentioned wrong in my army medical corps record, Lucknow. Which is JAYSHREE BA JADEJA, DOB 30-10-1986 is wrong, correct name is JADEJA JAYSHREEBA RAJENDRASINH, DOB 31-10-1984. 0060073757-10

I NO-15417120 P, PAMPANIYA JASHUBHAI, my wife name and DOB has been mentioned wrong in my medical corps record lucknow, which is DEVI, DOB 01-03-1988 is wrong, correct name is PAMPANIYA DEVI JASHUBHAI and DOB 01-06-1993. 0060073757-8

I, KANANI SHOBHANA, spouse of No-15417107 L, NK/AA Kanani Dipesh Dayalal resident Vill & PO Jambuda, Teh & Distt Jamnagar, State Gujrat, PIN 361120 have changes my name from SHOBHANA KANANI to KANANI SHOBHANA proposed/adopted new name vide affidavit dated 18-03-2020 before Civil Court Lucknow. 0060073757-9

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

The Indian EXPRESS Classifieds FROM ANYTHING TO EVERYTHING

CLASSIFIED AD DEPOT (CAD)

Book classified ads at your nearest Express Group's authorised Classified Ad Depots

EAST

PATPARGANJ : CHAVI ADVERTISERS, Ph.: 9899701024, 22090987, 22235837, **PREET VIHAR :** AD BRIDGE COMMUNICATION, Ph.: 9810029747, 42421234, 22017210, **SHAKARPUR :** PARICHAY ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350309890, 22519890, 22549890

WEST

JANAKPURI : TRIMURTI ADVERTISERS, Ph.: 9810234206, 25530307, **KAROL BAGH (REGHARPURA) :** K R ADVERTISERS, Ph.: 9810316618, 9310316618, 41547697, **KARAMPURA :** GMJ ADVERTISING & MARKETING PVT. LTD., Ph.: 9310333777, 9211333777, 9810883377, **NEW MOTI NAGAR :** MITTAL ADVERTISING, Ph.: 25178183, 9810538183, 9555945923, **MOTI NAGAR :** UMA ADVERTISERS, Ph.: 9312272149, 8800276797, **RAMESH NAGAR :** POSITIVE ADS, Ph.: 9891195327, 9310006777, 65418908, **TILAK NAGAR :** SHIVA ADVERTISERS, Ph.: 9891461543, 25980670, 20518836, **VIKAS PURI :** AAKAR ADVT. MEDIA Ph.: 9810401352, 9015907873, 9268796133

CENTRAL

CHANDNI CHOWK : RAMNIWAS ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810145272, 23912577, 23928577, **CONNAUGHT PLACE :** HARI OM ADVERTISING COMPANY Ph.: 9811555181, 43751196

NORTH

TIS HAZARI COURT : SAI ADVERTISING, Ph.: 9811117748 **KINGWAY CAMP :** SHAGUN ADVERTISING, Ph.: 9818505505, 27458589, **PATEL CHEST (OPP. MORRIS NAGAR POLICE STATION) :** MAHAN ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350304609, 7042590693, **PITAMPURA (PRASHANT VIHAR) :** PAAVAN ADVERTISER Ph.: 9311564460, 9311288839, 47057929

SOUTH

CHATTARPUR : A & M MEDIA ADVERTISING, Ph.: 9811602901, 65181100, 26301008, **KALKAJI :** ADWIN ADVERTISING, Ph.: 9811111825, 41605556, 26462690, **MALVIYA NAGAR :** POOJA ADVERTISING & MARKETING SERVICE, Ph.: 9891081700, 24331091, 46568866, **YUSUF SARAI :** TANEJA ADVERTISEMENT & MARKETING Ph.: 9810843218, 26561814, 26510090

NCR

FARIDABAD (NEELAM FLYOVER) : AID TIME (INDIA) ADVERTISING, Ph.: 9811195834, 0129-2412798, 2434654, **FARIDABAD (NIT, KALYAN SINGH CHOWK) :** PULSE ADVERTISING, Ph.: 9818078183, 9811502088, 0129-4166498, **FARIDABAD :** SURAJ ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810680954, 9953526681, **GURGAON :** SAMBODHI MEDIA PVT. LTD., Ph.: 0124-4065447, 9711277174, 9910633399, **GURGAON :** AD MEDIA ADVERTISING & PR, Ph.: 9873804580, **NOIDA (SEC. 29) :** RDX ADVERTISING, Ph.: 9899268321, 0120-4315917, **NOIDA (SEC. 65) :** SRI SAI MEDIA, Ph.: 0120-4216117, **NOIDA (SEC. 58) :** JAI LAKSHMI ADVERTISERS, Ph.: 9873807457, 9911911719 **GHAZIABAD (HAPUR ROAD TIRAHA, NR GURUDWARA) :** TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9818373200, 8130640000, 0120-4561000

EDUCATION (IAS & PMT ACADEMIES)

FRIENDS PUBLICITY SERVICE 23287653, 23276901, 9212008155

For CAD enquiries please contact :

ROHIT JOSHI 9818505947, **ABHINAV GUPTA** 9910035901

For booking classified ads, please contact 011-23702148, 0120-6651215, E-mail : delhi.classifieds@expressindia.com

'तेलंगाना के हजार लोग निजामुद्दीन मरकज के कार्यक्रम में शामिल थे'

हैदराबाद, 31 मार्च (भाषा)।

तेलंगाना प्रशासन का अनुमान है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निजामुद्दीन में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में तेलंगाना के 1000 से अधिक लोग शामिल हुए होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन लोगों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उस कार्यक्रम में शामिल होने वाले छह लोगों की कोरोना वायरस से मौत होने के बाद राज्य सरकार ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। सोमवार को सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया था कि 13-15 मार्च के बीच इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले छह लोगों की मौत कोरोना वायरस से हुई है।

अधिकारी ने बताया, 'हमारा अनुमान है कि 1,000 से अधिक लोग दिल्ली में कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उनके लौटने के बाद उनके संपर्क में आने वाले लोगों का पता लगाने के लिए संबंधित जिला कलेक्टर और पुलिसकर्मी जुटे हैं। मृतकों के परिवार के सदस्यों को पृथक किया गया है।' जिन छह लोगों की मौत हुई है, उनमें से दो की मौत गांधी अस्पताल में हुई, एक-एक व्यक्ति की मौत दो निजी अस्पतालों में और एक व्यक्ति की मौत निजामाबाद और एक व्यक्ति की मौत गडवाल शहर में हुई।

सोमवार रात तक तेलंगाना में कोरोना वायरस के कुल 77 मामले सामने आए हैं जिनमें से 14 लोग इस संक्रमण से उबर चुके हैं। तेलंगाना सरकार ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों से प्राधिकारियों को इसकी जानकारी देने को कहा है। तेलंगाना सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के बयान में कहा गया है कि जिसके पास इसकी जानकारी हो वो सरकार को सूचित करें। निजामाबाद के कलेक्टर नारायण रेड्डी से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि अब तक कार्यक्रम में शामिल होने वाले शहर के 53 लोगों के संपर्क में आए 200 से अधिक लोगों को पृथक रखा गया है। रेड्डी ने कहा, 'उनमें से एक व्यक्ति अभी भी दिल्ली में है और एक की मृत्यु हो चुकी है। शेष 51 लोग पृथक सेवा में हैं।'

कर्जदारों में तीन महीने की मोहलत को लेकर असमंजस

मुंबई, 31 मार्च (भाषा)।

कर्जदारों के बीच मकान की किस्त, क्रेडिट कार्ड भुगतान को लेकर संबंधित बैंकों से मोबाइल पर संदेश आने के साथ भ्रम की स्थिति है। वे यह समझ नहीं पा रहे हैं कि रिजर्व बैंक ने कोरोना वायरस महामारी रोकने को लेकर जारी रोक को देखते हुए सभी प्रकार के कर्ज के भुगतान पर जो तीन महीने की रोक लगाने की घोषणा की है, उसके क्रियान्वयन का क्या हुआ।

रिजर्व बैंक ने 27 मार्च को मौजूदा समय में लोगों को होने वाली परेशानियों को देखते हुए कर्ज भुगतान पर तीन महीने की मोहलत देने समेत अन्य उपायों की घोषणा की। कई कर्ज ले रखे लोगों, क्रेडिट कार्ड धारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों के पास संबंधित बैंकों व वित्तीय संस्थानों से निर्धारित तिथि को अपने खातों में पर्याप्त राशि रखने को लेकर संदेश आ रहे हैं ताकि किस्त जा सके। इस प्रकार के संदेश व्यक्तिगत, वाहन और मकान कर्ज ले रखे लोगों के पास भी आ रहे हैं।

शहर के एसबीआइ कार्ड के एक ग्राहक के पास रविवार को संदेश आया कि वह सालाना शुल्क के भुगतान को लेकर न्यूनतम राशि अपने खाते में रखे। हालांकि व्यक्ति ने अबतक क्रेडिट कार्ड चालू भी नहीं किया है।

- **रिजर्व बैंक ने 27 मार्च को मौजूदा समय में लोगों को होने वाली परेशानियों को देखते हुए कर्ज भुगतान पर तीन महीने की मोहलत देने समेत अन्य उपायों की घोषणा की।**
- **कई कर्ज ले रखे लोगों, क्रेडिट कार्ड धारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों के पास संबंधित बैंकों व वित्तीय संस्थानों से निर्धारित तिथि को अपने खातों में पर्याप्त राशि रखने को लेकर संदेश आ रहे हैं ताकि किस्त जा सके**

नवी मुंबई में रहने वाले व्यक्ति के पास म्यूचुअल फंड कंपनी से बैंक खाते में जरूरी राशि रखने को कहा गया। उसकी आइसीआइसीआइ लोम्बार्ड में मासिक निवेश योजना चल रही है। इसी प्रकार, अमेरिकन एक्सप्रेस क्रेडिट कार्डधारक के पास भुगतान को लेकर मोबइल फोन पर संदेश आया।

इस बारे में संपर्क किए जाने पर सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक अधिकारी ने संदेश भेजे जाने की बात स्वीकार की। उसने कहा कि कर्ज भुगतान पर रोक के प्रस्ताव को प्रत्येक बैंकों के निदेशक मंडलों को मंजूरी देनी है। लेकिन कई मामलों में देशव्यापी बंद के कारण निदेशक मंडल की बैठक नहीं हो पा रही है। बैंक अधिकारी के अनुसार ग्राहकों को इस मोहलत अवधि का लाभ उठाने के लिए अपने बैंकों को सूचित करना होगा कि वे इसका लाभ उठाने चाहते हैं। तभी उन्हें यह लाभ मिलेगा। रिजर्व बैंक ने कोरोना वायरस महामारी के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए रेपो दर में 0.75 प्रतिशत की कटौती समेत अन्य उपायों की घोषणा की। इस कठिन घड़ी में लोगों को राहत देने के लिए सभी प्रकार के कर्ज भुगतान पर तीन महीने की रोक भी लगायी गई। साथ ही बैंकों को यह निर्देश दिया गया है कि वे तीन महीनों में कर्ज की किस्त नहीं आने वाले मामलों को एनपीए (फंसा कर्ज) नहीं माने। शीर्ष बैंक ने क्रेडिट इनफार्मेशन ब्यूरो से भी इस मोहलत अवधि के दौरान गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के बारे में रिपोर्ट नहीं करने को कहा है। एक अन्य बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मोहलत को कर्ज को बट्टे खाते में डाला नहीं समझा जाना चाहिए। उसने कहा, 'यह कर्ज को बट्टे खाते में डालना नहीं है। बल्कि सरकार ने केवल उन लोगों को एक राहत दी है जिनकी नौकरियां इस बंद के कारण प्रभावित हुई हैं या वेतन आने में विलम्ब हो रहा है।' अधिकारी ने कहा, 'अंततः प्रत्येक ग्राहक को ब्याज के साथ बकाए राशि का भुगतान करना होगा।'

पूर्ण बंदी की अवधि में सेवानिवृत्त होने वालों को सेवा विस्तार नहीं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 31 मार्च।

सरकार पूर्ण बंदी की अवधि में निर्धारित अवधि से पहले निलंबन आदेश और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के नोटिस स्वीकार करने जैसे विविध कार्यों की समीक्षा नहीं करेगी। इसके अलावा कार्मिक मंत्रालय ने कहा है कि पूर्ण बंदी की अवधि में यानी 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को सेवा विस्तार नहीं दिया जाएगा और वे उसी दिन सेवामुक्त होंगे, चाहे वे घर से काम कर रहे हों या कार्यालय से।

कार्मिक मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, कोविड-19 के फैलने के मद्देनजर देशव्यापी पूर्ण बंदी से उत्पन्न स्थिति पर विचार करते हुए केंद्रीय लोक सेवा (वर्गीकरण अपील एवं नियंत्रण) नियम 1965 और केंद्रीय लोक सेवा (पेंशन) नियम 1972 में निर्दिष्ट समयसीमा का पालन करना संभव नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि उदारहण के लिए यदि पूर्ण बंदी शुरू होने पर किसी प्रक्रिया या कार्य को पूरा करने की निर्धारित तारीख 20 दिनों के बाद आती है, तो नियत तारीख पूर्ण बंदी के दौरान स्थगित रहेगी और पूर्ण बंदी हटाए जाने के बाद 20 दिन काम पूरा करने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

इसमें कहा गया है कि हालांकि पूर्ण बंदी हटाए जाने के बाद अगर काम पूरा करने में 15 दिन से कम समय लगने वाला हो तब प्रक्रिया को 15 दिन के भीतर पूरा करने की अनुमति दी जा सकती है। मंत्रालय ने कहा कि किसी आरोपी अधिकारी द्वारा आरोप पत्र पर बचाव में लिखित बयान प्रस्तुत करने और अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए अनुशासनात्मक प्राधिकरण द्वारा निर्णय लेने के बाद चार्जशीट जारी करने के वास्ते अवधि समाप्त होने से पहले निलंबन आदेश की समीक्षा के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। जांच प्राधिकार द्वारा जांच पूरी करने, रिपोर्ट पेश करने और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के नोटिस की स्वीकृति एवं अन्य कार्यों के लिए समयसीमा तय है। इसके अलावा, सीधी भर्ती, प्रतिनियुक्ति आदि के लिए आवेदन प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है।

बाजार से 4.88 लाख करोड़ उठाएगी सरकार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 31 मार्च।

अगले वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से सितंबर में बाजार से 4.88 लाख करोड़ रुपए उठाएगी। कोरोना विषाणु के महामारी के असर से निपटने के प्रयासों के बीच सरकार संसाधन जुटाने में लगी है। आर्थिक मामलों के सचिव अतनु चक्रवर्ती ने मंगलवार को हुई बैठक के निर्णय की जानकारी दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020- 21 के बजट में बाजार से सकल 7.8 लाख करोड़ रुपए का उधार लिए जाने का अनुमान लगाया है। चालू वित्त वर्ष में इसके 7.1 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। सकल उधारी में पिछले कर्जों के भुगतान के लिए उठाई गई कर्ज की राशि भी शामिल होती है। वित्त मंत्री ने कहा कि 2019- 20 के दौरान शुद्ध बाजार उधारी 4.99 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि नए वित्त वर्ष 2020- 21 में इसके 5.36 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

अगले वित्त वर्ष में बाजार से उठाई जाने वाली राशि का एक बड़ा हिस्सा पूंजी व्यय में खर्च होने का अनुमान है। सरकार ने पूंजी खर्च में 21 फीसद की वृद्धि का प्रावधान किया है। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से धन जुटाती है।

कोरोना संक्रमण पहाड़ों में पहुंचा तो संभालना मुश्किल होगा : रावत

देहरादून, 31 मार्च (भाषा)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मंगलवार को एक बार फिर प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि वे सामाजिक मेलजोल से दूरी बनाए रखने का सख्ती से पालन करें क्योंकि यदि कोरोना वायरस संक्रमण राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में फैल गया तो उसे संभालना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक संरचना और वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार नहीं है।

सोमवार रात फेसबुक लाइव में मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य के बाहर काम कर रहे हजारों लोग अपने गांवों में लौट आए हैं। मुझे बताया गया है कि वे वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट और पत्ते खेलकर अपना समय गुजार रहे हैं। यह ऐसी गतिविधियों का समय नहीं है। सुरक्षित रहने के लिए उन्हें सामाजिक मेलजोल से दूरी बनाए रखनी होगी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य प्रदेशों से अपने गांव आए लोगों से अनुरोध है कि वे अन्य लोगों से दूरी बनाए रखें, अपने बच्चों से भी कुछ दिनों के लिए दूर रहें, खुद को भी बचाएं और अपने परिवार तथा गांव को भी सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि जाने-अनजाने में भी कोई गलती नहीं करनी है। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से ही हम कोरोना वायरस को हरा सकते हैं, 'कोरोना हारेगा, उत्तराखंड जीतेगा।' उन्होंने कहा, 'हम कोरोना वायरस से बचाव के अपने प्रयासों में कोई कमी न रखें। इटली, स्पेन और फ्रांस में क्या हुआ, देखिए, कोरोना वायरस अनजाने में हुई भूल को भी नहीं माफ करता।' रावत ने लॉकडाउन के दौरान संयम दिखाने के लिए जनता का आभार जताया और उम्मीद जाहिर की कि आने वाले दिनों में जनता जरूरत पड़ने पर इससे भी कड़े नियमों का पूरे संयम से पालन करेगी। इस बीच, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता मदन कौशिक कहा कि अपने गांव लौटे लोगों का एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष के बदलाव की झूठी खबर फैलाने के आरोप में दो नेता निष्कासित

माला वर्मा और कुलदीप शर्मा पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित

देहरादून, 31 मार्च (भाषा)।

कोरोना वायरस संक्रमण संकट के बीच उत्तराखंड कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर बदलाव संबंधी झूठी खबरें वायरल करने के आरोप में मंगलवार को पार्टी ने दो नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

प्रदेश कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश पार्टी प्रभारी अनुग्रह नारायण सिंह के निर्देश पर नैनीताल जिले के दो नेताओं, माला वर्मा और कुलदीप शर्मा को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है।

सिंह ने कहा, 'वर्तमान में सभी देशवासी कोरोना वायरस संकट में आम जनता की मदद के लिए प्रयासरत है लेकिन कुछ तथाकथित कांग्रेसजन उत्तराखंड में पार्टी संगठन में परिवर्तन की चर्चा कर रहे हैं। ऐसे समय में ऐसे किसी भी कृत्य को अनुशासनहीनता माना जाएगा।' पार्टी के इन नेताओं ने हाल में सोशल मीडिया में कहा था कि प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के स्थान पर कांग्रेस महासचिव और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत प्रदेश को प्रदेश पार्टी प्रमुख बना दिया गया है। यह खबर बड़ी तेजी से वायरल हुई जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस में खलबली मच गई।

खबर पर संज्ञान लेते हुए अनुग्रह नारायण सिंह ने अनुशासनात्मक समिति को दोषी नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हरीश रावत ने इन खबरों का खंडन किया और कांग्रेसजनों से क्षमा मांगी है।

सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में रावत ने कहा, 'मैं उत्तराखंड के कांग्रेसजनों से क्षमा प्रार्थी हूँ। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद को लेकर एक भ्रामक, झूठा, सत्य से कोसों परे समाचार बनाने का प्रयास किया गया है। आप सब इस तरीके के कुप्रयासों की निंदा करें। हम अपने प्रदेश अध्यक्ष के साथ खड़े हैं और इस समय कांग्रेस कोरोना वायरस पीड़ित मानवता के साथ खड़ी है। ऐसे वक़्त में इस तरह की हास्यास्पद बातें फेसबुक पर डालना और उसके लिए सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना अत्यधिक निंदनीय है।'

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0
ई-निविदा आमंत्रण सूचना अनुभवी कार्यदायी संस्थाओ/फर्मो से विद्युत पारेषण मंडल, मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत निम्न कार्यो/आपूर्ति हेतु ई-निविदायें ई-पोर्टल etender.up.nic.in पर दो भागो मे निविदा खोलने की दिनांक को 12.00 बजे तक आंमत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा शुल्क आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0 तथा धरोहर राशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/बैंक गारन्टी के माध्यम से (निविदा शुल्क एवं धरो. हर राशि पृथक-पृथक हस्तांरित की जानी है) **Executive Engineer, Electy Tr. Division, Muzaffarnagar** के पक्ष में पंजाब नैशनल बैंक की शिव चौक मुजफ्फरनगर शाखा में संचालित चालू बैंक खाता संख्या 0332002100027440 (IFSC Code PUNB0033200) में जमा करायी जायेगी। निविदा के प्रथम भाग में आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/बैंक गारन्टी द्वारा जमा किये गये निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि की यथा योज्य यू0टी0आर0 संख्या की प्रति, खाते का नाम, निर्गतकर्ता बैंक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित एवं निविदादाता द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित पे-इन स्लिप की प्रति, निविदा प्रपत्र, पैन कार्ड, जी0एस0टी0 संख्या, इन्कम टैक्स रिर्टन की स्वयं प्रमाणित छाया प्रति, तकनीकी अनुभव इत्यादि ई-पोर्टल पर स्कैन्ड प्रतियॉ (PDF format) तथा ई-निविदा के द्वितीय भाग मे दरे एवं वाणिज्यक नियम व शर्ते ई-पोर्टल पर अपलोड की जायेगी। निविदा शुल्क, धरोहर राशि एवं अन्य व्यवसायिक प्रपत्र हार्ड कॉपी में अथवा व्यक्तिगत संवाहक के माध्यम से इस कार्यालय में प्राप्त नही किये जायेंगें। निविदा की वैधता खुलने की तिथि से 90 दिन होगी। ई-निविदा के प्रथम भाग उसी दिन निर्धारित समय पर सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा एवं भाग द्वितीय (प्राइजबिड) खुलने की तिथि तदोनुसार बेवसाइट पर सूचित की जायेगीं। निविदा भाग प्रथम में सम्बधित प्रपत्रों का अपलोंड ना किये जाने की स्थिति में निविदा का भाग द्वितीय (प्राईस बिड) नही खोला जायेगा। ई-निविदा खुलनें की तिथि पर अवकाश होने की स्थिति में ई-निविदा अगले कार्य दिवस मे खोली जायेगी। ई-निविदाओं को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार /विभाजित करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। कृपया विस्तृत जानकारी, डाउन लोड, अन्य संशोधनों एवं ई-निविदा प्रस्तुत करने के दिनांक तक विस्तार आदि के सम्बन्ध में कृपया etender.up.nic.in पर लॉग आन करें। विवरण निम्न प्रकार है- ई-निविदा संख्या, कार्य/सामग्री का विवरण, खुलने की दिनांक, आमंत्रित एवं खोलने का समय धरो. हर राशि एवं निविदा का मूल्य के क्रम में पढ़ा जाये। 1. वि0पा0म0/मु0/टी-07/2020-21 : (अल्पकालिक) विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, सहारनपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 सहारनपुर (पीजीसीआईएल)-खारा एस0सी0 लाईन के स्थानान्तरण एवं ऊँचाई बढाने का कार्य। दिनांक 17.04.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:00 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 134000/-, रू. 5900/- (कर सहित)। 2. वि0पा0म0/मु0/टी-08/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड, मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत उपखण्ड अधिकारी, विद्युत पारेषण उपखण्ड-प्रथम, नरा के प्रयोगार्थ 01 अदद डीजल चालित वाहन चालक सहित किराये पर उपलब्ध कराये जाने हेतु। दिनांक 04.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:00 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 2600/-, रू. 590/- (कर सहित)। 3. वि0पा0म0/मु0/टी-09/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड, शामली के अर्न्तगत 220 के0वी0 एकलपथ शामली-मुजफ्फरनगर लाईन के टावर सं0 33 (ए टाईप) एवं 34 (बी टाईप) के मध्य 01 नग डबल सर्किट (बी टाईप) टावर स्थापित करने का कार्य। दिनांक 04.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:15 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 20000/-, रू. 1770/- (कर सहित)। 4. वि0पा0म0/मु0/टी-10/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड, शामली के अन्तर्गत 132 के0वी0 एकलपथ नरा-लालूखेडी लाईन के टावर सं0 144 (ए टाईप) पर रिटेनिंग वॉल बनाने एवं अन्य सम्बन्धित कार्य। दिनांक 04.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:30 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 6000/-, रू. 1180/- (कर सहित)। 5. वि0पा0म0/मु0/टी-11/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, सहारनपुर के अन्तर्गत 132 के0वी0 डबल सर्किट सहारनपुर-अम्बाला रोड प्रथम एवं सहारनपुर-गागलहेडी लाईन के टावर सं0 18 (बी) पर रिवेटमेंट का कार्य। दिनांक 04.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:45 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 7400/-, रू. 1180/- (कर सहित)। 6. वि0पा0म0/मु0/टी-12/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड, मुजफ्फरनगर के अन्तर्गत 132 के0वी0 उपकेन्द्र भोपा रोड का वार्षिक आधार पर अनुरक्षण का कार्य। दिनांक 05.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:00 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 12500/-, रू. 1770/- (कर सहित)। 7. वि0पा0म0/मु0/टी-13/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, सहारनपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र सहारनपुर एवं 132 के0वी0 उपकेन्द्र गागलहेडी पर अग्नि शमन यन्त्रो की रिप्लिंग का कार्य। दिनांक 05.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:15 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 2500/-, रू. 590/- (कर सहित)। 8. वि0पा0म0/मु0/टी-14/2020-21 : विद्युत पारेषण खण्ड, शामली के अन्तर्गत निर्माणाधीन 132 के0वी0 थानाभवन-हिन्ड टी0एस0एस0 लाईन के शेष बचे कार्यो को डेबिटेबिल आधार पर कराये जाने का कार्य। दिनांक 05.05.2020, 12:00 बजे (आमंत्रित), 13:30 बजे (तकनीकी भाग पार्ट-1 खोलने हेतु) रू0 10000/-, रू. 1770/- (कर सहित)। **"राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें" पत्रांक/ No. 612/ वि0पा0म0(ETC)/मु0नगर(MZN)/दिनांक/ DATED 31.03.2020**

विदेश से आने के बाद सूरत के 42 लोग लापता

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 31 मार्च।

गुजरात के सूरत जिले में इस महीने विदेश यात्रा करके आए कम से कम 42 लोग अपने पासपोर्ट में दिए गए पते पर नहीं मिले हैं। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, गुजरात सरकार को करीब 27,000 लोगों की एक सूची सौंपी गई थी और पासपोर्ट में दिया उनका पता भी बताया था, ताकि उनका पता लगाया जा सके और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिल सके। इन 42 'लापता' में से 16 पलसाना क्षेत्र, नौ बारदोली क्षेत्र, छह-छह लोग चोरायासी और ओल्पाद क्षेत्र से हैं। इसके अलावा तीन मंगरोल और दो कमरेज क्षेत्र से हैं। अधिकारी ने बताया कि विदेश यात्रा से लौटे ज्यादातर लोग मुंबई, बंगलुरू, लखनऊ और चेन्नई हवाईअड्डे पर आए थे। गुजरात में अब तक 73 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और छह लोगों की मौत हो चुकी है।

मानसिक परेशानी झेल रहे शराबियों की मदद को आगे आई केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम, 31 मार्च (भाषा)।

केरल सरकार ने उन लोगों को शराब खरीदने के लिए विशेष पास जारी करने का फैसला किया है, जो बुरी तरह शराब के आदी हैं और जिन्हें लाकडाउन के कारण शराब नहीं मिल पा रही है और इसके चलते उन्हें भारी मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में जारी 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान केरल सरकार ने शराब पीने वाले कुछ लोगों को विशेष पास देने का फैसला किया है।

सरकार ने सोमवार रात यह आदेश जारी किया। आदेश में कहा कि शराब न मिलने के कारण शारीरिक और मानसिक परेशानियां झेल रहे लोगों को सीमित और निर्धारित मात्रा में शराब दी जाएगी।

आदेश में कहा, 'अगर किसी व्यक्ति को डॉक्टर ने इन लक्षणों से पीड़ित बताया तो ही उसे सीमित मात्रा में शराब दी जाएगी।'

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि0
ई-निविदा तिथि विस्तार सूचना ई निविदा सूचना सं0 ETC/MU/T-299/2019-20 से ETC/MU/T-300/2019-20 के सम्बन्ध में सूचित करना है कि किसी भी निविदाकार द्वारा निविदा प्रस्तुत न किये जाने के फलस्वरूप उक्त निविदाओं को दिनांक 16.04.2020 तक विस्तारित किया जाता है। कृपया www.etender.up.nic.in पर विस्तार से सभी सूचना, विवरण/डाउनलोड तथा अन्य किसी भी प्रकार के संशोधन/विस्तार हेतु निविदा खुलने की तिथि तक लॉग ऑन करे। शेष अन्य नियम व शर्ते यथावत रहेंगी। "राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें" **पत्रांक/No. 599/ वि0पा0म0(ETC)/मु0नगर(MZN)/दिनांक/DATED 27.03.2020**

www.readwhere.com

सादे लिबास में डीएम, एसएसपी जांच को निकले, नौ दुकानदार भेजे गए जेल

वाराणसी, 31 मार्च (जनसत्ता)।

कोरोना विषाणु के दौरान सामान का भाव जांचने निकले जिलाधिकारी और एसएसपी ने नौ दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की। जमाखोरी करने और निर्धारित से ज्यादा कीमत उन्हें उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा और एसएसपी प्रभाकर चौधरी ट्राउजर व टी शर्ट पहन हाथ में झोला व पीठ पर बैग लटकाए किराना दुकानों से सामान खरीदने लगे। इस दौरान उनके साथ कोई फोर्स नहीं थी। कालाबाजारी कर रहे दुकानदार इस तरह वेश बदल कर पहुंचे अधिकारियों को नहीं पहचान सके। दुकानदार उन्हें भी निर्धारित दाम से अधिक मूल्य पर सामान देने लगे। तय मूल्य से ज्यादा लेने वाले नौ दुकानदारों को रंगेहाथ पकड़कर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजवा दिया। जिलाधिकारी ने मंगलवार को बताया कि ल्पूर्ण बंदी के दौरान कालाबाजारी कर रहे दुकानदारों की बार-बार शिकायत मिल रही थी। आलू, आटा, चावल, सब्जियों को बेच रहे चेतगंज, पानदरीबा में छापा मार कर, नौ दुकानदारों के खिलाफ अधिक मूल्य पर सामान बेचते रंगे हाथ पकड़ लिया गया। सभी को मौके पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। डीएम ने बताया कि जनपद में अन्य मजिस्ट्रेटों द्वारा कालाबाजी करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सभी दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित मूल्य से ज्यादा दाम लेने पर निश्चित कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि गरीबों को बांटने वाली भोजन सामग्री की गुणवत्ता व पैकेजिंग अच्छे स्तर की हो। पूर्ण बंदी के दौरान जरूरतमंद लोगों को रोजमर्रा की चीजें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने गेस्ट हाउस में ठहरे विदेशी नागरिकों से मुलाकात की उनका हाल चाल जाना। अस्सी घाट के पास गणेश शंकर मिश्रा, मुश्ताक हास्टल में ठहरे पाँच-पाँच विदेशी पर्यटकों का हाल चाल लिया।

दो सौ नमूनों की हुई जांच

सीएमओ वीबी सिंह ने मंगलवार को बताया कि दस मार्च के बाद विदेश की यात्रा कर घर आए लोगों को दीनदयाल अस्पताल पहुंचा कर बुखार नापा गया। इस बीच दो सो नमूने जांच के लिए लिए गए हैं।

प्रयागराज में मंगलवार को एक किराना स्टोर में घरों में भेजने के लिए तैयार किए जा रहे पैकेट।

जहरीला पदार्थ खाने पर मदरसा छात्र अस्पताल में भर्ती

देवबंद, 31 मार्च (जनसत्ता)।

देवबंद के एक मदरसे के छात्र ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। छात्र को गंभीर हालत में सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। सूत्रों से जानकारी मिली है कि छात्र घर के जाने की जिद कर रहा था। लेकिन पूर्ण बंदी होने के कारण उसका घर जाना संभव नहीं था। छात्र बिहार के जनपद भागलपुर के गांव डाहरपुर निवासी यासिर पुत्र अब्दुल मजीद है, जिसकी उम्र करीब 18 साल है।

बंदी तोड़ने पर 364 पर मुकदमा, 49 लाख जुर्माना वसूला गया

सहारनपुर मंडल में पूर्ण बंदी का पालन न करने पर सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली में 364 लोगों के खिलाफ चालान काटकर उनसे 49 लाख रुपए जुर्माना वसूला गया।

अभी भी जम रही चौपाल

पुलिस-प्रशासन के बार-बार मना करने के बाद भी लोग गली-मोहल्लों में चौपाल जमाने से बाज नहीं आ रहे है। पुलिस के आते ही यह लोग अपने-अपने घरों में भाग जाते है और पुलिस के जाते ही फिर से घरो के बाहर चैपाल जमा लेते है। देवबंद के मोहल्ला लहसवाडा चैक पर सुबह 6 से 10 बजे तक सबसे

निजामुद्दीन धार्मिक जलसे में भाग लेकर लौटे 51 लोगों को एकांतवास में रखा

वृंदावन, 31 मार्च (जनसत्ता)।

दिल्ली के निजामुद्दीन में हुए धार्मिक जलसे में शामिल 51 लोगों को एकांतवास में रखा गया है। आज डीजीपी कार्यालय से यह खबर जिला प्रशासन को भेजी गई कि दो लोग मथुरा में ठहरे हैं। इसके बाद हुई विस्तृत जांच में 51 लोगों की निशानदेही की गई है।

पुलिस ने भाग लेकर लौटे गोविंदनगर क्षेत्र में मरकज से 14 लोगों को हिरासलत में लिया है। विष्णुपुरी मस्जिद से सात लोगों को पकड़ा गया। वहीं फरह क्षेत्र के कस्बा ओल क्षेत्र की मस्जिद से 30 लोगों को पकड़ा गया है। इन सभी लोगों का परीक्षण किया गया है। सभी लोगों को 14 दिन के लिए एकांतवास में भेजा गया है। इन सभी लोगों को वृंदावन में अग्रसेन धर्मशाला वृंदावन में रखा गया है। बताया गया है कि ये लोग आगरा, मुजफ्फरनगर और शामली के रहने वाले हैं। इतनी बड़ी संख्या में इन लोगों के पकड़े जाने पर यहां हड़कंप मच गया है।

बिजनौर की एक मस्जिद में ठहरे मरकज से लौटे इंडोनेशिया के आठ धर्मप्रचारक

बिजनौर, 31 मार्च (भाषा)।

बिजनौर जिले की तहसील नगीना की मस्जिद में दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज से आए इंडोनेशिया के आठ धर्मप्रचारक मिले।

एसपी (देहात) संजय सिंह के अनुसार नगीना की जामुन वाली मस्जिद में मरकज दिल्ली से इंडोनेशिया के आठ धर्मप्रचारक मिले हैं। उन्होंने बताया कि पहले ये लोग ओडिशा गए फिर 21 मार्च को नगीना आए। एसपी देहात के अनुसार सबको पृथक केंद्र भेजा गया है और इनसे पूरी जानकारी जुटाई जा रही है कि ये लोग कहां-कहां गए थे।

.मस्जिद के पांच लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग मस्जिद को सेनेटाइज करवा रहा है।

बेवजह घूमने वालों को पृथक करें : योगी

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर घोषित पूर्ण बंदी का सौ फीसद पालन कराने के आदेश देते हुए कहा है कि अगर कहीं कोई बेवजह चलता दिखे तो उसे फौरन पृथक इकाई में बैठाएं।

गृह विभाग के प्रमुख सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पूर्ण बंदी को 100 फीसद लागू करवाएं। प्रदेश में अगर कहीं कोई व्यक्ति बेवजह पैदल घूमता नजर आए तो उसे पृथक इकाई में डाला जाए। उन्होंने बताया कि योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पूर्ण बंदी कोरोना वायरस के खिलाफ एक जंग है और इसमें किसी भी तरह की कोताही बरदाश्त नहीं की जाएगी।

अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में पूर्ण बंदी उल्लंघन के मामलों में अब तक 6079 मुकदमे दर्ज किए गए हैं और 18950 लोगों के खिलाफ कार्यवाही की गई है। अब तक 751600 गाड़ियों की जांच की गई है और लगभग 124000 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही 12213 गाड़ियों को जब्त भी किया गया है। उन्होंने बताया कि योगी ने वाराणसी में निर्धारित मूल्य से ज्यादा कीमत पर सामान बेचने के आरोप में करीब 10 लोगों को पकड़ने पर वहां के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की सराहना करते हुए निर्देशित किया है कि हर जिले में सार्वजनिक स्तर पर वस्तुओं की रेट लिस्ट प्रर्देशित की जाए और उसका व्यापक प्रचार किया जाए। मुख्यमंत्री ने पाया है कि कुछ जिलों में अभी पर्याप्त संख्या में सामुदायिक रसोईघर नहीं स्थापित किए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि हर जिले में जहां जहां संभव है वहां ये रसोईघर बनवाए जाएं।

बरेली में एक ही परिवार के पांच लोग कोरोना संक्रमित

बरेली, 31 मार्च (जनसत्ता)।

नोएडा की सीजफायर फैक्टरी में काम करने वाले युवक के कोरोना विषाणुसे संक्रमित होने के बाद जांच में उसके परिवार के पांच सदस्य भी संक्रमित पाए गए हैं। रिपोर्ट में युवक के माता-पिता, भाई-बहन और पत्नी को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।बरेली के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा विनीत शुक्ला ने बताया कि मंगलवार सुबह आई रिपोर्ट के मुताबिक एक ही परिवार के पांच लोग कोरोना पॉजिटिव हैं। डा शुक्ल ने बताया कि युवक के रिहायशी इलाके सुभाषनगर में एक किलोमीटर दायरे के सभी घरों में रहने वालों की जांच के लिए नौ टीमें लगाई गई हैं। कई घरों में लोगों की जांच की जा चुकी है। संक्रमित युवक के संपर्क में आने वालों की भी जांच होगी। इसके अलावा बरेली रेलवे जंक्शन के आसपास, ओवरहेड वॉटर टैंक, सरन अस्पताल, मेंधांश हॉस्पिटल, एचडीएफसी बैंक, रामगंगा अस्पताल, इंदिरापुरम कॉलोनी, रामलीला ग्राउंड, पाराशरी हाउस गहन निगरानी में हैं।दो दिन पहले नोएडा की सीजफायर उपकरण बनाने की फैक्टरी में काम करने वाले व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने आनन-फानन में व्यक्ति के घर को सैनेटाइज किया था साथ ही क्षेत्र को भी सैनेटाइज किया गया था।

मदरसा शिक्षकों ने किया एक दिन का वेतन देने का एलान

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा)।

कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए घोषित लॉकडाउन के दौरान गरीबों की मदद के लिये उत्तर प्रदेश के मदरसा शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने अपना एक दिन का वेतन देने का एलान किया है। टीचर्स एसोसिएशन मदारिसे अरबिया उत्तर प्रदेश के महामंत्री दीवान साहब ज़मां खां ने मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार को सोमवार को भेजे गए पत्र में कहा है 'देश इस वक्त कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए संघर्ष कर रहा है। संकट की इस घड़ी में मदरसा शिक्षक और अन्य कर्मचारी देशवासियों के साथ खड़े हैं।'

उन्होंने कहा कि लॉक डाउन के दौरान गरीबों को रही दुश्वारियों के मद्देनजर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस अपील का सम्मान करते हुए मदरसा शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने अपना एक दिन का वेतन कोरोना संघर्ष कोष में देने का निर्णय लिया है। खां ने कहा कि इसकी कटौती मार्च माह के वेतन से जिला स्तर पर किए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

'मरकज से लौटे हर व्यक्ति की जांच होगी'

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के निजामुद्दीन तब्लीगी मरकज से राज्य में आए हर व्यक्ति की जांच कराकर जरूरत पड़ने पर पृथक करने की कार्रवाई के निर्देश देते हुए मंगलवार को कहा कि राज्य में कहीं पर लोग बिना बताए समूह में रह रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सरकार ने मरकज से लौटे लोगों से आह्वान किया है कि वे स्वहित और समाज के हित में खुद सामने आकर अपने बारे में सूचना दें। गृह विभाग के प्रमुख सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने यहां संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली के तब्लीगी मरकज में हुई घटना के मद्देनजर अधिकारियों के साथ बैठक की। योगी ने कहा कि मरकज में शिरकत करके उत्तर प्रदेश आए हर व्यक्ति की जांच कराई जाए। अगर जरूरत पड़े तो उन्हें पृथक करने की कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि मरकज से लौटे लोग जहां कहीं भी हैं, उनकी जांच की जाए और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई की जाए। मरकज से लौटकर जो 157 लोग प्रदेश में आए थे उनमें से 95 फीसद का पता लगाया जा चुका है।

बाकी का पता लगा लिया जाएगा। हर हालत में उनका ब्लड टेस्ट कराया जाएगा। कोरोना वायरस के लक्षण नहीं पाए जाने के बाद भी उनकी निगरानी की जाएगी।

उन्होंने कहा, 'अभी तक किसी की भी जांच पॉजिटिव नहीं आई है। हमारी यह अपील और आह्वान है कि जहां भी ऐसे लोग हैं, वे खुद सामने आकर इसकी सूचना प्रशासन को दें। वह उनके हित में भी है और समाज के हित में भी।' अवस्थी ने कहा कि अगर कहीं पर लोग इकट्ठा हैं या समूह में रह रहे हैं या सूचना नहीं दी है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। कहीं पर अगर लोगों के छुपे होने की सूचना है तो निकटस्थ थाने या नियंत्रण कक्ष पर इत्तला दे दें। ऐसे लोगों को हम पहले तो समझाएंगे और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करेंगे।

जांच की व्यवस्था नहीं, सीधे घर पहुंचे मजदूर

उन्नाव, 31 मार्च (जनसत्ता)।

जिले में इक्का-दुक्का जगहों को छोड़कर बाहर लौटे मजदूरों सीधे अपने घर जा रहे हैं। कुछ ही जगहों पर जांच की व्यवस्था है। दिल्ली, मुंबई, जयपुर, चंडीगढ़ व लुधियाना आदि शहरों से मजदूरी करने वाले कामगार पैदल ही अपने घरों की ओर कूच कर दिए थे।

बाद में सैकड़ों मील की दूरी पैदल तय करते उन्हें देख प्रदेश सरकार ने सैकड़ों की संख्या में बसें उपलब्ध कराकर कामगारों को उनके क्षेत्र तक पहुंचाने के साथ ही यह भी निर्देश दिए कि गैर प्रांतों से लौट रहे कामगारों को गांव के बाहर स्थित प्राथमिक विद्यालय, धर्मशाला, बारात घर व पंचायत भवन आदि में रोककर उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया जाए। जिलाधिकारी के सख्त आदेश के बाद कई गांवों में आज इक्का-दुक्का कामगार गांव के बाहर बने आश्रय स्थलों में पहुंचे, लेकिन ज्यादातर सीधे अपने घरों में गए हैं। जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी आशुतोष ने बताया कि जांच की कोशिश की जा रही है।

एचटी लाइन की चपेट में आकर युवक की मौत :

विद्युत लाइन की हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। पूर्ण बंदी के चलते परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। थाना बांगरमऊ क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर हमजा निवासी फखरे आलम (25) पुत्र इकबाल सोमवार को देर रात गांव के बाहर स्थित फैजुल्लाह शाह बाबा की मजार की ओर जा रहा था।

रास्ते में झूल रहे एचटी लाइन के तार अंधेरे के कारण फखरे आलम देख नहीं सका और उसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पूर्ण बंदी के चलते घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी और उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

झोपड़ी में लगी आग, भाई-बहन की मौत

कुशीनगर, 31 मार्च (जनसत्ता)।

जिले के पड़रौना कोतवाली क्षेत्र के गंभीरिया टोला रामघाट में मंगलवार को झोपड़ी में आग लगने से मासूम भाई-बहन की जल कर मौत हो गई। आग की लपटों ने आसपास की 14 और झोपड़ियों को आगोश में ले लिया।

टोला रामघाट में डेढ़ दर्जन झोपड़ियां बनाकर लोग रहते हैं। सुबह 11 बजे के आस पास अधिकतर परिवार के अभिभावक खेतों में काम करने गए थे। तूफानी के घर में उसकी बेटी करिश्मा (7) व बेटा सुजीत (5)मौजूद थे। घर में सिलेंडर लीक कर रहा था। न जाने कहां से झोपड़ी में आग पहुंची और गैस की लीकेज के चलते धधक उठी।

बच्चे कुछ समझ पाते इससे पहले ही दोनों जल गए। आग जब आस पास की 14 और झोपड़ियों तक पहुंची तो ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। इसी बीच खेत से लौट कर तूफानी व उसकी पत्नी ने बच्चों को खोजना शुरू किया तो झोपड़ी में उनका जला हुआ शव बरामद हुआ।

उन्नाव के एक स्कूल में कोरोना संक्रमितों को रखने के लिए कक्ष बनाए गए हैं।

पूर्ण बंदी का उल्लंघन करने पर 42 मुकदमे दर्ज

संतकबीरनगर, 31 मार्च (जनसत्ता)।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए किए गए पूर्ण बंदी व बाहर से जनपद में आए लोगों को एकांत वास में रखा जा रहा है। पूर्ण बंदी का पालन न करने पर कुल 42 मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक बंदी का उल्लंघन करने पर खलीलाबाद में 8 ,दुधारा में 2,धनघटा में 9,मेंहदावल में 4,बखिरा में 10,बेलहर कलां में 2 समेत 42 मुकदमे दर्ज किए हैं।

मदरसा छात्रों को लंगर छकाया

देवबंद, 31 मार्च (जनसत्ता)।

गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सभा के सेवादारों की टीम ने ईदगाह क्षेत्र के आसपास रह रहे मदरसा छात्रों को लंगर छकाया।

हजारों की भीड़ पहुंची, स्टेशन पर मची अफरातफरी

देवरिया, 31 मार्च (जनसत्ता)।

दिल्ली, गाजियाबाद, हरियाणा आदि राज्यों से पूर्वी उत्तर प्रदेश व बिहार आने वालों का रेला आज तीसरे दिन भी जारी रहा। एकाएक भीड़ जुटने पर रोडवेज बस स्टेशन पर अफरा-तफरी मची रही। बाहर से आने वालों की भरसक जिले की सीमा खरोह के पास वाहनों को रोककर उनकी तापीय जांच की गई।

शनिवार की रात से सोमवार को शाम तक यहां कुल 135 वाहनों में पहुंचे 8130 लोगों की तापीय जांच की गई। ये लोग 99 बसों और 36 चार पहिया वाहनों से यहां पहुंचे। एसडीएम सदर दिनेश कुमार मिश्र व सीओ रुद्रपुर अंबिका सिंह ने बताया कि कुल तीन मेडिकल टीमें बनाईं।

हरियाणा से देवरिया पहुंचा युवक :

देवरिया जिले के भटनी क्षेत्र का युवक जिगिना मिश्र अपने गांव हरियाणा साइकिल से पहुंच गया। ग्राम जिगना मिश्र थाना भटनी क्षेत्र का निवासी विकास कुमार एक किराए के कमरे से रोजाना धारूहेड़ा साइकिल कंपनी में काम करने आता था। वह 24 मार्च को साइकिल से गांव के लिए चल पडा। पांच दिन में वह यहां पहुंच गया।

इंडोनेशिया के बारह लोगों को एकांतवास

सहारनपुर/देवबंद (जनसत्ता)।

देवबंद के जामिया तिब्बिया मेडिकल कालेज में छिपे इडोनेशिया के 12 लोगो को कमिश्नर संजय कुमार के निर्देश पर प्रशासन ने आज सहारनपुर स्थित आइआइटी के रुड़की परिसर में एकांतवास में रखा गया है। कमिश्नर संजय कुमार ने देर शाम जानकारी दी।

www.readwhere.com

मुरादाबाद में मंगलवार को पूर्ण बंदी के दौरान मोटरसाइकिल चालकों के दस्तावेजों की जांच करते पुलिसकर्मी।

प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या सौ के पार पहुंची

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा)।

प्रदेश में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है। राज्य में सात नए मामले सामने आने के साथ कोरोना वायरस मरीजों की संख्या बढ़कर 103 हो गई है।

स्वास्थ्य निदेशालय से मंगलवार को मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश के बरेली में कोरोना संक्रमण के पांच और नोएडा व गाजियाबाद में एक-एक मामला सामने आया है। इसके साथ ही मरीजों की संख्या 103 हो गई है।

इनमें नोएडा के सबसे ज्यादा 39 मामले शामिल हैं। इसके अलावा मेरठ में 19, आगरा में 11, लखनऊ में नौ, गाजियाबाद में आठ, बरेली में छह, वाराणसी और पीलीभीत में दो-दो, लखीमपुर खीरी, कानपुर, मुरादाबाद, शामली, जौनपुर, बागपत और बुलंदशहर में एक-एक मामला सामने आया है।

इन मरीजों में से 17 पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। इनमें आगरा के आठ, नोएडा के छह, गाजियाबाद के दो और लखनऊ का एक मरीज शामिल है।

इस बीच, स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद ने संवाददाताओं को बताया कि कोविड-19 संक्रमण के ये मामले कुल 75 में से 15 जिलों से आये हैं। इनमें भी 50 प्रतिशत से ज्यादा प्रकरण केवल नोएडा और मेरठ से हैं।

उन्होंने बताया कि इस समय हम बहुत महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस समय हम बहुत महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहे हैं। 17 मार्च को देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 100 से कुछ ज्यादा थी। अगले 12 दिनों में वह 100 से एक हजार तक पहुंच गई। 100 की संख्या के बाद का दौर बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर हम लगातार हाथ धोने और आपसी मेल-मिलाप में दूरी बनाए रखने का पालन करते हुए अगले 14 दिन सतर्कता बरतते हैं तो हमारे यहां मामलों की संख्या बहुत कम रहेगी। प्रसाद ने कहा कि हम चाहते हैं कि 100 से बाद वाले चरण में उसमें हमारे मामले बहुत कम बढ़ें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि एक-एक जिले में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को प्रभारी बनाया जाए, जिनकी निगरानी में अगले एक माह तक कार्यक्रम हो। इस सिलसिले में जो तीन हॉटस्पॉट, नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में एक-एक वरिष्ठ अधिकारी को तैनात कर दिया गया है जो अगले 15 दिन या एक महीने तक कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए हो रहे काम की निगरानी करेंगे।

उन्होंने कहा कि चूंकि नोएडा में कोरोना संक्रमण के कई मामले सामने आए। इसलिए मुख्यमंत्री ने ग्रेटर नोएडा के मुख्य अधिशासी अधिकारी नरेंद्र भूषण को जिम्मेदारी दी है।

अब सभी प्राधिकरण, नगर निकाय उनके निर्देशन में काम करेंगे और कोरोना के खिलाफ लड़ाई में पूरे तालमेल से काम होगा। प्रसाद ने बताया कि जिन जिलों में कोरोना के मामले अब तक नहीं आए हैं, वहां जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों से कहा गया है कि वे लगातार निगरानी करें और संदिग्ध मामले का पता चलते ही उसे पृथक सुविधा केंद्र में भेजें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की जांच के लिए आठ लैब काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज आइसीएमआर के साथ चर्चा हुई जिसमें हमने अनुरोध किया है कि झांसी, प्रयागराज और लखनऊ के राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट में बनी प्रयोगशालाओं को भी अधिकृत किया जाए।

कोरोना : प्रशासन ने नोएडा की सीजफायर कंपनी सील की

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 31 मार्च।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े तेवर के बाद प्रशासन ने मंगलवार को सेक्टर-135 स्थित अग्निशमन उपकरण बनाने वाली सीजफायर कंपनी को अनिश्चितकाल के लिए सील कर दिया है। जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि कंपनी में 17 मार्च को ब्रिटेन से जॉन नामक व्यक्ति ऑडिट करने आए थे। वह कोरोना विषाणु से संक्रमित थे लेकिन उन्होंने यह बात छिपा ली, जिसकी वजह से कंपनी के कई लोग और उनके परिवार वाले संक्रमित पाए गए हैं।

सीजफायर कंपनी नोएडा के सेक्टर-135 में आग बुझाने के उपकरण बनाती है। जॉन के संपर्क में आने के बाद अब तक कंपनी के 22 लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित हो चुके हैं। कोविड-19 के संक्रमण को फैलने से रोकने और बचाव के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी सदर प्रसून द्विवेदी ने मंगलवार सुबह इस कंपनी को सील कर दिया है। लंदन से करीब दो हफ्ते पहले आए जॉन की वजह से शहर समेत आसपास रहने वालों के लिए कोरोना को लेकर बड़ा खतरा हो गया है। ऑडिट के दौरान वह करीब 19 कर्मचारी के संपर्क में थे। नोएडा में अब तक इस कंपनी में काम करने वाले 13 कर्मचारियों में कोरोना की पुष्टि हो चुकी है। साथ ही कर्मचारियों के परिवार के छह अन्य लोग भी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि ऑडिट से पहले कंपनी के प्रबंधक और एक कर्मचारी भी ब्रिटेन से कुछ दिन पहले लौटे थे लेकिन कंपनी प्रबंधन ने अपने विदेश जाने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी।

संक्रमित मरीज मिलने पर अस्पताल सील

नोएडा, 31 मार्च (भाषा)।

ग्रेटर नोएडा के गामा-प्रथम सेक्टर में स्थित संजीवनी अस्पताल को जिला प्रशासन ने मंगलवार से दो दिन के लिए सील कर दिया है। अस्पताल में भर्ती एक मरीज के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद यह कदम उठाया गया है।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि संजीवनी अस्पताल को आज से 2 दिन के लिए सील कर दिया गया है। इस अस्पताल को सैनिटाइज (संक्रमण मुक्त) किया जा रहा है। अस्पताल में आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अस्पताल की ओपीडी सेवाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। उत्तर प्रदेश में गौतमबुधनगर जिला, विशेष रूप से नोएडा और ग्रेटर नोएडा कोरोना संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

पृथक रहने के निर्देशों का पालन नहीं करने पर 35 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पीलीभीत, 31 मार्च (भाषा)।

मक्का से लौटे दो लोगों के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद पुलिस ने मक्का से यहां लौटे 35 लोगों के खिलाफ घर में पृथक रहने के निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में मामजा दर्ज किया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि थाना अमरिया क्षेत्र के रहने वाले 35 लोग 25 फरवरी को उमरा करने के लिए सऊदी अरब गए थे। सभी लोगों की 20 मार्च को वतन वापसी हुई थी। उमरा करने वाले सभी यात्री विमान से सऊदी अरब से मुंबई पहुंचे थे। जहां पर जांच के बाद सभी लोगों को कोरोना संदिग्ध की मोहर लगाई गई थी। इन लोगों को घरों में पृथक रहने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे से बाहर निकलने के बाद सभी लोगों ने मोहर को खास स्प्रे से छुड़ा दिया और लगातार पुलिस को गुमराह करते हुए पीलीभीत पहुंच गए। उन्होंने बताया कि यहां पर इनकी दोबारा जांच होनी थी लेकिन इन्होंने निशान मिटा कर लोगों को चकमा दे दिया।

उन्होंने बताया कि बाद में इनमें से एक मां और बेटे के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि के बाद सारे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। अमरिया के थाना अध्यक्ष उदयवीर सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसमें कोरोना संक्रमित मां-बेटे का नाम भी शामिल है।

गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने संभाला कार्यभार

नोएडा, 31 मार्च (भाषा)।

गौतमबुद्ध नगर के नवनियुक्त जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने मंगलवार सुबह पांच बजे लखनऊ से यहां पहुंचकर अपना कार्यभार संभाल लिया।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि कार्यभार संभालने के बाद सुबह 8 बजे उन्होंने जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। यहां पर बहुराष्ट्रीय कंपनियां होने की वजह से काफी लोग विदेश से आते हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर डट कर काम करें। उन्होंने बताया कि मीटिंग के बाद जिलाधिकारी सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल, ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल सहित उन विभिन्न जगहों पर पहुंचे जहां पर कोरोना से संक्रमित लोगों को भर्ती किया गया है। तथा कोरोना के संदिग्ध मरीजों को रखने के लिए पृथक वार्ड बनाए गए हैं। इसके बाद जिलाधिकारी नोएडा, ग्रेटर नोएडा, और यमुना प्राधिकरण व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक में भाग लेने पहुंचे।

पूर्ण बंदी का उल्लंघन करने पर 20 पर कार्रवाई

मोदीनगर, 31 मार्च (जनसत्ता)।

पूर्ण बंदी का उल्लंघन करने पर तहसील क्षेत्र में 20 लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। मोदीनगर तहसील के चार थानाक्षेत्रों में पूर्ण बंदी होने के बावजूद बेवजह बाहर घूमतें पाए जाने पर 20 से अधिक लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है। पुलिस को सूचना मिली कि मोदीनगरए निवाड़ी, भोजपुर थाना क्षेत्र में पूर्ण बंदी होने के बावजूद कुछ लोग बेवजह सड़कों पर एकत्र हो रहें हैं। सूचना पाकर चारों थाने की पुलिस ने अभियान चलाया ओर जांच में एसे लोग जो बेवजह सड़क पर घूमतें पाए गए उन्हें हिरासत में लेकर उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। जनपद में कई मामले कोरोना पॉजेटिव पाएं जाने पर प्रशासन ने पूरे जनपद को हाई अलर्ट कर दिया है। लोगों से घरों से बाहर न खड़े होने की अपील करते हुए पुलिस को डीएम व एसएसपी ने ऐसे लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किए जाने के आदेश दिए है। इसके बाद से पुलिस आई अलर्ट मोड पर है।

करंट की चपेट में आकर दो लोग झुलसे : थानाक्षेत्र के गांव काजमपुर में बिजली के तार की चपेट में आकर दो युवक झुलस गए। गंभीर हालात में दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांव काजमपुर निवासी राजेंद्र कुमार परिवार सहित रहते है। दोपहर को राजेंद्र किसी काम से जा रहा था। जब वह एक बिजली के खंभे के पास पहुंचा तो उसके खंभे के हाथ लगा दिया। जिस कारण राजेंद्र कुमार को करंट लग गया। चीख पुकार सुन राजेंद्र को बचाने उसका नाती तनु आई तो वह भी करंट की चपेट में आ गई। करंट की चपेट में आकर दोनों झुलस गए। ग्रामीणों ने बिजली की लाइन बंद कराकर दोनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर दोनों की हालात स्थिर बनी हुई है।

ई-रिक्शा से घर-घर पहुंचाया गया खाने का सामान

बुलंदशहर, 31 मार्च (जनसत्ता)।

जिला प्रशासन व पुलिस ने एक नई पहल की है। इसके तहत ई रिक्शा के माध्यम से रोजमर्रा का खाने पीने का जरूरी सामान घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। इस पहल से पूर्ण बंदी में भी ई रिक्शा चालकों को रोजगार मिलेगा,घरों पर खाने पीने का सामान पहुंचने की वजह से दुकानों पर भीड़ जमा नहीं होगी व लोगों के बीच सामाजिक दूरी बनी रहेगी, जिससे कोरोना विषाणु के संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी।

जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने सोमवार देर शाम खुर्जा तहसील में सब्जियों से भरे 22 ई रिक्शाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ई रिक्शा खुर्जा नगर की 37 कॉलोनियों में घर-घर सब्जी पहुंचाएंगे। इन कॉलोनियों में रहने वाले लोग अपने अपने घरों के पास से ही सब्जियां खरीद सकेंगे। इस पहल से पूर्ण बंदी में भी ई रिक्शा चालकों को रोजगार मिलेगा,खाने पीने का जरूरी सामान घर घर पहुंचने की वजह से दुकानों पर भीड़ जमा नहीं होगी व लोगों में सामाजिक दूरी बनी रहेगी जिससे कोरोना विषाणु के संक्रमण के फैलने में रोकथाम हो सकेगी। मंगलवार से आमजन को ई रिक्शाओं के माध्यम से रोजमर्रा का खाने पीने का जरूरी सामान मसलन आटा,दाल,चावल,तेल आदि घर-घर पहुंचाने की शुरुआत की गई है।

सौ किलोमीटर चलने के बाद गर्भवती पत्नी के साथ घर पहुंचा युवक

बुलंदशहर, 31 मार्च (जनसत्ता)।

कोरोना विषाणु के संक्रमण को फैलने से रोकने के मद्देनजर देश भर में लागू की गई। पूर्ण बंदी में सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों और कामगारों को उठानी पड़ रही है। इन लोगों को अपने-अपने घरों तक पहुंचने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। किसी को पैदल जाना पड़ रहा है, तो किसी को साइकिल का सहारा लेना पड़ रहा है। ऐसे ही लोगों की फेहरिस्त में बुलंदशहर के युवक व उसकी गर्भवती पत्नी भी शामिल हो गए हैं जिन्हें अपने घर पहुंचने के लिए सौ किलोमीटर से ज्यादा का लंबा सफर भूखे पेट पैदल ही तय करना पड़ा है।

यहां के स्याना इलाके के अमरगढ़ गांव के रहने वाले एक युवक को कारखाना बंद होने की वजह से अपनी आठ महीने की गर्भवती पत्नी के साथ सहारनपुर से मेरठ तक का सफर पैदल ही तय करना पड़ा। मेरठ पहुंचते पहुंचते दोनों थकान से बेहाल हो गए। वहां के स्थानीय लोगों की नजर जब इस दंपति पर पड़ी तो उन्होंने उनसे पूछताछ की जिसके बाद सारा माजरा समझ में आने पर उन्होंने दंपति की दिल खोल कर मदद की और गाड़ी का इंतजाम कर उन्हें उनके घर भिजवाया।

अमरगढ़ का रहने वाला वकील सहारनपुर के एक कारखाने में काम करता है और कारखाना मालिक के दिए गए कमरे पर अपनी पत्नी यासमीन के साथ रहता है। पूर्ण बंदी की घोषणा होने के बाद कारखाना मालिक ने वकील को पैसे दिए बगैर ही उसे कमरा खाली कर वापस जाने को कहा। वकील और उसकी आठ महीने की गर्भवती पत्नी यासमीन ने पैसे न होने पर पैदल ही घर निकलने का फैसला किया।

वह सहारनपुर से सौ किलोमीटर से ज्यादा का सफर भूखे पेट पैदल ही तय कर मेरठ के सोहराब गेट बस अड्डे पर पहुंचे। मेरठ के रहने वाले नवीन और रविंद्र की नजर वकील और उसकी पत्नी पर पड़ी तो उन्होंने दंपति से पूछताछ की। मामला समझ में आने पर उन्होंने नौचंदी थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी और दंपति को खाने का सामान व कुछ पैसे देकर गाड़ी से उन्हें उनके घर भिजवाया।

लोगों पर रसायन छिड़काव करने के जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई का आदेश

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली में पिछले दिनों लोगों पर रसायन का स्प्रे किए जाने की घटना को अशिष्टतापूर्ण बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

गृह विभाग के प्रमुख सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री ने बरेली में लोगों पर स्प्रे किए जाने की घटना को 'अशिष्ट और अभद्र' बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

मालूम हो कि रविवार को बरेली में पुलिस की मौजूदगी में अस्थाई बस अड्डे पर जिले से गुजर रहे सैकड़ों लोगों पर यातायात पुलिस के जरिए दमकल गाड़ियों से सोडियम हाइपोक्लोराइड युक्त पानी का छिड़काव कराया गया था। घोल का पानी आंखों में पड़ने से कुछ लोगों की आंखें लाल हो गईं और उन्हें जलन महसूस हुई।

सूत्रों के मुताबिक इन कामगारों पर दो बार छिड़काव किया गया। इससे कुछ देर के लिए वहां भगदड़ मच गई। विपक्षी दलों ने इस घटना की कड़ी आलोचना करते हुए सरकार का घेराव किया था।

खांसी-जुकाम से परेशान युवक ने कुएं में कूद कर जान दी

मथुरा, 31 मार्च (भाषा)।

मथुरा जनपद में सोमवार को राजमार्ग के थाना क्षेत्र में मथुरा-भरतपुर मार्ग पर एक गांव में खांसी-जुकाम से पीड़ित युवक ने कुएं में कूद कर आत्महत्या कर ली।

लोगों ने युवक को कोरोना संक्रमित होने का संदेह जताया लेकिन पुलिस ने इससे इनकार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार सुबह मुड़ेसी गांव के एक युवक महेंद्र पुत्र कारे (36) के कुएं में कूद कर जान देने की सूचना मिली थी। उसके परिजनों ने बताया कि वह तड़के तीन बजे घर से निकला था। घर वालों को लगा कि वह नित्यकर्म के लिए गया होगा। लेकिन देर तक युवक के वापस न आने पर परिजनों ने उसे खोजना शुरू किया। तब एक कुएं के बाहर उसकी चप्पलें और मोबाइल फोन रखा मिला और उसका शव कुएं के पानी में उतराता दिखाई दिया।

बलिया में विदेश यात्रा की जानकारी छिपाने पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज

बलिया, 31 मार्च (भाषा)।

मस्कट से आए एक युवक के खिलाफ जिला प्रशासन ने यात्रा की जानकारी छिपाने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक देवेंद्र नाथ ने बताया कि भीमपुरा थाना क्षेत्र के कुशहा ब्राह्मण ग्राम का राजाराम चौहान पिछले दिनों मस्कट से आया था। जिस विमान से वह घर लौटा, उसके साथ यात्रा करने वाले एक व्यक्ति को कोरोना पॉजिटिव पाया गया। वह व्यक्ति दूसरे प्रदेश का रहने वाला है। जिलाधिकारी हरि प्रताप शाही ने बताया कि राजाराम अपने साथी पप्पू महतो के साथ 20 मार्च को मस्कट से लखनऊ आया और वहां से बोलेरो से ये लोग साथ में निकले। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सीवान जिले के सलाहकार की ओर से 30 मार्च को सूचना मिली कि पप्पू महतो की जांच हुई है, जिसमें वह पॉजिटिव पाया गया है। चूंकि, राजाराम चौहान ने भी साथ में ही यात्रा की थी, इसलिए इसके भी संदिग्ध होने की सूचना दी गई।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया और तत्काल युवक की खोजबीन में लग गया। 31 मार्च को सुबह राजाराम का पता लगा। उसे पृथक रखा गया है और जांच के लिए सैंपल भेजा गया। जांच रिपोर्ट 24 घंटे बाद आ जाएगी। उन्होंने बताया कि भीमपुरा थाने में राजाराम के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

विदेश से आने वालों ने छुपाई सूचना तो होगी रपट

जिले के 29 कॉलेज व चार होटल किए गए अधिग्रहीत

गोण्डा, 31 मार्च (जनसत्ता)।

जिले में 12 मार्च के बाद विदेश से आने वाले हर व्यक्ति को 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से अपने जिले में आगमन की सूचना जनपद मुख्यालय पर बने कंट्रोल रूम को देनी होगी।

ऐसा करने में विफल रहने पर उसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज करवाकर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी डॉ. नितिन बंसल ने बताया कि कोरोना विषाणु के संक्रमण की रोकथाम व बचाव के दृष्टिगत शासन ने 12 मार्च 2020 के बाद विदेश से आने वाले सभी व्यक्तियों का निर्धारित प्रोटोकाल के तहत चिकित्सीय स्कैनिंग सैंपिलंग कराया जाना अनिवार्य कर दिया है। ऐसे में आवश्यक है कि कोरोना की संवेदनशीलता को देखते हुए 12 मार्च के बाद विदेश से आने वाले लोग स्वतः अपने जिले में आगमन की सूचना जनपद मुख्यालय पर स्थापित कोरोना मेडिकल कंट्रोल रूम के फोन नंबर 05262-227855, जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबर 05262-230185 व डॉ. फारूख सगीर के वाट्स एप नंबर 9648008118 पर प्रत्येक दशा में 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यदि विदेश से आया हुआ कोई भी व्यक्ति ऐसी सूचना को छिपाता है तो बाद में पता चलने पर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही जिले के 29 स्कूल कॉलेजों को गैर प्रांतों व गैर जनपदों से आने वाले लोगों को घर पर पृथक रहने को कहा गया है। सभी लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग करके 14 दिनों तक इन्हीं केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन की निगरानी में रखा जाएगा। इस बीच गैर प्रांत से आए लोगों की स्वास्थ्य विभाग के जरिए थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है।

www.readwhere.com

लोगों की मदद के लिए जम्मू कश्मीर के दूरदराज क्षेत्रों में सेना का अभियान

जम्मू, 31 मार्च (भाषा)।

सेना ने जम्मू कश्मीर के दूरदराज के एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने और कोरोनो वायरस के खिलाफ लड़ाई में उन्हें शिक्षित करने और उनकी सहायता करने के लिए बहुपक्षीय अभियान शुरू किया है। इस अभियान का शीर्षक 'संयुक्त रूप से हम कोरोना का अंत करेंगे' है। इस अभियान के तहत हाथ धोने की सुविधा करने के अलावा पर्चे, मास्क, सेनिटाइजर और राशन का भी वितरण किया जाएगा।

सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में दूरदराज के क्षेत्रों समेत विभिन्न स्थानों पर लोगों को शिक्षित करने और उनकी मदद करने के लिए एक बहु-पक्षीय अभियान की शुरूआत की है।' उन्होंने कहा, 'विभिन्न क्षेत्रों में, हम कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में प्रशासन की मदद करने और कई सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए सामने आए हैं।'

भीलवाड़ा में सख्त बंदी की तैयारी

जनसत्ता ब्यूरो/भाषा
जयपुर, 31 मार्च।

जिला प्रशासन भीलवाड़ा में दस दिन के बंद को पूरी सख्ती से लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए स्वयंसेवी संगठनों व मीडिया को जारी पास भी निरस्त कर दिए गए हैं। यह सख्ती तीन अप्रैल से दस दिन के लिए होगी।

भीलवाड़ा कोरोना क पॉजिटिव मामलों के कारण चर्चा में आया है। राज्य के 30 फीसद से अधिक मामले इसी शहर में हैं। शहर के लोगों से इस दौरान पूरी तरह से घरों में रहने को कहा जा रहा है और जिला प्रशासन ने सभी जरूरी सेवाएं घरों पर ही देने की समय सारिणी बनाई है। भीलवाड़ा जिले में अब महा कर्फ्यू की तैयारी की जा रही है। जिला कलेक्टर राजेंद्र भटट के अनुसार यह महा कर्फ्यू तीन से 13 अप्रैल तक लगेगा और इसमें सभी तरह के कर्फ्यू पास अमान्य होंगे। मीडिया समेत तमाम लोगों के कर्फ्यू पास को प्रशासन ने तीन से 13 अप्रैल तक के लिए निरस्त कर दिए हैं। इस महा कर्फ्यू की निगरानी जयपुर से सरकार करेगी।

उन्होंने कहा कि आवश्यक सामान खरीदते समय भी लोगों को सामाजिक दूरी का कड़ाई से पालन करना होगा अन्यथा सामान आपूर्ति करने वाली वैन को वहां से हटा लिया जाएगा और फिर यह वैन या वाहन पांच दिन बाद ही आएगा। भट्ट ने कहा कि शहर सर्वेक्षण-जांच का पहला चरण सफल रहा। प्रदेश में मंगलवार को कोरोना पाजिटिव 4 नए मामले सामने आने के बाद अब कुल 89

> भीलवाड़ा कोरोना पॉजिटिव मामलों के कारण चर्चा में आया है। राज्य के 30 फीसद से अधिक मामले इसी शहर में हैं। लोगों से इस दौरान पूरी तरह से घरों में रहने को कहा जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी जरूरी सेवाएं घरों पर ही देने की समय सारिणी बनाई है। भीलवाड़ा के जिला कलेक्टर राजेंद्र भट्ट ने कहा 'तीन अप्रैल से 10 दिन के लिए लोगों को घरों में ही रहना होगा। हम मीडिया व गैर सरकारी संगठनों एनजीओ व अन्य लोगों को जारी सभी पास रद्द करने जा रहे हैं।'

मामले हो गए हैं। इनमें सोमवार को ईरान से एयर लिफ्ट कर लाए गए 7 भारतीय भी शामिल है। चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह का कहना है कि भीलवाडा से लगातार मामले सामने आने के बाद ही उसके लिए अलग से कार्ययोजना बनाई गई है।

कलेक्टर ने कहा, कुल 26 पाजिटिव मामलों में से आठ उपचार के बाद ठीक हो गए हैं। जो अच्छी खबर है। अगर लोग आने वाले दिनों में अनुशासन में रहेंगे और प्रशासन का सहयोग करेंगे तो हम कोरोना वायरस संकट पर जीत हासिल करेंगे।' राज्य में अब तक लिए गए कुल 3447 नमूनों में से 1194 नमूने अकेले भीलवाड़ा से हैं। स्वास्थ्य टीमों ने जिले की 26 लाख से अधिक आबादी की जांच की है। अधिकारियों ने कहा कि भीलवाड़ा में दो सर्वेक्षणों में 3.74 लाख लोगों की जांच की गई है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 22.22 लाख लोग हैं।

भीलवाड़ा कोरोना संक्रमण के मामलों के कारण राज्य सरकार के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। यहां एक निजी अस्पताल के तीन डॉक्टरों और नौ नर्सिंगकर्मी शुरू में पाजिटिव पाए गए। इसके बाद जो भी मामले सामने आए हैं उनमें से ज्यादातर या तो इस अस्पताल के कर्मचारी हैं या यहां इलाज के लिए आए लोग हैं। मामले सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने जिले में कर्फ्यू लगा दिया और जिले की सीमाओं को सील करते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण और जांच की थी।

कर्नाटक : बंदी में मिली ढील, बाजारों में उमड़ी भीड़

मंगलुरु, 31 मार्च (भाषा)।

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में लॉकडाउन में मंगलवार को नौ घंटे की ढील के दौरान सुपर बाजारों और किराने तथा सब्जियों की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी।

इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे से भौतिक दूरी बनाए रखने के लिए बार-बार की जा रहीं अपीलों की भी परवाह नहीं की। शहर में बीते तीन दिन से पूरी तरह लॉकडाउन था। साथ ही यह खबर भी फैल रही है कि बुधवार से फिर तीन दिन तक दुकानें बंद रखने को कहा जाएगा। ऐसे में लोगों के बीच मंगलवार को खरीदारी को लेकर गहमागहमी देखी गई।

सुबह से ही दुकानों में भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिलीं। जिला प्रशासन ने लोगों से खरीदारी के लिए जाते समय मास्क पहनने का अनुरोध किया था, जिसका कुछ ही लोगों ने पालन किया। अधिकारियों ने जनता के इस व्यवहार पर चिंता जताई है और वे रणनीति में बदलाव पर विचार कर रहे हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले की उपायुक्त सिंधू बी रूपेश ने कहा कि जनता की प्रतिक्रिया देखने के बाद लॉकडाउन में सख्ती रखने पर फैसला किया जाएगा।

ओड़ीशा में सभी 103 नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई

भुवनेश्वर, 31 मार्च (भाषा)।

ओड़ीशा में कोरोना वायरस संक्रमण के लिए जांच किए गए सभी 103 नमूनों की रिपोर्ट सोमवार को निगेटिव आई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों ने कहा कि यद्यपि यह एक बड़ी राहत है लेकिन प्राधिकारी कोविड-19 के खिलाफ अपनी लड़ाई में कोई ढिलाई नहीं बरतेंगे। इसके साथ ही राज्य में अभी तक कुल 473 नमूनों की कोरोना वायरस संक्रमण के लिए जांच की गई है, जिसमें से तीन की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

अधिकारियों ने कहा कि तीन संक्रमित मामले 15 दिन की अवधि में सामने आये हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार ने सोमवार को 103 नमूने जांच के लिए भेजे थे। इसमें से 80 नमूने आरएमआरसी, भुवनेश्वर और 23 को एम्स, भुवनेश्वर भेजा गया था। सभी नमूनों की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों और राज्य सरकार के लिए राहत की बात यह है कि कोरोना वायरस से संक्रमित तीनों मरीजों की हालत स्थिर है। रोगी नंबर तीन को पिछले दो दिनों से बुखार नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक बड़ी राहत की बात है, लेकिन हम कोई ढिलाई नहीं बरतेंगे।' उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रसार के खिलाफ लड़ाई जबर्दस्त तरीके से लड़ी जा रही है।

> राज्य में अभी तक कुल 473 नमूनों की कोरोना वायरस संक्रमण जांच की गई है

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ओड़ीशा में हालांकि 26 मार्च से कोविड-19 का कोई ताजा पॉजिटिव मामला सामने नहीं आया है लेकिन राज्य सरकार 21 दिवसीय लॉकडाउन लागू करने में किसी भी तरह की ढील नहीं बरत रही है, जिसका उद्देश्य इस घातक वायरस के प्रसार को रोकना है।

इटली से लौटा 33 वर्षीय एक शोधकर्ता 16 मार्च को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। वहीं ब्रिटेन की यात्रा करने वाला 19 वर्षीय एक अन्य व्यक्ति 20 मार्च को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया था।

तीसरा रोगी 60 वर्षीय बैंक अधिकारी है जिसने विदेश की कोई यात्रा नहीं की है। तीनों व्यक्ति कुल मिलाकर 176 व्यक्तियों के संपर्क में आए थे। इस बीच, सोमवार को झाड़पाड़ा इलाके में एक नकली हैंड सेनेटाइज़र निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया गया।

एक अधिकारी ने कहा कि दो लोगों को हिरासत में लिया गया और इकाई से तीन लाख रुपए का मिलावटी हैंड सेनेटाइजर, कृत्रिम रंग और अन्य रसायन जब्त किए गए। राज्य के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री आरपी स्वैन ने स्वीकार किया है कि कुछ व्यापारी लॉकडाउन अवधि के दौरान जरूरी चीजों को महंगे दामों पर बेच रहे हैं।

मंत्री ने कहा, 'हम व्यापारियों से संकट की इस घड़ी के दौरान मानवीय तरीके से व्यवहार करने की अपील करते हैं।'

फिल्मोद्योग की कई हस्तियों ने विभिन्न राहत कोषों में मदद दी

मुंबई, 31 मार्च (भाषा)।

स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, विक्की कौशल समेत अनेक कलाकारों ने देश में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने का प्रयास कर रहे विभिन्न राहत कोषों में चंदा देने की मंगलवार को जानकारी दी।

चाहे नकद हो या नेक काम के जरिए भारतीय उद्योगजगत से अधिक से अधिक हस्तियां अपना समर्थन देने के लिए आगे आ रही हैं। मंगेशकर ने ट्विटर पर घोषणा की कि वे मुख्यमंत्री सहायता कोष में 25 लाख रुपए दान कर रही हैं जो 'इस मुश्किल समय में सरकार की मदद करने की उनकी ड्यूटी का हिस्सा है।' प्रियंका ने पति पॉप गायक निक जोनस के साथ पीएम-केयर्स, यूनिसेफ, गूंज, डॉक्टर्स विदाउट बार्डर्स, नो किड हंगरी और एसएजी-एएफटीआरए समेत 10 परोपकारी संस्थाओं में अघोषित राशि दान की।

प्रियंका ने ट्विटर पर कहा कि ये संगठन कोविड-19 प्रकोप से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए शानदार काम कर रहा है। प्रियंका ने लोगों से आगे आने और अपने-अपने हिस्से का योगदान करने की अपील की।

निक ने कहा कि इन संगठनों का उल्लेख करने का मकसद जागरूकता पैदा करना है। वहीं इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कैटरीना ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष और पीएम-केयर्स दोनों में धनराशि दान की है।

> राहत राशि देने वालों में लता मंगेशकर, प्रियंका चोपड़ा, विक्की कौशल आदि शामिल

उन्होंने लिखा, 'इस वैश्विक महामारी ने विश्व में जिस तरह की मुश्किलें खड़ी की हैं उसे देखना बहुत दुखद है।' आलिया भट्ट ने पीएम-केयर्स कोष और मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया। अभिनेता विक्की कौशल ने कहा कि वह पीएम-केयर्स और महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपए का दान कर रहे हैं।

सारा अली खान ने भी राहत कार्यों के लिए अघोषित राशि दान करने की जानकारी दी। अभिनेता अली फजल ने जरूरतमंदों को खाने के पैकेट बांटे। प्रसिद्ध मराठी अभिनेता साई ताम्हणकर ने भी मुख्यमंत्री राहत कोष में डेढ़ लाख रुपए का चंदा दिया है। अभिनेता प्रकाश राज ने कहा कि वह केरल के कोवलम शहर में हर दिन 250 बेघर दिहाड़ी मजदूरों को खाना खिला रहे हैं।

प्रकाश राज ने ट्वीट किया, 'अपने आस-पास केवल एक परिवार की मदद करें।' अक्षय कुमार, अनुष्का शर्मा, वरुण धवन, सोनम कपूर, राजकुमार राव, कार्तिक आर्यन, करण जौहर, भूषण कुमार समेत फिल्म उद्योग की कई हस्तियों ने विभिन्न राहत कोषों में दान किया है।

भदोही जिले में मरकज पर पुलिस ने मारा छापा

भदोही (उप्र), 31 मार्च (भाषा)।

भदोही जिले में पुलिस ने तब्लीग जमात के मरकज़ पर मंगलवार को छापा मार कर वहां से 11 बांग्लादेशी नागरिकों सहित कुल 14 लोगों को सरकारी अस्पताल में जांच के बाद पृथक वार्ड में भर्ती कराया।

> 11 बांग्लादेशी नागरिकों समेत 14 को पृथक वार्ड में भेजा

पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने बताया, 'ये सभी लोग 27 फरवरी को ढाका से चलकर दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन मरकज़ गए थे। 14 लोगों का यह दल वहां से लौटकर चार मार्च से ही शहर के काजीपुर स्थित मरकज़ के गेस्ट हॉउस में रुका था। इनमें असम का एक और पश्चिम बंगाल के दो युवक भी शामिल हैं। इन लोगों ने पिछले 25 दिन में जगह-जगह लोगों से मिलकर धर्म का प्रचार-प्रसार किया है।'

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन लोगों ने चार मार्च के बाद से गेस्ट हाउस और काजीपुर स्थित एक मस्जिद में कई धार्मिक आयोजन भी किए, जिनमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया, 'गेस्ट हाउस में कर्मचारियों सहित उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है। प्राथमिक जांच में इन लोगों में कोरोना संक्रमण के लक्षण नहीं मिले हैं। फिर भी सभी को महाराजा बलवंत सिंह राजकीय अस्पताल में बने पृथक वार्ड में 14 दिन के लिए रखा गया है।'

फंसे विदेशी पर्यटकों की मदद के लिए वेबसाइट

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

भारत में फंसे विदेशी पर्यटकों की मदद के लिए पर्यटन मंत्रालय ने एक पोर्टल शुरू किया है जहां उन सेवाओं की जानकारी उपलब्ध होगी जिनका ये पर्यटक देश में रहते हुए लाभ ले सकते हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पोर्टल 'स्ट्रैंडेड इन इंडिया' का मकसद देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे पर्यटकों के लिए सहायता नेटवर्क बनाना है। पर्यटन मंत्रालय ने कहा कि पूरा विश्व कोरोना वायरस के चलते असाधारण स्थिति का सामना कर रहा है और यह पर्यटकों खासकर जो अन्य देशों से आए हैं उनकी कुशलता सुनिश्चित करने का प्रयास है।

बयान में कहा गया, 'विदेश मंत्रालय नियंत्रण केंद्रों के साथ ही उनके संपर्क की जानकारी और राज्य या क्षेत्र आधारित पर्यटन सहायता अवसंरचना संबंधी सूचना भी इस पर उपलब्ध है।

कोरोना जांच की नई तकनीक खोजने का दावा

वाराणसी, 31 मार्च (भाषा)।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच की ऐसी नई तकनीक खोजने में कामयाबी मिलने का दावा किया है जिससे महज घंटे भर में इसकी सटीक जांच की जा सकेगी।

विश्वविद्यालय में विज्ञान प्रभाग के 'डिपॉर्टमेंट ऑफ मॉलीकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स' की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गीता राय ने अपनी प्रयोगशाला में शोध छात्राओं की मदद से यह तकनीक विकसित की है।

डॉ. राय का दावा है कि कोरोना विषाणु के लिए जांच की यह तकनीक बिल्कुल नई और कोविड-19 के प्रोटीन की परख पर आधारित है जिसमें गलत रिपोर्ट आने की संभावना बिल्कुल नहीं है।

उन्होंने बताया कि 'रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज पॉलीमर चेन रिएक्शन (आरटी पीसीआर) तकनीक पर आधारित जांच की यह प्रक्रिया बेहद कारगर होगी। उन्होंने बताया 'यह तकनीक एक ऐसे अनोखे प्रोटीन क्रम (सीक्वेंस) को लक्ष्य करती है जो सिर्फ कोविड-19 में मौजूद है। यह प्रोटीन क्रम किसी और वायरस के स्ट्रेन में नहीं पाया जाता है।'

इस जांच के किफायती और आसान होने का दावा करते हुए प्रो. राय ने बताया कि उन्होंने नवीनता के आधार पर इसके पेटेंट के लिए आवेदन भी दे दिया है। उन्होंने बताया 'भारतीय पेटेंट कार्यालय की ओर से किए गए पूर्व निरीक्षण में पाया गया कि देश में इस सिद्धांत पर आधारित अब तक कोई किट नहीं है। प्रोटीन क्रम को लक्ष्य कर जांच करने की यह तकनीक बिल्कुल नई है।

> डॉ. राय का दावा है कि कोरोना विषाणु के लिए जांच की यह तकनीक बिल्कुल नई और कोविड-19 के प्रोटीन की परख पर आधारित है जिसमें गलत रिपोर्ट आने की संभावना बिल्कुल नहीं है।

उम्मीद है कि देश में कोविड-19 के संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह तकनीक जांच की गति बढ़ाने में कारगर होगी। इससे सटीक जांच होगी और रिपोर्ट भी जल्दी प्राप्त की जा सकेगी।' प्रो. राय ने इस दिशा में मार्गदर्शन और समर्थन के लिए सेट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) और इंडियन काउंसिल मेडिकल रिसर्च ऑफ इंडिया (आइसीएमआर) से भी संपर्क किया है।

POST OFFER ADVERTISEMENT TO THE EQUITY SHAREHOLDERS UNDER REGULATION 18(12) OF SEBI (SUBSTANTIAL ACQUISITION OF SHARES AND TAKEOVERS) REGULATIONS, 2011, (AS AMENDED)

OF

REGALIAA REALTY LIMITED

Corporate Identification Number (CIN): L70101TN1994PLC028978
Registered Office: No 10, Tarapore Avenue, Harrington Road, Chennai, Tamil Nadu 600 031
Tel No.: +91 44 42111612. **Fax No.:** +91 44 28331453
E-mail Id: info@regaliaarealty.com; **Website:** www.regaliaarealty.com

Open Offer for Acquisition of up to 936,000 Equity Shares representing 26% of the fully diluted voting share capital from the Equity Shareholders of Regaliaa Realty Limited ("**Target Company**") by Karvy Financial Services Limited ("**Acquirer**") at a price of ₹ 11.50 (Rupees Eleven and Fifty paise only) per fully paid-up equity share and the Acquirer has paid an interest calculated at the rate of 10% per annum from 58th working day from February 16, 2012 till the estimated date of payment of consideration at the time of offer (i.e., March 27, 2020), to the shareholders who were holding shares in the Target Company on the date of invocation and whose shares would be accepted in the Open Offer, which is ₹ 9.05/- (Rupees Nine and Five paise only) per Equity Share ("**Interest Amount**"). However, those shareholders who acquired shares subsequent to February 16, 2012, would be eligible only for the Offer Price.

This Post Offer Advertisement is being issued by akasam consulting private limited ("**Manager to the Offer**"), on behalf of Acquirer, in connection with the offer made by the Acquirer, in compliance with Regulation 18(12) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 as amended ("**SEBI Takeover Regulations, 2011**"). The Detailed Public Statement ("**DPS**") with respect to the aforementioned offer was published on September 07, 2018 in all editions of Financial Express (English) & Janasatta (Hindi), in Mumbai edition of Lakshya Deep (Marathi) and in Chennai edition of Makkal Kural (Tamil).

1	Name of the Target Company	Regaliaa Realty Limited
2	Name of the Acquirer and PACs	Karvy Financial Services Limited
3	Name of the Manager to the Offer	akasam consulting private limited
4	Name of the Registrar to the Offer	**Bigshare Services Private Limited**
5	**Offer Details:**	
	a) Date of Opening of the Offer	February 27, 2020 (Thursday)
	b) Date of Closure of the Offer	March 12, 2020 (Thursday)
6	Date of Payment of Consideration	March 24, 2020 (Tuesday)
7	**Details of Acquisition**	

Sl. No	Particulars	Proposed in the Offer Document (Letter of Offer)		Actuals	
7.1	Offer Price	₹ 11.50 per Fully paid up equity share and in accordance with the SEBI Order, the Acquirer shall pay an interest calculated at the rate of 10% per annum from 58th working day from February 16, 2012 till the estimated date of payment of consideration (i.e., March 27, 2020).		₹ 11.50 per Fully paid up equity share and in accordance with the SEBI Order, the Acquirer has paid an interest calculated at the rate of 10% per annum from 58th working day from February 16, 2012 till the date of payment of consideration (i.e., March 27, 2020).	
7.2	Aggregate number of shares tendered	936,000		342,152	
7.3	Aggregate number of shares accepted	936,000		342,152	
7.4	Size of the Offer (Number of shares multiplied by offer price per share)	936,000*20.55 = ₹ 19,234,800 (Including the interest amount)		*342,152*20.55 = ₹ 7,031,223.6 (Including the interest amount)	
7.5	Shareholding of the Acquirer and PACs before Agreements/Public Announcement (No. & %)	2,000,100 (55.56%)		2,000,100 (55.56%)	
7.6	Shares Acquired by way of Share Purchase Agreement (SPA) • Number • % of Fully Diluted Equity Share Capital	-		-	
7.7	Shares Acquired by way of Open Offer • Number • % of Fully Diluted Equity Share Capital	936,000 (26%)		342,152 (9.50%)	
7.8	Shares acquired after Detailed Public Statement • Number of shares acquired • Price of the shares acquired • % of the shares acquired	-		-	
7.9	Post offer shareholding of Acquirer along with PACs • Number • % of Fully Diluted Equity Share Capital	2,936,100 (81.56%)		2,342,252 (65.06%)	
7.10	Pre & Post offer shareholding of the Public • Number • % of Fully Diluted Equity Share Capital	**Pre Offer** 1,433,230 (39.81%)	**Post Offer** 497,230 (13.81%)	**Pre Offer** 1,433,230 (39.81%)	**Post Offer** 1,091,078 (30.31%)

*Pursuant to the SEBI Order bearing reference number WTM/RKA/EFD/165/2016 dated October 27, 2016, the Open Offer is made at a price of ₹ 11.50/- per Equity Share (Rupees Eleven and Fifty Paise Only) ("Open Offer Price") payable in cash. In accordance with the SEBI Order, the Acquirer shall pay an interest calculated at the rate of 10% per annum from 58th working day from February 16, 2012 till the date of payment of consideration (i.e., March 27, 2020), to the shareholders who were holding shares in the Target Company on the date of invocation and whose shares would be accepted in the Open Offer, which is ₹ 9.05/- (Rupees Nine and Five paise only) per Equity Share ("Interest Amount"). However, those shareholders who acquired shares subsequent to February 16, 2012, would be eligible only for the Open Offer Price.

8. The Acquirer accepts full responsibility for the information contained in this Post Offer Advertisement and also for the obligations under SEBI Takeover (SAST) Regulations, 2011.
9. A copy of this Post Offer Advertisement will be available on the websites of SEBI, BSE Limited, and at the registered office of the Target Company.
10. The capitalized terms used but not defined in this advertisement shall have the meanings assigned to such terms in the Public Announcement and/or Detailed Public Statement and/or Letter of Offer.
11. This Post offer Advertisement is being issued in all the newspapers in which the DPS has appeared.

ISSUED BY THE MANAGER TO THE OFFER ON BEHALF OF ACQUIRER

akasam®
transcending horizons

akasam consulting private limited
Level 3 & 4, akasam, 10-1-17/1/1, & 10-1-17/1/1/A
Masab Tank, Hyderabad – 500 004
Tel No.: +91 40 6644 4956
Fax No.: + 91 40 2333 5518
Contact Person: Ms. Durga Poornima A
E-mail Id: poornima@akasamconsulting.com
Website: www.akasamconsulting.com
SEBI Registration Number: INM000011658

Place: Mumbai
Date: March 31, 2020

On behalf of Karvy Financial Services Limited (Acquirer)
Sd/-
Authorised Signatory

www.readwhere.com

जनसत्ता

खतरे की घंटी

कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए जब देश में पूर्ण बंदी है और हर राज्य सख्ती से इसे लागू करवा रहा है, ऐसे में राजधानी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात के मरकज (केंद्र) से बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मरीजों और संदिग्धों का मिलना गंभीर मामला है। सबसे चिंताजनक तो यह है कि यहां से चौबीस लोग कोरोना संक्रमित और साढ़े तीन सौ लोग कोरोना संदिग्ध मिले हैं, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भेजा गया है और जांच करवाई गई है। दिल्ली में दो दिन में एक ही जगह से इतनी बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमितों के मिलने का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। मरकज में जिस तादाद में लोग जमा थे, उसे देखते हुए यह संख्या तेजी से बढ़ने की आशंका है। यह घटना बता रही है कि पूर्ण बंदी को धता बताते हुए धार्मिक समुदाय के आयोजन कैसे महामारी फैलाने का बड़ा कारण बन रहे हैं और लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। सवाल है कि राजधानी में इतनी सतर्कता और सुरक्षा के बावजूद मरकज में हजारों लोग कैसे जमा होते रहे और पुलिस को भनक तक नहीं लगी! जबकि पिछले एक हफ्ते से पूर्ण बंदी लागू है, लेकिन निजामुद्दीन के मरकज में सब कुछ गुपचुप तरीके से चलता रहा और इस जमावड़े ने कोरोना के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया।

बताया जा रहा है कि 13 से 15 मार्च तक तबलीगी मरकज में करीब आठ हजार लोग जुटे थे। इनमें से बड़ी संख्या में विदेशी और भारत के सभी प्रांतों से आए लोग थे। पुलिस ने पिछले तीन दिन में मरकज में जमा अठारह सौ से ज्यादा लोगों को पकड़ा है, जिनमें दो सौ इक्यासी विदेशी नागरिक शामिल हैं। यह भी सामने आया है कि मरकज के इस आयोजन के बाद अपने ठिकानों को लौटे कई लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी और इलाज के दौरान कुछ लोगों की मौत भी हो गई। इनमें तेलंगाना में कोरोना से मरे छह लोग भी हैं। एक कोरोना पीड़ित की मौत सोपोर में हुई। जाहिर है, मरकज से लौटे लोग कोरोना के वाहक बने और जिस-जिस के संपर्क में आए होंगे, उनको कोरोना वायरस से संक्रमित किया होगा। इसका पता लगा पाना अब सरकारी तंत्र के लिए भी आसान नहीं होगा। हालांकि निजामुद्दीन स्थित इस तबलीगी मरकज में आने वाले प्रतिनिधि आमतौर पर अपने आगमन की सूचना सरकार को देते हैं। लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ कि इतने दिनों तक दो हजार से ज्यादा लोगों का जमावड़ा यहां लगा रहा और गृह मंत्रालय को कोई खबर नहीं मिली। जबकि कोरोना संकट के चलते इन दिनों दूसरे देशों से आने वाले भारतीय और विदेशी नागरिकों के भारत में प्रवेश पर कड़ी नजर रखी गई। इसके बावजूद कैसे इतनी बड़ी संख्या में विदेशी मरकज में पहुंच गए और यहां जमे रहे?

तबलीगी मरकज के इस आयोजन ने दिल्ली सहित पूरे देश को गंभीर खतरे में डाल दिया है। सवाल है कि आखिर इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए? मरकज के पदाधिकारियों को, केंद्र और दिल्ली सरकार को, दिल्ली पुलिस को या फिर खुफिया तंत्र को? तबलीगी मरकज ने जिस तरह की लापरवाही बरती और यहां आए लोग कोरोना संक्रमण फैलने का कारण बने, उसे देखते हुए सरकार को ऐसी संस्थाओं के खिलाफ इतनी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जो मिसाल के रूप में देखी जाए।

नासमझी की मिसाल

उत्तर प्रदेश के बरेली बस अड्डे पर जिस तरह प्रवासी मजदूरों को विसंक्रमित करने के इरादे से उन पर पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने तेज रसायन का छिड़काव किया, वह नासमझी की मिसाल ही कही जाएगी। स्वाभाविक ही इस घटना पर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। दरअसल, वहां लोगों पर जिस सोडियम हाइपोक्लोराइड रसायन का छिड़काव किया गया, उसका उपयोग दीवारों, वस्तुओं आदि को विसंक्रमित करने के लिए किया जाता है। आमतौर पर इसे डेंगू मच्छर के अंडों को समाप्त करने के लिए छिड़का जाता है। जब यह रसायन बरेली में रोक लिए गए लोगों के ऊपर छिड़का गया, तो उनमें कई बच्चे भी थे और उन्होंने अपनी आंखों में तेज जलन की शिकायत की। कई लोगों की आंखें लाल हो गईं। हालांकि अभी तक जांच नहीं की गई है कि उस रसायन के छिड़काव से उनकी आंखों या स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव पड़ा है या नहीं। इस रसायन का छिड़काव मनुष्य पर नहीं किया जाता। पर पता नहीं किस हड़बड़ी में या किसकी नासमझ सलाह या आदेश से वहां तैनात कर्मियों ने लोगों को उस रसायन से नहला दिया और उन लोगों को संभलने या सावधान रहने की हिदायत तक नहीं दी।

मनुष्य और वस्तु में भेद न समझना हद दर्जे की अमानवीयता है। इसके पीछे की कुछ वजहें समझी जा सकती हैं। पूर्णबंदी की घोषणा होने के बाद दिहाड़ी मजदूरों, रेहड़ी-पटरी का कारोबार या घरों में रोजमर्रा के काम करने वालों के सामने आजीविका का संकट पैदा हो गया। तमाम रेलें और सार्वजनिक वाहन बंद कर दिए गए थे, सो उन्हें अपने गांव-घर वापस लौटने का कोई साधन नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में वे सब पैदल ही निकल पड़े। हजारों की तादाद में मजदूर सड़कों पर चलते नजर आने लगे। इससे कोरोना के चक्र को तोड़ने का संकल्प प्रश्नांकित होने लगा। सामाजिक दूरी बना कर और अपने घरों में बंद रहने की अपील ठुकरा दी गई थी। सो, केंद्र और राज्य सरकारें हरकत में आईं और उन्होंने आदेश जारी किया कि जो जहां है, उसे वहीं रोक दिया जाए और उसकी सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं। इन प्रवासियों के अपने गांव-घर पहुंचने पर कोरोना के सामुदायिक संक्रमण का खतरा गहरा गया था। इसलिए उन्हें जगह-जगह रोका जाने लगा। यह एक हड़बड़ी का आलम था। इसमें सड़कों पर सुरक्षा के लिए तैनात लोगों को शायद समझ नहीं आया होगा कि इन लोगों की वजह से फैलने वाले संक्रमण को तुरंत कैसे रोका जा सकता है और उन्होंने एहतियातन यह कदम उठाया होगा।

मगर यह नहीं माना जा सकता कि छिड़काव करने वाले कर्मचारियों को इस बात का इल्म नहीं रहा होगा कि वे जिस रसायन का छिड़काव कर रहे हैं, वह कितना खतरनाक साबित हो सकता है और उसका उपयोग कहां नहीं करना है। इससे यह बात भी जाहिर होती है कि उनके लिए मजदूरों के जीवन का मोल तुच्छ है। हमारे देश में ऐसे लोगों के साथ प्रशासन का जैसा अक्सर हिकारत भरा रवैया देखा जाता है और वे कई बार उनके साथ पशुवत बर्ताव करने से भी बाज नहीं आते, बरेली की घटना भी उसी मानसिकता का नतीजा कही जा सकती है। इस घटना के लिए दोषी कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश उचित हैं। कोरोना विषाणु से रोक-थाम निस्संदेह एक बड़ी चुनौती है, पर हालात के मारे, बेदर लोगों के साथ ऐसा अमानवीय व्यवहार उन्हें नाहक सजा देने जैसा है।

कल्पमेधा

मूर्खों की सफलताओं की अपेक्षा बुद्धिमान की गलतियां अधिक मार्गदर्शक होती हैं।
-विलियम ब्लेक

जैव आतंक के साये में दुनिया

अभिषेक कुमार सिंह

इसमें संदेह नहीं कि इस समय दुनिया जिस तरह से कोरोना वायरस के आगे पस्त पड़ गई है, उससे यह आशंका पैदा हो गई है कि धरती से हमारी सभ्यता का अब जो विनाश होगा, उसमें इंसान का ही योगदान ज्यादा होगा, न कि किसी बाह्य कारक का।

मानव इतिहास बताता है कि इस धरती से युद्ध कभी खत्म नहीं हुए। हम शांति की जितनी अधिक कामना करते हैं, उतनी ही अधिक लड़ाइयां दुनिया के किसी न किसी हिस्से में चलती रहती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमाओं को लेकर अपने झगड़े हैं, संसाधनों के बंटवारे पर देशों में परस्पर संघर्ष हैं, तो आतंकवाद जैसी समस्या दुनिया में कई स्थानों पर जंग जैसे हालात बनाती आई है। जंग की सतत आशंका के कारण दुनिया में आधुनिक हथियारों के निर्माण की जरूरत बढ़ती रही है। पिछले सौ साल में हथियारों की दुनिया का तेजी से विकास हुआ और पूरी दुनिया में कारोबार बढ़ा। इससे युद्ध के तौर-तरीके बदल गए हैं। इनमें एक नया तरीका जैविक हथियारों का भी है। कोरोना वायरस के ताजा प्रकरण को लेकर इन हथियारों की इस समय सबसे ज्यादा चर्चा है। कोविड-19 नामक संहारक बीमारी पैदा करने वाले कोरोना वायरस बनाने और फैलाने को लेकर चीन और अमेरिका एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। इसलिए यह सवाल पूरी दुनिया के मन है कि क्या यह वायरस वास्तव में वुहान (चीन) स्थित जैविक प्रयोगशाला में बनाया गया या फिर जैसा कि चीन का आरोप है कि इसे अमेरिका ने उनके मुल्क में प्लांट किया है।

कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ट्वीट में कोरोना को चीनी वायरस कहते हुए सीधे तौर पर इसके लिए चीन को जिम्मेदार ठहरा दिया। उनके विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भी इसे 'वुहान वायरस' कहा। इसे चीनी वायरस कहने से ट्रंप प्रशासन का आशय यह था कि चीन ने इस वायरस को अमेरिका से बदला लेने के लिए अपनी प्रयोगशाला में पैदा किया, लेकिन वह इस पर अपना नियंत्रण नहीं रख सका। ऐसे में बेकाबू चीनी वायरस दुनिया में फैल गया। चीनी सरकार वायरस के इस नामकरण से काफी नाराज हुई। इसके बाद चीन के सोशल मीडिया में ऐसी खबरें आने लगीं कि इस वायरस की पैदावार असल में अमेरिका का हाथ है। इन आरोपों के मुताबिक कोरोना से पैदा हुई महामारी अमेरिकी मिलिट्री जर्म वॉरफेयर प्रोग्राम के जरिए फैली है। हालांकि अमेरिका और चीन के बीच कोरोना से संदर्भ में हो रही बयानबाजी को इन मुल्कों के वर्चस्व की जंग के तौर पर भी देखा जा रहा है। मिसाल के तौर पर, जब अमेरिका दूसरे देशों के लोगों की अपने यहां आवाजाही बंद कर रहा है, तो चीन उन मुल्कों को चिकित्सकीय और अन्य मदद मुहैया करा रहा है। एक तथ्य यह भी है कि चीन ने अपने यहां कोरोना के प्रसार पर काबू पा लिया है। इन चीजों से चीन की छवि सुधर रही है, जबकि कोरोना के सामने लस्त-पस्त नजर आ रहे ट्रंप प्रशासन को अपने ही लोगों की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। इन दोनों देशों में खुद को महाशक्ति के रूप में कायम रखने की जो जंग है, वह अपनी जगह है, लेकिन हमारे लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि क्या दुनिया वास्तव में जैविक हथियारों के अपारंपरिक युद्ध की ओर बढ़ने लगी है।

अमेरिका और चीन के आरोपों का सच क्या है, यह तो वही दोनों मुल्क जानते हैं। लेकिन यह तथ्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार कर लिया गया है कि कोरोना वायरस का केंद्र असल में चीन का वुहान शहर ही है। 'द वॉशिंगटन पोस्ट' और 'द डेली मेल' सहित ऐसी कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें हैं, जिनमें कोरोना वायरस को चीन के जैविक हथियार बनाने की कोशिश के तौर पर जोड़ा गया और इसे चीन के जैविक युद्ध कार्यक्रम का हिस्सा बताया गया। द वॉशिंगटन पोस्ट ने वुहान स्थित बायोलॉजिकल लैब का उल्लेख कर यह साबित करने की कोशिश की है कि चीन अगली कोई जंग जैविक हथियारों के बल ही लड़ना चाहता है। एक अन्य समाचार संस्थान- फॉक्स न्यूज में 1980 के दशक में लिखी गई एक किताब के हवाले से कहा है कि चीन कथित तौर पर अपनी प्रयोगशालाओं में जैव हथियार बना रहा है। वायरस की इन साजिश-कथाओं पर चीनी सरकार ने पलटवार करते हुए इन्हें अमेरिकी दुष्प्रचार बताया है। चीन सरकार के विदेश मंत्रालय के मुताबिक कोविड-19 असल में अमेरिकी बीमारी है जो पिछले साल अक्तूबर में वुहान आए अमेरिकी सैनिकों से फैली है, हालांकि चीन ने इसके सबूत नहीं दिए हैं।

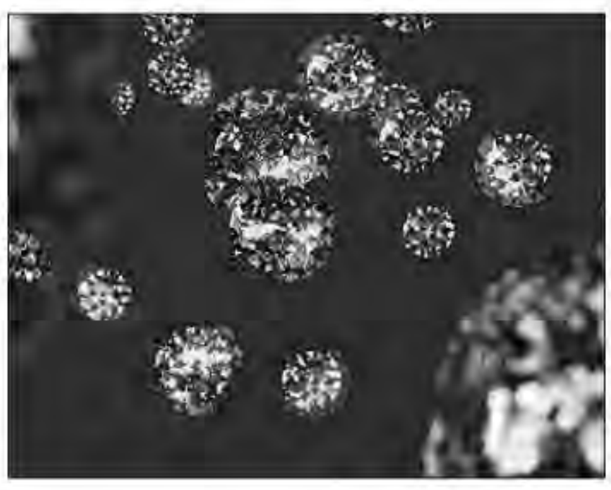

चाहे जो हो, लेकिन चीन इससे इनकार नहीं कर सकता है कि कोरोना का केंद्र असल में वुहान ही है। इसकी पुष्टि चीन को ही करनी है कि इस वायरस की शुरुआत वुहान स्थित फ्रैश सी-फूड मार्केट से हुई और इसकी उत्पत्ति में चमगादड़ों और सांप के मांस से तैयार किया गया भोजन है या फिर इसमें कुछ योगदान वुहान स्थित उस प्रयोगशाला का है, जिसमें खतरनाक वायरसों पर प्रयोग किए जाते हैं। इसमें भी वुहान स्थित जैव प्रयोगशाला पी-4 को लेकर दुनिया भर के शक की एक और वजह बताई जा रही है। दावा है कि वुहान में जब न्यूमोनिया का जब पहला मामला नजर आया था, तो उससे कुछ दिन पहले ही चीन के उपराष्ट्रपति वांग किशान चुपचाप वहां पहुंचे थे। दावा किया गया कि वांग वहां जैविक हथियारों की योजना की प्रगति देखने गए थे। इस संबंध में जैविक हथियारों पर अध्ययन करने वाले इजरायल के एक पूर्व सैन्य खुफिया अधिकारी का दावा है कि कोरोना वायरस को चीन की ही पी4 प्रयोगशाला में तैयार किया गया। कुछ विशेषज्ञ यह भी आशंका भी जता रहे हैं कि हो सकता है कि चीन ने जानबूझ कर कोरोना वायरस को छोड़ा हो। लेकिन उसे इसके फैलाव से होने वाले नुकसान का अंदाजा नहीं था, इसलिए चीन पर अब पूरे मामले पर लीपापोती करने में जुटा है।

जहां तक कोरोना वायरस जैसे जैविक हथियारों को किसी जंग का अहम हिस्सा बनाने की बात है, तो ऐसे युद्धों की रूपरेखा कई बार पेश की जा चुकी है। मई, 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जिनेवा में आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन में बताया गया था कि जल्द ही ऐसे स्वचालित रोबोटों के जरिए युद्ध लड़े जाएंगे, जो एक बार चालू कर देने पर बिना किसी इंसानी दखल के अपना निशाना खुद चुन सकेंगे और उसे तबाह कर सकेंगे। ऐसी ही आशंका जैव हथियारों के संबंध में जताई गई थी। यही नहीं, वर्ष 2017 में भारत ने यह आशंका जताई थी कि पड़ोसी देश पाकिस्तान भी रासायनिक या जैविक युद्ध की तैयारी कर रहा है। तब के रक्षा मंत्री ने एक बयान में कहा था कि अफगानिस्तान और उत्तरी हिस्सों से कई ऐसी रिपोर्ट आ रही हैं, जहां स्थानीय लोग शरीर पर चकत्ते या किसी तरह के रासायनिक हथियार से प्रभावित नजर आते हैं। हालांकि इसकी पुष्टि करना आसान नहीं था, लेकिन यह सब बता रहा था कि देश को किसी भी किस्म की जंग के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) सेना को ऐसे उत्पाद तैयार करके दे चुका है (जिनमें एनबीसी रेकी व्हीकल और एनबीसी मेडिकल किट हैं) परमाणु, जैविक और रासायनिक हथियारों के प्रभाव से लोगों को बचा सकते हैं।

इसमें संदेह नहीं कि इस समय दुनिया जिस तरह से कोरोना वायरस के आगे पस्त पड़ गई है, उससे यह आशंका पैदा हो गई है कि धरती से हमारी सभ्यता का अब जो विनाश होगा, उसमें इंसान का ही योगदान ज्यादा होगा, न कि किसी बाह्य कारक का। यह योगदान या तो नए किस्म के युद्धों के रूप में होगा या भी जलवायु संकट सरीखी पर्यावरणीय समस्याओं के रूप में सामने आएगा, जो इंसान की ही देन हैं।

बिन बाई सब सून

प्रमोद द्विवेदी

दुनिया मेरे आगे

दस-बारह साल पहले मैंने और अचर्ना ने श्रम की महत्ता स्थापित करते हुए फैसला किया कि घर में हम सब मिल कर काम करेंगे। सर्वव्यापी बाई जगत को बाय-बाय करते हुए हमने घरेलू काम बांट लिया। तय हो गया कि कौन सफाई करेगा, कौन रसोई में जाएगा। बच्चों को भी इस व्यवस्था में भागीदार बनाया और चंद दिनों में ही हमने देखा कि बाई के बिना तो सारा काम ज्यादा आनंद और आजादी से होता है। अपने हिसाब से सफाई करो, अपने हिसाब से मतलब भर का खाना बनाओ। जब चाहे घर से निकल कर तफरीह करो या समाज में अपनी भूमिका दिखाओ। बाई वाली बंदिश थी ही नहीं। वरना पहले हाल यह था कि कहीं बैठे हो तो यह कह कर निकलना पड़ता था कि सॉरी, बाई आने वाली होगी। नहीं मिले तो चली जाएगी। अब ऐसा कुछ नहीं था। समय, श्रम और सेवा सबके मालिक हम ही थे।

लेकिन आसपास वालों के लिए यह भरोसे लायक बात ही नहीं थी। हमने जब बताया कि बारह साल से हमारा घर बाईविहीन है तो आरामपरस्त और बाईपरस्त पड़ोसी हमारा मजाक उड़ाते कि यार ये गोली देना बंद कर दो। आजकल के सुविधाभोगी काल में मुमकिन है कि कोई बाई के बिना रह पाए। हमने कसम खाकर बताया कि भइया हम पूरी तरह बाईमुक्त हैं, तो आसपास के भाईजान कहते कि आप तो कमाल करते हो। हम जब विदेशों की मिसाल देते तो वे कहते कि यह फॉरेन नहीं, इंडिया है। यहां बाई के बिना घर चलाने की कल्पना ही नहीं की जा सकती। ऐसा काम वही करेगा, जो या तो पक्का चिपाड़ होगा, या दिमाग से सरका हुआ।

बहरहाल, हम साबित ही नहीं कर पाए कि अभिजात जगत में बाई बुनियादी जरूरत नहीं है। जो मजबूर हैं, अशक्त हैं या वक्त के टोटे और मसरूफियत के मारे हैं, पति-पत्नी दोनों काम-धंधे वाले हैं, वहां तो बाई-सेवा की जरूरत समझी जा सकती है। पर दिन भर घर में पसरी रहने वाली भद्र देवियां बाई पर आश्रित हो जाएं, यह हमारी समझ में नहीं आया। कुछ बाइयों से यह तक पता लगा कि हमारी चमकदार सोसाइटी में ऐसी-ऐसी बेगम साहिबा हैं, जो आंटा गुंथवाने से लेकर सब्जी कटवाने तक के लिए बाइयों की सेवा लेती हैं। बाइयों की महिमा का यह हाल था कि हमारे यहां होने वाले सामाजिक जलसे भी बाइयों की समय सारणी से तय होते हैं। मसलन राष्ट्रीय पर्वों पर झंडारोहण का समय बाई-प्रस्थान के बाद ही तय माना जाता था। देरी से आने वाले नागिरक एक ही बहाना लेकर आते कि क्यां करे बाई ने लेट करवा दिया।

लेकिन इस बाईमय आर्यावर्त में 25 मार्च 2020 के बाद नया इतिहास लिख दिया गया। गाजियाबाद के खाए-अघाए इलाके रामप्रस्थ ग्रींस (जहां हमारा निवास है) में अचानक कर्मवीरों और मेहनतकश मालकिनों का अभ्युदय हो गया। जो कहती थीं- फर्श मखमल पर मेरे पांव छिले जाते हैं, वे पारंपरिक झाड़ू के साथ सनद्ध थीं। हांफते हुए पोछा लगा रही थीं और बदमर्ज कोरोना को कोस रही थीं कि मुए तूने ये दुर्दिन दिखा दिए। हालांकि अब इनमें कुछ ऐसी आशावादी देवियां और वर्क टू होम वाले देवता भी हैं, जो कहने लगे हैं कि आजकल लेडीज के मुटाने और शुगर-बीपी की वजह एक यह भी है कि वे हाथ ही नहीं हिलातीं। चलो अच्छा ही हुआ, कि कोरोना जी ने घरकैद की नौबत ला दी। अब पराई आस पर रहने की आदत तो खत्म होगी

तो क्या माना जाए कि पहली बार अनजाने में ही सही, हमने श्रम और आत्मनिर्भरता की सत्ता स्थापित होते देखी है। और शायद यह सबक इतना प्रभावी होने वाला है कि हमें मानना होगा कि अपने काम खुद करना फख्र और आत्मविश्वास की बात है। काम के लिए दूसरे पर आश्रित होना और हुक्म चला कर काम करवाना सामंती फितरत की निशानी है।

यह सही है कि शहरी लोगों की इस आवश्यकता ने बहुतों की जीविका चलाने का काम किया है। लेकिन इस आड़ में जिस तरह बालश्रम का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह चिंतनीय है। सरकारी प्रतिबंध के बावजूद घरों में छोटी लड़कियों घरेलू सेविकाएं बनती जा रही हैं। हर साल पुलिस की ओर से आने वाली हिदायतें भी आरामतलबी जरूरत के आगे पस्त हो जाती हैं। शायद कोरोनो की आपदा अब कोई रास्ता निकाल पाए। कोई ऐसा रास्ता निकले कि गरीब की रोजी भी ना मारी जाए और निठल्ले समाज को हाथ-पांव हिलाने की आदत पड़े।

चीन पर अंगुली

तीन दिन पहले (29 मार्च) को गूगल टाइम्स के आधिकारिक अकाउंट पर ट्वीट किया गया है कि चीनी वैज्ञानिकों ने कोरोनोवायरस का मुकाबला करने के लिए एक नया हथियार विकसित किया है। वे कहते हैं कि उन्होंने एक नैनोमीटर बना लिया है जो 99.9 फीसद दक्षता के साथ वायरस को अवशोषित और निष्क्रिय कर सकता है। इस ट्वीट से कई शंकाए पैदा हो जाती हैं, क्योंकि जब वुहान से बेजिंग लगभग 1100 किलोमीटर और चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई छह सौ किलोमीटर दूर हैं, वहां वायरस का प्रकोप इतना नहीं देखा गया, जितना कि हजारों किलोमीटर दूर इटली, ईरान, अमेरिका, स्पेन इत्यादि चीन के प्रतिद्वंदी देशों मे देखा गया है। और तो और, पिछले कुछ दिनों में चीन में बहुत ही कम नए मामले आए हैं और बयासी हजार के करीब संक्रमितों में से यकायक छिहत्तर हजार के करीब ठीक हो जाना भी आश्चर्य पैदा करने वाला है। क्योंकि इतना परिवर्तन तो यूरोपीय देशों में भी नहीं देखा गया, जबकि चिकित्सा और विज्ञान के मामले में यूरोपीय देश चीन से कहीं पीछे नहीं हैं। और अब चुपके से इस वायरस का तोड़ उजागर करना क्या चीन को इस वायरस के हमले की सोची समझी साजिश के दायरे में नहीं लाता? इसका जिक्र स्वयं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं कि यह कोरोना वायरस नही, बल्कि चीनी वायरस हैं। आखिर सत्ता की भूख और विश्व में महाशक्ति बनने की मंशा से शायद चीन की साम्यवादी सरकार ने इस वायरस को जैविक हथियार के रूप में इस्तेमाल तो नहीं किया? जब पूरा विश्व बड़ी मंदी की गिरफ्त में है, तब चीन अपना औद्योगिकीकरण बढ़ा रहा है, चीन से विदेशी निवेशक जा रहे हैं और उनके शेयर को चीन कौड़ियों के भाव खरीद रहा है। ऐसा क्यों? इन सब प्रश्नो के उत्तर तो काल के गर्भ में हैं। लेकिन भारत को इन प्रश्नों से सबक लेकर चीनी निर्भरता को कम करना होगा और सरकार को कुछ ऐसे कदम उठाने होंगे जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र भारत बन सके।

● *अमरसिंह सोढा, मूलाना (जैसलमेर)*

अपने ही घर में

आज जब देश में इक्कीस दिन का पूर्ण बंद घोषित कर दिया गया है, तब देश के बड़े-बड़े शहरों से अपने गांवों की ओर पलायन करते गरीब-मजदूरों की मार्मिक तस्वीरें देख कर आंखें भर आती हैं। ऐसा लगता है कि मानो बंटवारे के समय के पलायन की कहानियां आखों के सामने ताजा हो गई हो। इस वक्त पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है। देश में पूर्ण बंदी के चलते कल-कारखाने बंद हुए, तो वहां काम कर रहे लाखों कामगारों को उनके फैक्ट्री व मकान मालिकों ने गांव लौट जाने का हुक्म फरमा दिया। ऐसे में इन मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। यह वह तबका है जो दिन-रात मेहनत करता है और वक्त आने पर अपने ही देश में दो जून की रोटी के लिए मोहताज हो जाता है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि हमारे हुक्मरानों की निगाह में भारत से पहले इंडिया होता है, फिर भारत। भारत को कोरोना से लड़ना है और इन गरीबों की भूख से भी। इंडिया ने उसे अपने घरों से बाहर सड़कों पर फेंक दिया है।

● *आदित्य राव, कानपुर*

पार्टियां भी करें मदद

अनेक सांसद, विधायक अपनी निधि में से सहयोग राशि के साथ ही एक माह का वेतन भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोष के साथ ही अस्पतालों में दे रहे हैं। उद्योगपति, व्यापारी, हस्तियां, कर्मचारी-अधिकारी, आमजन व सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं भी राहत कोष में सहयोग कर रही है। राजनीतिज्ञों के साथ ही अब राजनीतिक दलों को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए और मदद के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोष में पैसे देने चाहिए। राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में अच्छा-खासा मिलता है। ऐसे में पैसे की कमी का सवाल तो उठता नहीं है। कोरोना की आपदा कोई बहुत छोटी नही है, सारी दुनिया इससे पीड़ित है। बहुत से देशों के साथ ही हम पर भी कोरोना वायरस की बीमारी से आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। अर्थव्यवस्था की दयनीय स्थिति से चिंतित व दुखी होकर जर्मनी के हेसे राज्य के वित्तमंत्री थॉमस शॉफर ने आत्महत्या कर ली। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहे और कोरोना की विपदा से हम ऊपर उठ सकें व देश स्वस्थ हो जाए, इसके लिए सरकार के साथ राजनीतिक दलों को भी योगदान करने के बारे में सोचना चाहिए।

● *शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर*

समझें बंदी की गंभीरता

आज पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही है। जिन देशों ने इसे पूरी गंभीरता से नहीं लिया, उन देशों में मौत का तांडव देखने को मिल रहा है। कोविड-19 वायरस के कारण पूरी दुनिया में अब तक लगभग तैतीस हजार से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भारत में इसके संक्रमण की शुरुआत होते ही भारत सरकार ने इसे गंभीरता से लिया, और 22 मार्च को शुरू हुई पूर्ण बंदी 14 अप्रैल तक कर दी गई। कोविड-19 के संक्रमण से लड़ने के लिए सरकार युद्ध स्तर पर प्रयास कर रही है और इस बात का भी ध्यान रख रही है कि लोगों को खाने-पीने के सामान और दवाइयों की दिक्कत न हो। इसके लिए एक पुलिस, प्रशासन और समाज सेवी संस्थाएं सामान घर-घर तक पहुंचा रही हैं। लेकिन दुख की बात है कि सरकार के इतने प्रयासों के बाद भी लोग गंभीरता नही दिखा रहे हैं और बिना वजह घरों से बाहर निकल रहे हैं, फर्जी कॉल करके संक्रमण की झूठी सूचना दे रहे हैं, घर में पर्याप्त राशन होने के बाद भी पुलिस को कॉल करके राशन मंगा रहे हैं। कुछ जगहों पर मेडिकल स्टाफ, जो कि इस समय सबसे महत्त्वपूर्ण कड़ी है, के साथ दुर्व्यवहार की खबरें भी आ रही हैं जो अत्यधिक निंदनीय है। देश से इस महामारी खत्म करने के लिए इसके घातक परिणामों को समझ कर पूर्ण बंदी को अत्यधिक गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि कोविड-19 वायरस के लिए अभी तक कोई दवा नही बनी है, केवल सामाजिक दूरी बना कर ही इससे बचा जा सकता है।

● *सुनील कुमार सिंह, मेरठ*

चौपाल

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

कोराना संक्रमण : सहयोग कर रहे हैं उत्तराखंड पुलिस के जवान

हरिद्वार के हर की पैड़ी पर रोज शाम को संध्याकालीन आरती में श्रद्धालुओं के आने पर पाबंदी है। गंगा सभा के कार्यकर्ता भी रास्ते बंद होने के कारण कम तादाद में हर की पैड़ी पहुंच रहे हैं। ऐसे में शाम की आरती के लिए पुलिस वाले नंगे पैर गंगा की डोली को बाकायदा घंटे घड़ियालों की आवाज के साथ हरकी पैड़ी गंगा घाट पर ले जाते हैं और आरती में श्रद्धापूर्वक भाग लेते है। इसके अलावा कई सामाजिक संस्थाएं और साधु-संतों के आश्रम और अखाड़े सामने आए हैं। श्री निरंजनी पंचायती अखाड़ा ,श्री निर्मल पंचायती अखाड़ा ,श्री गीता कुटीर ,निर्मल संतपुरा ,संतोषी माता आश्रम, सप्त ऋषि आश्रम ,महावीर दल ,श्री गंगा सभा ,पतंजलि योगपीठ, शांतिकुंज बंसीवाला एवं नानकपुरा आश्रम जैसी संस्थाएं जरूरतमंदों को राशन वितरित कर रही हैं।

विषाणु से पार पाना है तो जीवन शैली बदलनी होगी

विशेषज्ञ टिप्पणी

डॉ एके अरुण

अब तक 200 से भी ज्यादा देशों में फैले कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर भारत में चिंता इसलिए अधिक है कि हमारे यहां आबादी घनत्व (455 व्यक्ति प्रति किलोमीटर), चीन के मुकाबले 3 गुना और अमेरिका के मुकाबले (36 व्यक्ति प्रति किलोमीटर) 13 गुना है। इस विषाणु से पीड़ित व्यक्ति महज कुछ फुट की दूरी पर खड़े 2 से 3 व्यक्ति को प्रभावित करता है। इसके अलावा भारत में लोग आदतन भी ऐसी संक्रामक बीमारियों में भी एहतियात नहीं बरतते। इसका एक दूसरा पहलू है कि इस विषाणु ने दुनिया भर के बाजारों की पल्स रेट को काफी नीचे ला दिया है। अथर्शास्त्रियों के अनुमान के अनुसार भारत से लेकर अमेरिका तक के शेयर बाजारों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है।

हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वायरस में मृत्यु दर (3.4 फीसद) अन्य विषाणुओं के मुकाबले कम है इसलिए संक्रमण के बाद लोगों के जीवित रहने की संभावना तुलनात्मक रूप से ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि स्वाइन फ्लू (0.02 फीसद), इबोला (40.40 फीसद), मर्स (34.4 फीसद) तथा सार्स (9.6 फीसद) की मृत्यु दर से कोरोना वायरस की मृत्युदर काफी कम है।

कोरोना विषाणु संक्रमण (सीओवीआइडी-19) को दुनिया भर में आर्थिक विकास का सबसे बड़ा रोड़ा माना जा रहा है। ऑक्सफोर्ड इकोनोमिक्स ने आशंका जताई है कि यह संक्रमण वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है और यह वैश्विक विकास दर का 1.3 फीसद कम कर सकती है। डन एण्ड ब्रैडस्ट्रीट ने कहा है कि चीन से शुरू कोरोना वायरस के संक्रमण का असर जून महीने तक बने रहने की संभावना है और इससे वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर एक फीसद नीचे आ सकती है। चीन में स्थित दुनिया की 2.2 करोड़ कंपनियां 50 से 70 फीसद के घाटे में हैं।

चीन के कोरोना संक्रमण का भारत के दवा बाजार पर गंभीर असर की आशंका यहां के फार्मा कंपनियों के सीइओ को सताने लगी है। वर्ष 2018-19 में भारत का एक्टिव

फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएन्ट्स (एपीआइ) और बल्क ड्रग भारत आयात 25,552 करोड़ रुपए था जिसमें चीन का हिस्सा 68 फीसद था। अमेरिकी बाजार को ड्रग्स आपूर्ति करने वाली 12 फीसद मैन्युफैक्चरिंग साइट भारत में हैं और भारतीय कंपनियों का एपीआइ स्टाक अब समाप्त हो गया है।चीन के बुआन शहर में जहां से कोराना का संक्रमण फैला वहां की एक करोड़ से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में शटडाउन चल रहा है।

कोरोना वायरस से वैश्विक अर्थव्यवस्था और चीन कैसे प्रभावित है, इसे समझने के लिए 2003 को याद करें। सन् 2003 में एक घातक वायरस संक्रमण सार्स (सिवियर एक्यूट रेसीपरेट्री सिन्ड्रोम) की वजह से लगभग 8000 लोग संक्रमित थे और दुनिया भर में कोई 800 लोगों की मौत हो गई थी। उस वर्ष चीन की विकास दर 0.5 से 1 फीसद कम हो गई थी। वैश्विक अर्थव्यवस्था को 40 अरब डॉलर (2.8 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ था। सार्स संक्रमण के समय चीन दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और वैश्विक जीडीपी में उसका योगदान केवल 4.2 फीसद था। अब चीन विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है और वैश्विक जीडीपी में उसका योगदान 16.3 फीसद है। जाहिर है कि चीन में बिगड़ी अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर असर डालेगी।

कोरोना संक्रमण दरअसल कथित आधुनिक सभ्यता में झटपट विकास और तुरंत मुनाफे के लालच में अपनाई जा रही दोषपूर्ण जीवन शैली का रोग है। यह रोग प्रकृति के खिलाफ महज तात्कालिक सुविधा और बढ़ती मांसाहार की प्रकृति का भी प्रतीक है। यह एक चेतावनी भी है कि पशुओं और पक्षियों को महज खाद्य समझने का परिणाम यह भी हो सकता है जिसमें आदमी क्या सभ्यताएं नष्ट हो सकती हैं।

याद कीजिये जब 1996 में पागल गाय रोग; मैड काऊ डिजीज फैला था तब ब्रिटेन में लाखों गायों को मार कर जला दिया गया था। लेकिन लोगों ने अपनी प्रव्रति नहीं बदली। वे गायों को जीव की बजाय एक मांस उत्पाद समझकर आज भी वैसे ही इस्तेमाल कर रहे हैं जैसे कभी कुछ हुआ ही नहीं हो। इस फ्लू ने आधुनिकता के पैरोकारों को अभी भी प्रभावित नहीं किया है। महज कुछ ही दिनों में कई बार अपनी जेनेटिक संरचना बदल लेने वाले ये वायरस बार-बार यही संदेश दे रहे हैं कि यदि मनुष्य ने प्रकृति विरोधी गतिविधियां बंद नहीं कि तो इसके परिणाम गम्भीर हो सकते हो सकते हैं।

एकांतवास में भी एहतियात जरूरी

विशेषज्ञ टिप्पणी

डॉ रवि मलिक

केंद्र सरकार का पूर्ण बंदी का कदम बहुत ही सही है। इससे विषाणु की कड़ी टूटने की पूरी संभावना है। यह समय एकांतवास का है जिसका सदुपयोग किया जाना चाहिए। हालांकि एकांतवास में रहते हुए लापरवाही से बचना होगा। विशेषकर ऐसे लोगों को जो मधुमेह और दिल के मरीज हैं। उन्हें अपनी दवाइयां समय से लेते रहना चाहिए।

कोरोना विषाणु हमारे चारों तरफ हर वस्तु जैसे दरवाजों के हैंडल, कुर्सी, मेज, पेन, कपड़े, किचन, खाने-पीने के सामान पर मौजूद है। वह मर जाएगा, लेकिन अगर कुछ लोगों ने इस बात को नहीं समझा और उन्होंने पूरी तरह से इसका पालन नहीं किया तो स्थिति भयावह हो सकती है। हम सभी को मिलकर एक साथ पूर्ण बंदी का पालन करना है। तभी हम इस विनाशकारी महामारी से अपने देश एवं समाज को बचा सकते हैं। इसकी संपूर्ण सफलता इसके संपूर्ण पालन में है ।

हमें और भी बहुत सी बातों का ध्यान रखना चाहिए...जैसे घर में कोई भी व्यक्ति आए चाहे वह ड्राइवर हो या घरेलू सहायिका हो या कोई और...किसी भी वस्तु को छूने के बाद अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोएं और अपने हाथों को संक्रमण रहित कर लें।

कोरोना विषाणु से बचाव के उपाय

अगर घर में किसी भी सदस्य को खांसी, बुखार, सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ।

हाथों की सफाई तथा एकांत ही सबसे कारगर बचाव के उपाय हैं।

एकांतवास में क्या करें

एकांतवास में अपने सभी शौक को जैसे पढ़ना, लेखन, खाना पकाना इत्यादि को पूरा करें।

नियमित योगाभ्यास करें। घर के कामों में मदद करें। बच्चों को पढ़ाएं, उनके साथ वक्त बिताएं।

अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान करें, अफवाहों पर ध्यान ना दें, मेडिटेशन करें।

जितने भी मधुमेह व दिल के मरीज हैं वे अपनी दवाइयां समय से लें,जिससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक रह, वे बचे रहें।

अगर धूम्रपान करते हैं तो उसे छोड़ें। अगर मदिरा पीते हैं तो कम करें। पौष्टिक आहार लें। फल, सब्जी, दूध और प्रोटीन लें।

इन 21 दिनों के एकांतवास को एक अवसर समझ कर अपनी सेहत पर ध्यान केंद्रित करे। अधिक से अधिक जानकारी स्वास्थ्य के बारे में लें। रोगों की रोकथाम के बारे में ज्ञान लें।

काम के लिए गांव-दर छूटने का मलाल नहीं, पर अब तो दवा भी मयस्सर नहीं

जम्मू-कश्मीर

तमन्ना अख्तर
ऊधमपुर।

'घर में न राशन हैं और न ही मेरी रोजमर्रा की लेने वाली दवाइयां। ...क्या करूं...आज घर से निकला और सुबह के 8 बजे से 10 बजे तक इधर-उधर घूमता रहा। पर न कहीं राशन मिला, न ही दवाइयां। हार कर जब घर वापसी का रुख किया तो अचानक निगाह पड़ी कि नीचे की गली में एक दुकानदार दुकान का आधा दरवाजा खोल कर कुछ सामान बेच रहा है। तब जाकर राहत मिली और मैं कुछ राशन ले आया। दवा तो अभी दूर की बात ही लग रही है।'

यह बताते हुए आंध्र प्रदेश के आनंद राव के चेहरे पर बेबसी साफ झलक रही थी। वह यहां किराए के घर में रहते हैं। राव को तो फिर भी कुछ मिल गया पर अचानक घोषित संपूर्ण बंदी से प्रभावित अन्य लोग रोजमर्रा के सामान के लिए काफी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं।

गैमन कंपनी में कार्यरत फहीम अहमद ट्रक चलाते हैं। उन्होंने बताया, 'वैसे भी कंपनी हमे समय पर वेतन नहीं देती। पिछले महीने होली के कारण दो महीने बाद 10 तारीख से पहले वेतन मिला। इस महीने हमें बहुत चिंता हो रही है। मैं यहां पत्नी और दो बेटों के साथ रहता हूं। वैसे भी इस महीने कुछ काम नहीं रहा। पता नहीं कंपनी कितनी तनख्वाह देगी। चिंता के मारे मेरी रातों की नींद उड़ी हुई है। थोड़े बहुत पैसे तो है मेरे पास...पर इनके खत्म होने के बाद पता नहीं क्या करूंगा।'

निखत (बदला हुआ नाम) पहलगाम से अपने बच्चों के साथ हर साल की तरह इस साल भी उधमपुर में छुट्टियां मनाने आई हुई है। बकौल निखत, 'मेरी लड़की पहली कक्षा में पढ़ती है। साल पूरे होने को है और वह स्कूल तक नहीं गई। पहले धारा 370 हटाने के कारण स्कूल बंद पड़े थे और अब कोरोना के कारण।

बिहार के इमरान एक मैकेनिक हैं। किराए के एक कमरे में वह अपने तीन बच्चों और पत्नी के साथ रहते हैं। बड़े दुखी मन से इमरान बताते हैं, 'मेरा तीन साल का उनका छोटा बेटा रूमान बार-बार बोलता है कि पापा कुछ ला दो। अब इसे कैसे समझाऊं कि बंदी चल रही है।'

भीलवाड़ा ने कायम की मिसाल

राजस्थान

राजीव जैन
जयपुर।

राजस्थान में भी कोरोना ने कहर बरपा रखा है। प्रदेश के दस जिले इससे प्रभावित हैं और हालात को संभालने के लिए पांच शहरों में कर्फ्यू भी लगाना पड़ा है। इस सबके बीच अच्छी खबर यह भी है कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल के डॉक्टरों ने दस दिन में ही कोरोना पाजिटिव पांच मरीजों को इस बीमारी से मुक्त भी कर दिया। इन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है। सैनेटाइजर की कमी को दूर करने के लिए प्रदेश की पांच चीनी मिलें और कई शराब कारखानों को अब सैनेटाइजर बनाने के काम में लगा दिया गया है।

राजस्थान में सोमवार शाम तक कोरोना पाजिटिव मरीजों का आंकड़ा 61 तक पहुंच गया था। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रोहित कुमार सिंह का कहना है कि हर स्तर पर पूरी सतर्कता के साथ हालात संभालने का काम चल रहा है। प्रदेश में भीलवाड़ा की हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक है। प्रदेश में आधे कोरोना मरीज अकेले भीलवाड़ा से हैं। भीलवाड़ा में इच्छा शक्ति के कारण देश के सामने एक मिसाल भी कायम कर दी है। इस जिले में महज नौ दिन में छह हजार टीमें बना कर 24 लाख लोगों की स्क्रीनिंग कर दी गई। यह प्रक्रिया 19 मार्च से ही शुरू की गई थी। इस शहर के एक बड़े निजी अस्पताल के तीन डॉक्टर और तीन चिकित्साकर्मियों के कोरोना पाजिटिव मिलने के बाद ही यह जिला उच्च खतरे पर आ गया था। उसी समय शहर में कर्फ्यू लगा कर सीमाएं सील कर दी गईं और किसी को भी आने-जाने नहीं दिया गया। देश के किसी भी शहर में की गई स्क्रीनिंग में भीलवाड़ा शहर की सबसे बड़ी स्क्रीनिंग है। इस दौरान करीब 18 हजार लोग खांसी जुकाम के लक्षण वाले मिले है। इस शहर में जांच का दूसरा चरण भी सोमवार से शुरू हो गया है। भीलवाड़ा में अब तक 26 लोग कोरोना पाजिटिव पाए गए है। इनमें से 7 लोग ठीक हो गए तो दो लोगों की मौत भी हो गई है।

राजस्थान में सोमवार तक 4470 लोगों की कोरोना जांच की गई, इनमें से 4100 लोग निगेटिव मिले हैं और 61 लोग पाजिटिव है। प्रदेश में 300 लोगों की रिपोर्ट का इंतजार भी है। प्रदेश के भीलवाड़ा में 26, झुंझनूं में 8, जयपुर में 10, पाली, सीकर और चूरू में एक-एक मरीज मिला है। जोधपुर में 6, डूंगरपुर में 2 अजमेर में 4 कोरोना के मरीज मिले हैं।

चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा का कहना है कि सरकार हर स्तर पर ठोस कार्रवाई कर रही है। हालात को संभालने के लिए प्रदेश के 150 से ज्यादा निजी अस्पतालों को अधिग्रहित करने का भी आदेश सोमवार को जारी कर दिया गया है।

हर संभाग स्तर पर अब कोरोना की जांच की सुविधा मेडिकल कालेजों में मुहैया हो गई है और इसके साथ ही भीलवाड़ा के हालात को देखते हुए वहां भी जांच सुविधा शुरू कर दी गई है। जनता के सहयोग से कोरोना को हराने के लिए सरकार हर कदम उठा रही है।

महामारी में प्रवासी मजदूर

एक तरफ महामारी है
एक तरफ है रोटी
दोनों तरफ ही मौत खड़ी है
कौन बड़ी कौन छोटी

जो भागूं रोटी के पीछे
महामारी को पास बुलाऊं
बिन रोटी के भूखा प्यासा
मौत को कैसे गले लगाऊं

छोड़ परिवार परदेस में आया
दिन रात पसीना बहाया है
पड़ी आपदा, अब कोई नही है
सब ने हमें ठुकराया है

नही साधन है गांव को जांऊ
जाकर परिवार को गले लगाऊं
सिर पर मौत अब मंडरा रही है
दुख दर्द भी किसे सुनाऊं

सुनसान पड़े हैं रास्ते अब
मौन हुई है बयार भी
जन से जन का मिलन रहा नही
दूर खड़े हैं यार भी

बेरोजगारी और गरीबी
पहले ही महामारी थी
क्या इतना दुख काफी नही था
अब करोना की भी बारी थी

महानगरों में महामारी है
काम नही है गांव में
सिर पर कोई छत नही है
अब हैं तरुवर की छांव में
पता नही अब क्या होगा
कब कहर मिटेगा कुदरत का
अपनों से कब तक मिलना होगा
कब विरह मिटेगा मुद्दत का

-राज सिंह

मदद के लिए बढ़े सुरक्षा प्रहरियों के हाथ

उत्तराखंड

सुनील दत्त पांडेय
देहरादून।

जो पुलिस कल तक रिक्शा वालों, ऑटो वालों और भिखारियों को भगाने के लिए लट्ठ लेकर दौड़ पड़ती थी वहीं पुलिस अब भिखारियों और राह चलते जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित दूरी पर बिठाकर बड़े प्यार से हर की पैड़ी और आसपास के घाटों में सुबह के कई शहरों और गांवों में भोजन करवा रही है। उत्तराखंड पुलिस के जवान महिला पुलिसकर्मियों के साथ गर्भवती महिलाओं को ऑटो में बिठाकर अस्पताल पहुंचा रहे हैं। पुलिस वालों ने जनता में जागरूक करने के लिए एक नया नारा दिया है – हम रुके हैं काम पर तुम्हारे लिए, तुम रुको घर पर हमारे लिए। गंगा सभा के अध्यक्ष पंडित प्रदीप झा का कहना है कि पुलिस के जवान गंगा सभा हरिद्वार नियमित रूप से सुबह और शाम को होने वाली शांतिकालीन आरती को सकुशलकराने के लिए सहयोग करते हैं। हरिद्वार की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सेंथिल अबूदेई का कहना है कि इस संकट की घड़ी में पुलिस अपने मानवीय और आध्यात्मिक दोनों ही जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही है और इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। देहरादून के पुलिस उप महानिरीक्षक अरुण मोहन जोशी इस नियंत्रण केंद्र पर निगाह बनाए हुए हैं ताकि जनता को सही जानकारियां समय पर मिल सकें। इसके अलावा हर जिले में पुलिस ने जिला स्तर पर जानकारियां जुटाने और साझा करने के लिए नियंत्रण केंद्र खोल रखे हैं। कोई किसी बुजुर्ग के बीमार होने या किसी गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचने की सूचना देता है तो पुलिस के जवान उसे अस्पताल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाते हैं।

हरिद्वार के नगर निगम के पूर्व पार्षद अमन गर्ग का कहना है कि जब उन्होंने पुलिस कोतवाली हरिद्वार के प्रभारी कोश्यारी को एक महिला के गर्भवती होने पर हुई तकलीफ की जानकारी दी तो उनके निर्देश पर पुलिस के जवान महिला पुलिसकर्मियों को लेकर उसके घर गए और उसे वाहन में बिठाकर बकायदा राजकीय महिला अस्पताल में भर्ती कराया।

सामाजिक कार्यकर्ता शिखर पालीवाल का कहना है कि पुलिस के जवानों को आज हर कोई आशा भरी निगाहों से देख रहा है।

हरिद्वार जिला बार संघ के पूर्व अध्यक्ष राम कुमार शर्मा एडवोकेट ने कहा कि हरिद्वार पुलिस का यह मानवीय चेहरा लोगों के लिए प्रेरणादायी है। कुमाऊं मंडल के पुलिस उपमहानिरीक्षक जगतराम जोशी ने गरीबों की मदद के लिए मिसाल कायम की है।

भारत को बचाना होगा

विशेष टिप्पणी

बान की-मून

भारत के पास वह क्षमता है जिससे वह इक्कीसवीं सदी की प्रमुख शक्तियों में से एक बन सकता है। दुनिया में यह सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस देश के पास प्रतिभावान नागरिक होने का वरदान और आशीर्वाद है, जिन्होंने कारोबार, शिक्षा, सूचना तकनीक, मनोरंजन और खेल जैसे क्षेत्रों में परचम लहराया है। भारत दुनिया को लोकतंत्र की परंपराओं और अहिंसा का पाठ पढ़ा सकता है, इसीलिए हाल के हफ्तों में दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा से मेरे सहित इसके मित्र काफी चिंतित और नाराज थे।

दुनियाभर के करोड़ों लोग आज भी महात्मा गांधी के उदाहरण से प्रेरित हैं, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने का नेतृत्व किया था। उनके सबसे बड़े प्रशंसकों में नेलसन मंडेला भी थे, जिन्हें दमन और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष में इनसे प्रेरणा मिली थी। 2008 में मंडेला को जब गांधी सम्मान से नवाजा गया था, तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और भारत जैसी उभरती शक्तियों से साथ मिल कर काम करने को कहा था, ताकि अंतरराष्ट्रीय जगत में लोकतंत्र और समानता हकीकत बन सकें। उनके शब्द आज भी प्रासंगिक हैं।

लेकिन 'द एल्डर्स' के डिप्टी चेयर की हैसियत से बोलते हुए मैं इस बात को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हूं कि अलगाववादी हिंसा और बांटने वाले राजनीतिक माहौल और संवादों से गांधी के विचारों और सपनों को गंभीर खतरा खड़ा हो गया है। दुनिया में शांति और न्याय के लिए काम करने के मकसद से ही मंडेला ने 'द एल्डर्स' की स्थापना की थी।

दिल्ली में गरीबों, कामकाजी लोगों, खासतौर से मुसलमानों पर हुए हमलों को भारतीय नागरिकता को फिर से परिभाषित करने और हाल के नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), प्रस्तावित राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर और नागरिक पंजीकरण रजिस्टर के जरिए यह तय करने कि कौन भारत का नागरिक होगा, की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिशों से अलग करके नहीं देखा जा सकता है।

ये कदम भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के खिलाफ हैं, जिसमें स्पष्ट रूप से यह कहा गया है कि कानून के सामने सभी नागरिक समान हैं। साथ ही, इन घटनाक्रमों ने भारत के लोकतांत्रिक भविष्य और वैश्विक राष्ट्रों के परिवार में इसके स्थान को लेकर भी गंभीर और व्यापक सवाल पेश कर दिए हैं। स्वतंत्र भारत के रूप में भारत के हिंसक जन्म के पीछे बेरहम साम्राज्यवाद था। आज, अपने देश की दिशा तय करने के लिए सिर्फ भारतीय जिम्मेदार हैं।

किसी एक धार्मिक समूह के खिलाफ दूसरे को खड़ा करके और कुछ भारतीयों को दूसरे दर्जे का नागरिक बना कर भारत अपनी विकास संबंधी

दुनियाभर के करोड़ों लोग आज भी महात्मा गांधी के उदाहरण से प्रेरित हैं, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने का नेतृत्व किया था। उनके सबसे बड़े प्रशंसकों में नेलसन मंडेला भी थे, जिन्हें दमन और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष में इनसे प्रेरणा मिली थी।

-बान की-मून

चुनौतियों से बच नहीं सकता। फिर भी, मुझे इस बात का डर है कि सीएए और प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा प्रस्तावित विधायी कदमों का स्पष्ट नीहितार्थ यही है। जब एक धर्म के लोगों को नागरिकता प्रदान करने से इनकार किया जा रहा है, जो कि दूसरे धर्म के लोगों के लिए आसानी से उपलब्ध है, तो यह मानव जाति के हाल के इतिहास की कुछ सबसे बुरे दौर और यादों की ओर ले जाने वाली घटना है।

संवेदनशील मुद्दों जैसे गोहत्या, गोमांस खाने और अंतर-धार्मिक वैयक्तिक संबंधों को लेकर भारत के मुसलमानों पर अफवाहों पर आधारित हमले जिस तेजी से बढ़े हैं, उन्हें लेकर मैंने और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने भी लगातार चेतावनी दी है। इस तरह की घटनाएं भीड़ द्वारा न्याय और सजा दिए जाने जैसा ही है, जो सामाजिक सौहार्द और तानेबाने उतना ही बुरा असर डालती हैं जितना कि समाज के लोकतांत्रिक तानेबाने पर। अगर भारत राष्ट्रवादी और धार्मिक भेदभाव के रास्ते पर और नीचे चला गया, तो यह यह राजनीतिक और सामाजिक रूप से बहुत ही बड़ा अनर्थ हो जाएगा, जो देश के विकास के लिए बड़ा झटका साबित होगा और कई पीढ़ियां इसका खमियाजा भुगतेंगी।

पिछले साल जब पहली बार बतौर परीक्षण यह नया नागरिकता कानून पेश किया गया था, तब असम में बड़े पैमाने पर हुआ इसका विरोध देश में इसके खतरे का संकेत दे रहा था, और सरकार को चेता रहा था कि इसे रोक कर नागरिकों की बात सुनी जानी चाहिए। जब 2019 में इसे पेश किया गया था, तब उन्नीस लाख से ज्यादा नागरिकों जिनमें हिंदू और मुसलमान दोनों शामिल थे, को असम में एनआरसी से बाहर कर दिया गया था। इससे यह खौफ पैदा हो गया कि जब 2021 में अगली जनगणना होगा तो इन सभी को बाहर कर दिया जाएगा। नागरिकता कानून और एनआरसी के खिलाफ विरोध ने मुसलमानों, हिंदुओं और दूसरे धर्म के लोगों को एकजुट कर दिया है, जिन्होंने इस कवायद से धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को पैदा होने वाले खतरे को लेकर चिंताएं साझा कीं और आवाज उठाई। यह एकता और भाईचारे की यह प्रतिबद्धता दिल्ली में हाल की हिंसा के बाद पीडित लोगों के बीच जाकर काम करने वाले नागरिक समाज के समूहों में भी देखने को मिली।

वर्ष 2018 में मैं अपने सहयोगी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के पूर्व अध्यक्ष एल्डर ग्रो हरलेम ब्रंडलैंड के साथ दिल्ली के मुहल्ला क्लीनिकों में गया था, हमारे साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी थे। अमीरी, धर्म या वर्ग को दरकिनार कर इन मुहल्ला क्लीनिकों में जिस तरह से मुफ्त और सर्वसुलभ सेवाएं देखने को मिलीं, उस मॉडल ने हमें बहुत ही प्रभावित किया। यह सिर्फ निशुल्क, संयुक्त और सामूहिक एकजुटता से ही संभव हो पाया और इसी से भारत शांति, न्याय और खुशहाली हासिल कर सकता है। आपके देश की स्थापना करने वालों ने इसकी जरूरत को समझ लिया था। उनका यह सपना अपके भविष्य के हृदय में होना चाहिए।

(लेखक संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव और 'द एल्डर्स' के डिप्टी चेयर हैं)

उपकरणों की आपूर्ति में गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाए : हर्षवर्धन

● स्वास्थ्य मंत्री ने आइसीएमआर, सीएसआइआर और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

● सरकारी और गैरसरकारी अस्पतालों में जांच किट और चिकित्साकर्मियों के सुरक्षा उपकरणों आपूर्ति जल्द सुनिश्चित हो

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 31 मार्च।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कोरोना विषाणु से संक्रमित और इसके संदिग्ध मरीजों के इलाज में काम आने वाले चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति प्रक्रिया में गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने मंगलवार को कहा कि अस्पतालों में आपूर्ति किए जाने वाले सामान की गुणवत्ता को मानकों की कसौटी पर सख्ती से परखा जाए। इटली और स्पेन सहित अन्य देशों में कोरोना विषाणु संक्रमण को रोकने के लिए दोयम दर्जे के चिकित्सा उपकरणों का आयात होने संबंधी खबरें सामने आने के बाद भारत इस दिशा में अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है।

हर्षवर्धन ने कोरोना विषाणु संकट से निपटने के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) सहित अन्य संबद्ध विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री कहा कि सरकारी और गैरसरकारी अस्पतालों में कोरोना के जांच किट और चिकित्साकर्मियों के सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) सहित सभी प्रकार की सामग्री की यथाशीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित हो। साथ ही उन्होंने कहा कि चिकित्सा सामग्री की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक हर्षवर्धन ने बैठक में कोरोना विषाणु के संक्रमण के परीक्षण और नमूने लेने प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने आइसीएमआर, सीएसआइआर और अन्य संबद्ध एजंसियों के बीच बेहतर तालमेल कायम करने की प्रभावी रणनीति की जरूरत पर भी बल दिया। उन्होंने वेंटिलेटर, परीक्षण किट, पीपीई स्वास्थ्य मंत्रालय और डीएसटी के बीच अंतर-विभागीय स्तर पर बेहतर तालमेल की सराहना की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्यों में भी जांच किट और अन्य जरूरी उपकरणों की आपूर्ति में कमी न हो। साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों एवं लद्दाख और अन्य संघ शासित क्षेत्रों को अतिरिक्त सहायता देने का भी निर्देश दिया, जहां परीक्षण की सुविधा या प्रयोगशाला नहीं हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने पूरे देश में कोरोना विषाणु सक्रमण की जांच सुविधाओं के बारे में आइसीएमआर ओर से जारी दिशानिर्देशों के पालन की दैनिक समीक्षा भी करने को कहा जिससे परीक्षण की गुणवत्ता को बरकरार रखा जा सके।

देश में 13 हजार जांच प्रतिदिन करने की सुविधाएं : बैठक में शामिल आइसीएमआर के महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने बताया कि देश में इस समय 13 हजार जांच प्रतिदिन की क्षमता के साथ सरकार की 130 प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इनमें एनएबीएल की मान्यताप्राप्त 49 प्रयोगशालाएं भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि देश में निजी प्रयोगशालाओं द्वारा 16 हजार केंद्रों से नमूने भी एकत्र किए जा रहे हैं। बैठक में मौजूद जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव डॉ रेणु स्वरूप ने बताया कि वेंटिलेटर और जांच किट का देश में ही निर्माण कार्य तेज कर दिया गया है।

सरकार ने बड़ी कंपनियों से की दान देने की अपील

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

सरकार ने बड़ी कंपनियों से प्रधानमंत्री केयर्स कोष में दान देने की अपील की है। इस कोष को कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए बनाया गया है। इस कोष के लिए दिए जाने वाले दान को कर से छूट भी मिलेगी।

कॉरपोरेट मामलों के सचिव इंजेती श्रीनिवास ने बाजार पूंजीकरण के हिसाब से शीर्ष 1000 कंपनियों के प्रमुखों से इस कोष में दान देने की अपील की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने इस कोष में दिए जाने वाले दान को 'कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' (सीएसआर) के तहत किए जाने वाले खर्च मानने का निर्देश पहले ही दे दिया है। इसके अलावा कंपनियों के कोरोना वायरस से निपटने पर किए जाने वाले व्यय को भी सीएसआर के दायरे में रखा गया है।

श्रीनिवास ने एक पत्र में कहा, 'कोष के लिए आपका योगदान सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को उन्नत बनाने के प्रयासों में मदद करेगा। इससे इस अभूतपूर्व संकट से निपटने में सहायता होगी।' प्रधानमंत्री आपातकालीन नागरिक सहायता व राहत कोष (प्रधानमंत्री केयर्स) को कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए बनाया गया है। सरकार इसके लिए धन जुटाने के प्रयास कर रही है ताकि प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्य को अंजाम दिया जा सके।

प्रवासी कामगारों के लिए व्यवस्था करने का निर्देश

नागपुर 31 मार्च (भाषा)।

देश में राष्ट्रव्यापी बंद की वजह से प्रवासी कामगारों की परेशानियों का संज्ञान लेते हुए बंबई हाई कोर्ट के नागपुर पीठ ने महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि वह इन कामगारों के लिए सभी जरूरी बंदोबस्त करे और परमार्थ संगठनों से धन जुटाने की संभावना पर भी विचार करे।

न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे के एकल पीठ ने सोमवार को कोरोना वायरस के प्रकोप की वजह से कामगारों और उनके परिवार के शहरों से गांव की ओर पलायन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को यह निर्देश दिया। यह याचिका सीएच शर्मा नामक एक व्यक्ति ने दायर की है।

अदालत ने इस मुद्दे पर विचार के दौरान कहा कि इतनी बड़ी संख्या में कामगारों के पलायन से कोरोना के और फैलने का खतरा बढ़ गया है। अदालत ने कहा कि इन लोगों को इस समय राज्य सरकार से सहायता की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति शुक्रे ने अपने आदेश में कहा कि आमदनी का जरिया बंद हो जाने के कारण ये कामगार बहुत ही कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें कपड़े, दवाइयां और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना तथा उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराना बुद्धिमत्तापूर्ण काम होगा।

उन्होंने कहा, 'यह अदालत, महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देती है कि वह प्रवासी कामगारों सहित सभी श्रमिकों के रहने, खाने, साफ-सफाई, कपड़ों और स्वास्थ्य सुविधाओं का बंदोबस्त करे।' पीठ ने कहा कि वह इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए धन की आवश्यकता के पहलू के प्रति सचेत है और इसलिए राज्य सरकार को परमार्थ संस्थाओं से आर्थिक सहायता करने का अनुरोध करना चाहिए।

न्यायमूर्ति शुक्रे ने कहा, 'मैं सिर्फ सुझाव दे सकता हूं कि धन का बंदोबस्त करने के लिए महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट कानून और वक्फ कानून के प्रावधानों में धर्मार्थ आयुक्त और राज्य सरकार को प्राप्त अधिकारों पर अमल किया जा सकता है।' अदालत ने कहा कि पब्लिक ट्रस्ट कानून या वक्फ कानून के तहत पंजीकृत सभी धर्मार्थ संस्थाओं का आह्वान किया जा सकता है कि वे अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुये जन और धर्मार्थ कार्यों में इस्तेमाल के लिए धन उपलब्ध कराए। इस मामले में अदालत अब आठ अप्रैल को आगे विचार करेगी।

निजामुद्दीन आयोजन में शामिल लोगों में से 24 को संक्रमण

पेज 1 का बाकी

करने के निर्देश दिए। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत में निजामुद्दीन पश्चिम में तबलीगी जमात के मरकज़ में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले 24 लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है।

अपने आवास पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'आयोजन में भाग लेने वाले सात सौ लोगों को पृथक कर दिया गया है जबकि 335 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं।'

जैन ने कहा कि सरकार आयोजन में भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों की जांच करवा रही है। मामला सामने आने के बाद केंद्र और राज्य सरकार हरकत में आई और आयोजन में भाग लेने वाले लोगों की तलाश की जा रही है।

उधर दिल्ली के भारतनगर इलाके की पुलिस को संगम पार्क स्थित एक इमारत में रह रहे आठ विदेशी और दो भारतीय नागरिक मिले हैं। विदेशी सभी किर्गिजस्तान के रहने वाले हैं और 19 मार्च को निजामुद्दीन स्थित जमात से वापस लौटे थे। सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन ने सभी लोगों के स्वास्थ्य की जांच कराई है। डॉक्टरों के अनुसार एहतियातन इन्हें 14 दिन तक अलग-अलग घरों में रहने के लिए कहा गया है। पुलिस ने दो फ्लैट के मालिकों जमील और मुन्ना के खिलाफ धारा महामारी अधिनियम और सरकारी कानून के उल्लंघन की धारा में एफआइआर दर्ज की है। विदेशी नागरिक फरवरी महीने में वीजा पर भारत आए थे और फिलहाल वीजा अवधि समाप्त नहीं हुई है।

तबलीगी जमात के आयोजन में भाग लेने वाले तेलंगाना के छह और जम्मू कश्मीर के एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन पश्चिम में एक बड़े क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। एक से 15 मार्च के बीच दो हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने आयोजन में भाग लिया था।

देश में कोरोना के संक्रमण की स्थिति के बारे में होने वाले नियमित संवाददाता सम्मेलन में स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, 'जहां तक निजामुद्दीन इलाके में संक्रमण के मामले सामने आने का सवाल है, हमें यह समझना चाहिए कि यह समय किसी की गलती खोजने का नहीं है। बल्कि हमारे लिए जरूरी यह है कि जिस किसी भी इलाके में संक्रमण के मामले मिलें उसमें इसे रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।'

उधर दिल्ली के ओखला से विधायक अमानतुल्ला खान ने कहा कि 23 मार्च आधी रात को उन्होंने पुलिस उपाधीक्षक (दक्षिण पूर्व) और निजामुद्दीन के सहायक पुलिस आयुक्त को बताया था कि मरकज के आसपास एक हजार लोग फंसे हैं, तब पुलिस ने उन्हें ले जाने के लिए व्यवस्था क्यों नहीं की।

266 आइएस अधिकारियों के जवाब पर बनेगी कोरोना राष्ट्रीय सर्वेक्षण तैयारी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

केंद्र सरकार 260 से अधिक आइएएस अधिकारियों से मिले जवाब के आधार पर कोविड-19 से संबंधित राष्ट्रीय तैयारी पर जल्द ही अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देगी। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह बात कही गई है।

आपदा प्रबंधन कानून 2005 के तहत गठित अधिकारियों के अधिकारप्राप्त समूह की बैठक के बाद सर्वेक्षण रिपोर्ट और अन्य मामलों पर निर्णय किया गया जिससे समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान करने और नीतिगत रूपरेखा तैयार करने, योजना बनाने, रणनीतिक अभियान चलाने और इससे संबंधित आवश्यक कदम उठाने के लिए कोविड-19 से निबटने की गतिविधियों का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

बैठक में मानव संसाधन सचिव अमित खरे, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव क्षत्रपति शिवाजी, गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव आशुतोष अग्निहोत्री, मंत्रिमंडल सचिवालय निदेशक मीरा मोहंती और प्रधानमंत्री कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बयान में कहा गया, 'डीएआरपीजी कोविड-19 राष्ट्रीय तैयारी सर्वेक्षण 2020 को तेजी से अंतिम रूप देगा जिसमें भारत सरकार में पिछले पांच साल में सहायक सचिव के रूप में काम कर चुके 266 आइएएस अधिकारियों ने जिलावार जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान के लिए 23 बिंदु वाली प्रश्नावली तथा बेहतर तैयारी के लिए सुझाव ग्रहण करने पर जवाब दिए हैं।' बैठक में किए गए निर्णयों का उल्लेख करते हुए बयान में कहा गया कि डीएआरपीजी एक तकनीकी टीम गठित करेगा जिसमें पांच अधिकारी कोविड-19 पर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने का काम करेंगे। इसमें सार तैयार करने और केंद्रीकृत लोक शिकायत समाधान तथा निगरानी प्रणाली पोर्टल पर प्राप्त सुझावों और शिकायतों तथा इनके निपटारे की स्थिति की सूची भी शामिल होगी।

बयान में कहा गया कि कोरोना वायरस से संबंधित लोक शिकायतों की बेहतर निगरानी के वास्ते डीएआरपीजी सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों और राज्य सरकारों के लिए दिशा-निर्देश तैयार करेगा।

तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए : गृह मंत्रालय

पेज 1 का बाकी

देसी और विदेशी कार्यकर्ता वर्ष भर देश के अलग-अलग इलाकों में उपदेश देने या 'चिल्ला' के लिए दौरे पर रहते हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, नेपाल, म्यामां, बांग्लादेश, श्रीलंका और किर्गिस्तान समेत विभिन्न राष्ट्रों से लोग तबलीगी गतिविधियों के लिए आते हैं। ऐसे सभी विदेशी नागरिक सामान्य तौर पर अपने आने की सूचना सबसे पहले हजरत निजामुद्दीन स्थित बंगलेवाली मस्जिद में तबलीगी मरकज में देते हैं। यहां से उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में चिल्ला गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाती है। चिल्ला गतिविधियों का समन्वय सभी राज्यों में विभिन्न जिलों में जिला समन्वयकों द्वारा किया जाता है जिनकी निगरानी का काम कुछ राज्यों में 'प्रदेश अमीर' के द्वारा किया जाता है।

गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार उन करीब तीन सौ विदेशी नागरिकों को प्रतिबंधित कर सकती है, जो पर्यटक वीजा पर आने के बावजूद दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

कोरोना तोड़ेगा एशिया की कमर : विश्व बैंक

पेज 1 का बाकी

5.8% थी। बैंक का अनुमान है कि 1.1 करोड़ से अधिक संख्या में लोग गरीबी के दायरे में आ जाएंगे। यह अनुमान पहले के उस अनुमान के विपरित है जिसमें कहा गया था कि इस वर्ष विकास दर पर्याप्त रहेगी और 3.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ जाएंगे।

इसमें कहा गया है कि चीन की विकास दर भी पिछले साल की 6.1 फीसदी से घटकर इस साल 2.3 फीसदी रह जाएगी।

कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियार बरामद

पेज 1 का बाकी

केरन इलाके में आतंकियों ने छिपने का अड्डा बना रखा है। सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान चलाकर उस इलाके में तलाशी की। आतंकी ठिकाने को ढूंढ निकाला। हालांकि, वहां से किसी भी आतंकी के पकड़े जाने या मुठभेड़ की कोई सूचना नहीं है।

उस ठिकाने से एक एके-47, एक एके-56, छह मैगजीन, एक पिस्टल और भारी मात्रा में कारसूत बरामद किए गए हैं। साथ ही कई आपत्तिजनक वस्तुएं भी मिली हैं, जिन्हें पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

बैंकों ने किस्त मामले अमल में लाने के लिए उठाए कदम

पेज 1 का बाकी

पर ईएमआइ भुगतान के बारे में सूचना दी जा रही है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआइ) के प्रबंध निदेशक राजकिरण राय जी ने कहा कि शाखाओं को सभी मियादी कर्ज की किस्त पर तीन महीने की रोक के संदर्भ में सूचना दी गई है। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने ईएमआइ काटे जाने को लेकर ईसीएस (इलेक्ट्रानिक क्लीयरिंग सर्विस) का विकल्प चुना है, उनको इस सुविधा का लाभ लेने के लिए संबंधित शाखा को ईमेल या अन्य डिजिटल माध्यम से सूचना देनी होगी। बैंक कानूनन खुद ईसीएस भुगतान नहीं रोक सकता। लेकिन ग्राहकों के पास बैंक से इसे रोकने का आग्रह करने का विकल्प है। उन्होंने कहा कि जिन ग्राहकों की आय प्रभावित नहीं हुई है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के अनुसार किस्त देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बैंकों ने ट्विटर पर लिखा है- कोरोना महामारी के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए आरबीआइ के पैकेज में भारतीय बैंकों को कर्ज की किस्त टालने, कार्यशील पूंजी पर ब्याज 1 मार्च, 2020 से तीन महीने के लिए बढ़ाने की अनुमति देना शामिल है।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कहा कि वह अपने ग्राहकों के लिए राहत योजना की पेशकश कर रही है। कोरोना महामारी को देखते हुए 1 मार्च, 2020 से 31 मई, 2020 के बीच की निश्चित अवधि वाले कर्ज की किस्त, नकद जमा सुविधा पर ब्याज की वसूली को टाले जाने का फैसला किया गया है। केनरा बैंक ने ट्वीट किया- आरबीआइ पैकेज के तहत कर्जदार अपना 1 मार्च, 2020 से 31 मई, 2020 तक भुगतान वाली अपनी ईएमआइ तीन महीने के लिए टाल सकते हैं। बैंकों की तरफ से ईएमआइ रोक पर स्थिति स्पष्ट होने से ग्राहकों का संदेह दूर होगा। वे बैंकों से भुगतान को लेकर मोबाइल फोन पर आ रहे संदेश को देखते हुए भ्रम की स्थिति में हैं।

मुंबई में कोरोना प्रभावित इलाकों की जीआइएस मैपिंग शुरू

मुंबई, 31 मार्च (भाषा)।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने शहर में कोरोना प्रभावित इलाकों की जीआइएस मैपिंग शुरू कर दी है और शहर में कोविड-19 के संक्रमण की निगरानी तथा उसे और फैलने से रोकने के लिए 'वॉर रूम' स्थापित किए हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आयुक्त प्रवीण परदेसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि जिन इलाकों में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले ज्यादा हैं उनके मानचित्र महानगरपालिका की वेबसाइट पर पोस्ट किए जाएंगे ताकि लोगों को इसकी जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि मानचित्रों की मदद से इन इलाकों के निवासी सतर्क रह कर ज्यादा एहतियात बरत सकते हैं और किसी भी काम के लिए उन इलाकों में जा रहे लोग आसानी से बचाव के उपाय कर सकते हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दो वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों - अश्विनी भिडे और डॉ रामास्वामी एन को प्रतिनियुक्ति पर बीएमसी में भेजा है ताकि देश की आर्थिक राजधानी में घातक बीमारी के प्रसार पर लगाम लगाई जा सके। बीएमसी ने अपने आपदा नियंत्रण कक्ष में 'कोरोना वॉर रूम' भी गठित किया है जो हर वक्त काम करेगा। साथ ही योजना, बचाव एवं वैश्विक महामारी के प्रबंधन संबंधी गतिविधियां यहां की जाएंगी। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रबंध निदेशक भिडे वॉर रूम के समन्वयक के तौर पर काम करेंगे जो कोविड-19 बीमारी का डेटा एकत्र कर उसका आकलन करेगा।

कोरोना से मरने वालों की संख्या 35

पेज 1 का बाकी

की ओर से मंगलवार रात साढ़े आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और पंजाब में एक-एक मृत्यु के नए मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना विषाणु से अब तक सबसे ज्यादा नौ मौत हुई हैं। इसके बाद गुजरात में छह, कर्नाटक, पंजाब व मध्य प्रदेश में तीन-तीन, दिल्ली, पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर में दो-दो मौत हुई है। केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, बिहार और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। संक्रमण के कुल मामलों में 49 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

देश में केरल में इस महामारी के सर्वाधिक 234 मामले हैं और इसके बाद महाराष्ट्र में 216 मामले हैं। कर्नाटक में 83 मामले सामने आए हैं जबकि उत्तर प्रदेश से संक्रमितों की संख्या 101 पहुंच गई है। तेलंगाना में 79 मामले, गुजरात के 73 और राजस्थान में 74 मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु में 74 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हई है। पंजाब से 41 मामले जबकि हरियाणा से 40 और मध्य प्रदेश से कोरोना संक्रमण के 47 मामले सामने आए हैं। जम्मू-कश्मीर में 54 मामले, आंध्र प्रदेश में 40, पश्चिम बंगाल में 26 और लद्दाख में 13 मामले हैं। बिहार से 15 जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से 10 मामले सामने आए हैं। चंडीगढ़ में 13, छत्तीसगढ़ में आठ, उत्तराखंड में सात मामले सामने आए हैं। गोवा में कोरोना विषाणु संक्रमण के पांच जबकि हिमाचल प्रदेश और ओड़ीशा में तीन-तीन मामले सामने आए हैं। पुडुचेरी, मिजोरम और मणिपुर में एक-एक मामला सामने आया है।

24 घंटे के भीतर पोर्टल बनाए केंद्र सरकार

पेज 1 का बाकी

कामगारों का चित्त शांत करने के लिए प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और सभी आस्थाओं के समुदायों के नेताओं की मदद ले।'

पीठ ने कहा कि इन आश्रय गृहों का संचालन पुलिस को नहीं बल्कि स्वयंसेवकों को करना चाहिए और उनके साथ किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं होना चाहिए।

पीठ ने केंद्र से कहा कि वह पलायन कर रहे इन कामगारों को रोके और उनके भोजन, रहने और चिकित्सा सुविधा आदि का बंदोबस्त करे। केंद्र ने इन कामगारों को सैनिटाइज करने के लिए उन पर रसायन युक्त पानी का छिड़काव करने के एक याचिकाकर्ता के सुझाव पर कहा कि यह वैज्ञानिक तरीके से काम नहीं करता है और यह उचित तरीका नहीं है। इस बीच, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालयों को इन कामगारों के मसले पर विचार करने से रोकने से इनकार कर दिया और कहा कि वे अधिक बारीकी से इस मामले की निगरानी कर सकते हैं।

न्यायालय ने इन याचिकाओं की सुनवाई सात अप्रैल के लिए स्थगित करते हुए केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कामगारों के आश्रय स्थलों के प्रबंधन की जिम्मेदारी स्वयंसेवियों को सौंपी जाए और इनके साथ किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं किया जाए।

पीठ ने शुरू में टिप्पणी की, 'हम 24 घंटे के भीतर सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए पोर्टल के बारे में आदेश पारित करेंगे। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन लोगों को आपने रोका है उनकी सही तरीके से देखभाल हो और उन्हें भोजन, रहने की जगह, पौष्टिक आहार और चिकित्सा सुविधा मिले। आप उन मामलों को भी देखेंगे जिनकी पहचान आपने कोविड-19 मामले और अलग रहने के लिए की है। मेहता ने पीठ से कहा कि सरकार जल्द एक ऐसी व्यवस्था लागू करेगी जिसमें कामगारों के व्याप्त भय पर ध्यान दिया जाएगा और उनकी काउन्सलिंग भी की जाएगी।

पीठ ने मेहता से सवाल किया, 'आप कब ये केंद्र स्थापित कर देंगे? परामर्शदाता कहां से आ रहे हैं? उन्हें आप कहां भेजेंगे' इस पर मेहता ने कहा कि जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से इन प्रशिक्षित काउन्सलर को भेजा जाएगा, इस पर पीठ ने कहा, 'देश में 620 जिले हैं। आपके पास कुल कितने काउन्सलर हैं? हम आपसे कहना चाहते हैं कि यह दहशत विषाणु से कहीं ज्यादा जिंदगियां बर्बाद कर देगा।' पीठ ने कहा, 'आप भजन, कीर्तन, नमाज या जो चाहें कर सकते हैं लेकिन आपको लोगों को ताकत देनी होगी।' इस पर मेहता ने कहा कि प्राधिकारी आश्रय गृहों में पनाह लिए कामगारों को सलाह देने और उनमें आत्म विश्वास पैदा करने के लिए धार्मिक नेताओं को लाएंगे ताकि ये श्रमिक शांत होकर वहां रह सकें। मेहता ने कहा, 'मैं यहां बयान दे रहा हूं कि 24 घंटे के भीतर हम प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और धार्मिक नेताओं को तैयार कर लेंगे।

दुनिया की अर्थव्यवस्था मंदी में

पेज 1 का बाकी

की विस्तार से व्याख्या नहीं की गई है कि भारत और चीन अपवाद क्यों और कैसे होंगे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि कोरोना संकट के चलते विकासशील देशों में रह रहे दुनिया के करीब दो-तिहाई लोग अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं और साथ ही इन देशों की मदद के लिए 2500 अरब डॉलर के राहत पैकेज की सिफारिश भी की गई है।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) के एक ताजा विश्लेषण में कहा गया है कि दुनिया की दो-तिहाई आबादी प्रभावित होगी और अगले दो वर्षों के दौरान विकासशील देशों में करीब 2,000 अरब डॉलर से 3,000 अरब डॉलर के बीच विदेशों से आने वाला निवेश प्रभावित हो सकता है।

अंकटाड ने कहा कि हाल में विकसित अर्थव्यवस्थाओं और चीन ने भारी भरकम सरकारी पैकेज की घोषणा की है। जी-20 के मुताबिक उनकी अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए ये पैकेज कुल 5,000 अरब डॉलर का होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह एक अभूतपूर्व संकट है, जिसके लिए अभूतपूर्व फैसले करने हैं।

अंकटाड ने कहा है कि इन राहत उपायों के बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था इस साल मंदी के दौर में चली जाएगी और इससे अरबों-खरबों डॉलर के वैश्विक निवेश का नुकसान होगा, जो विकासशील देशों के लिए गंभीर मुसीबत बन जाएगा।

अलगाव के दौर में साहित्य पर आभासी संवाद

पेज 1 का बाकी

था कि मुझे एकांत चाहिए, मैं लिखना चाहती हूं। फिर जब अपने साथ होने का समय आया तो लगा कि नहीं हमें सबके बीच होकर ही अपने साथ होना है। चारों तरफ से आती आवाज और लोग आपको मानसिक रूप से सुरक्षा कवच का बोध देते हैं। अनेक आवाज और दैहिक उपस्थिति से आप एकांत ढूंढ़ते हो तो ये रचनात्मक होता है। ये एकांत मारक है। हमें गूंजता सन्नाटा चाहिए था, विलाप करता हुआ नहीं। मैंने जब संवाद किया तो मैं सबको देख पा रही थी लेकिन चेहरे से नहीं कमेंट से, लोग मुझे चेहरे से देख पा रहे थे। लेकिन यह प्रयास बहुत अच्छा है कि जो स्थगित हो रहे थे उनका संवाद तो शुरू हुआ। कुछ तो आवाजें आईं। बात करने के लिए दीवारों से सिर मारें- ऐसी नौबत आने से अच्छा है कि हम इस तरह के ऑनलाइन माध्यम से जुड़ जाएं।

साहित्यकार सुधा उपाध्याय ने कहा कि मैं ऑनलाइन आयोजन से लगातार जुड़ रही हूं और यह बहुत बढ़िया लग रहा है। हम जैसे लोगों की खुराक ही सरोकारों से संवाद है तो लगातार अपने जैसे लोगों से जुड़े रहना सुकून देता है। रचनाकार रश्मि भारद्वाज ने कहा कि इतने भयंकर समय में जब हमारे सामने इतने सारे अवसाद हैं, मजदूरों का पलायन हो रहा है तो हमारा बात करना जरूरी है। हम जिस तरह से लाइव हो रहे हैं तो बहुत सी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। लेकिन यह बहुत सकारात्मक चीज है कि हम इस समय में भी अपनी जिजीविषा बनाए रखते हुए, साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से ऑनलाइन बात कर, लाइव हो यह समझना चाहते हैं कि हम किस तरह अपनी उम्मीद बरकरार रखें।

बंदी का पालन ठीक से नहीं होने पर मामले बढ़े : स्वास्थ्य मंत्रालय

पेज 1 का बाकी

की है। इसे 24 घंटों में शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति का जायजा लेने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन की अध्यक्षता वाले मंत्री समूह की बैठक हुई। इसमें राज्य सरकारों द्वारा बनाए गए कोरोना के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया। साथ ही राज्यों को ऐसे प्रवासी मजदूरों का परीक्षण कराने को कहा गया है जिनमें संक्रमण के लक्षण दिखाई दें।

चौबीस घंटे में हुई 4346 नमूनों की जांच : संवाददाता सम्मेलन में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के रमन आर गंगाखेड़कर ने बताया कि देश में कार्यरत 123 प्रयोगशालाओं में अब तक 42,788 नमूनों का परीक्षण किए जा चुके हैं। इनमें पिछले 24 घंटों में की गईं 4346 जांच भी शामिल हैं। गंगाखेड़कर ने कहा कि इसके साथ ही देश में परीक्षण का स्तर कुल क्षमता का 36 फीसद हो गया है। अब तक यह 30 फीसद था।

www.readwhere.com

खबर कोना

बेल्जियम में कोरोना से 12 साल की लड़की की मौत

ब्रसेल्स, 31 मार्च (एएफपी)।

बेल्जियम में कोरोना से संक्रमित 12 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। सरकारी प्रवक्ता डा. इमैनुएल आंद्रे ने बताया कि कम उम्र में मौत होना असामान्य घटना है। लड़की की मौत ने हमें चकित कर दिया है। इस बीमारी से जूझ रहे बेल्जियम में कोरोना वायरस से बच्चे की मौत होने का यह पहला मामला है। ताजा आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना वायरस से 705 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रिंस हैरी शाही परिवार की अग्रिम भूमिकाओं से अलग

लंदन, 31 मार्च (भाषा)।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने मंगलवार को शाही परिवार की भूमिकाओं से स्वयं को औपचारिक रूप से अलग कर लिया। यह दंपत्ति अमेरिका में बस गया है और आर्थिक रूप से स्वतंत्र है। हैरी और उनकी पत्नी ने इस साल की शुरुआत में शाही परिवार से अलग होने की घोषणा की थी। बर्मिंघम पैलेस के साथ हुए समझौते के तहत उनके पास 12 महीने का संक्रमण काल होगा। इस दौरान वे शाही परिवार की अग्रणी भूमिका में लौट सकते हैं। ड्यूक और डचेज ऑफ ससेक्स की ये पदवी कायम रहेगी लेकिन वे इनका सक्रिय रूप से इस्तेमाल नहीं करेंगे और एक अप्रैल से महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का औपचारिक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे।

चीन : जंगल की आग बुझाने में 18 अग्निशमनर्मी व श्रमिक की मौत

बेजिंग, 31 मार्च (भाषा)।

दक्षिण पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत में जंगल में आग लगने की वजह से दमकल के 18 कर्मचारियों समेत कुल 19 लोगों की मौत हो गई। सरकारी समाचार एजंसी शिंहुआ ने मंगलवार को कहा कि एक स्थानीय खेत में सोमवार को अपराह्न करीब चार बजे आग लगी जो तेज हवाओं के कारण नजदीकी पर्वतों पर तेजी से फैल गई। मारे गए लोगों में दमकल के 18 कर्मियों के अलावा एक स्थानीय खेतिहार श्रमिक था जो दमकलकर्मियों की मदद कर रहा था। हवा की दिशा में अचानक आए बदलाव से वे आग के बीच फंस गए। लोगों को वहां से निकालने का काम जारी है और 300 से अधिक दमकल कर्मियों तथा 700 सैनिकों को मदद के लिए भेजा गया है। इस बीच चीन के युन्नान प्रांत में रविवार को लगी आग पर काबू पा लिया गया है। नानजिंग की काउंटी सरकार के अनुसार आग पर सोमवार की रात 11 बजकर 34 मिनट पर काबू पाया गया। रविवार को लगी आग 90 हेक्टेयर से अधिक भाग में फैल गई थी। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

'सामाजिक दूरी से शरीर का तापमान कम रखने में मदद'

वाशिंगटन , 31 मार्च (भाषा)।

एक स्वास्थ्य संबंधी स्टार्टअप के भारतीय मूल के सीईओ व संस्थापक इंद्र सिंह का कहना है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रकोप से निपटने के लिए सामाजिक दूरी बनाना बड़ा उपाय साबित हो सकता है। उन्होंने अमेरिका के 'रियल टाइम' संबंधी आकंड़ों के हवाले से कहा कि सामाजिक दूरी बनाने से शरीर का तापमान कम रखने में मदद मिली है। कोविड-19 के मरीजों में उच्च तापमान एक बड़ा लक्षण है।

नेपाल में महाकाली नदी तैरकर आए तीन लोग गिरफ्तार

काठमांडो, 31 मार्च (भाषा)।

कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू किए गए बंद के बीच भारत से नेपाल में प्रवेश करने के लिए महाकाली नदी तैरकर पार करने वाले तीन नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। कोविड-19 को देखते हुए भारत और नेपाल, दोनों ही देशों ने बंद (लॉकडाउन) लागू किया हुआ है। भारत के उत्तराखंड में पिथौरागढ़ के धारचुला जिले में इन तीन व्यक्तियों समेत नेपाल के करीब 500 नागरिक चार दिन से फंसे हुए थे। सोमवार को गिरफ्तार किए तीन में से एक व्यक्ति ने बताया कि हमने मुख्य जिला प्रशासक से पुल का द्वार खोलने का आग्रह करने के लिए नदी तैर कर पार की। शुक्रवार की रात को नेपाली अधिकारियों ने भारत नेपाल को जोड़ने वाले पुल को खोल कर धारचुला में फंसे 225 नेपालियों को निकाल लिया था। फंसे हुए अधिकतर नेपाली नागरिक भारत में मजदूरी करते हैं। उन्होंने पुल के दरवाजे खोलने की मांग करते हुए रविवार को नेपाल सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे। नेपाल की कैबिनेट ने रविवार को भारत नेपाल सीमा पर फंसे नेपालियों को इस शर्त पर देश में आने की अनुमति दे दी थी कि वे 14 दिन तक पृथक रहेंगे ताकि अन्य लोग संक्रमित नहीं हों।

सख्ती से बंदी लागू, दुनिया की आधी आबादी को घर में रहने की हिदायत

मैड्रिड, 31 मार्च (एएफपी)।

विश्वभर में तबाही मचा रहे घातक कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के प्रयासों के तहत कई देशों में सख्ती से लॉकडाउन (बंद) लागू किया गया है जिसके कारण दुनिया की करीब आधी आबादी को घरों में ही रहने की हिदायत दी गई है। इस वायरस के संक्रमण को काबू करने के लिए दुनियाभर में तमाम प्रयासों के बावजूद लोगों के संक्रमित होने और मारे जाने का सिलसिला थम नहीं रहा।

स्पेन में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के संक्रमण से रिकार्ड 849 लोगों की मौत हो गई जिससे देश में इस महामारी से मृतकों की संख्या बढ़कर 8,189 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 9,222 लोग इस वायरस से संक्रमित पाये गये हैं जिससे पुष्ट मामलों की कुल संख्या बढ़कर 94,417 हो गई है। आधिकारिक सूत्रों से एकत्र जानकारी के अनुसार विश्वभर में इस वायरस के कारण मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 38,466 हो गई। चीन में दिसंबर में सामने आए कोरोना वायरस के पहले मामले के बाद से दुनिया के 185 देशों और क्षेत्रों में 7,91,000 से अधिक लोगों के इस विषाणु से संक्रमित होने के मामले दर्ज किए गए हैं।

इटली में इस बीमारी से 11,591 लोगों की मौत हो चुकी है, देश में कुल 1,01,739 लोग संक्रमित हैं और 14,620 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। हांगकांग एवं मकाऊ को छोड़कर चीन में 3,305 लोगों की मौत इस वायरस से हो चुकी है, कुल 81,518 मामले सामने आए हैं और संक्रमित हुए 76,052 लोग स्वस्थ हो चुके है। चीन में सोमवार से संक्रमण के 48 नए मामले सामने आए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

फ्रांस में इस वायरस के कारण 3,024 लोगों की मौत हो चुकी है और देश में संक्रमण के कुल 44,550 मामले सामने आए हैं। अमेरिका में संक्रमितों की संख्या सर्वाधिक है। देश में कुल 1,64,610 लोग संक्रमित मिले हैं, 3,170 लोगों की मौत हुई है और 5,764 लोग बीमारी से उबर चुके हैं।

ईरान ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस से 141 और लोगों की मौत हो गई जिससे देश में इस महामारी से मृतकों की संख्या बढ़कर 2,898 हो गई है।

तंजानिया और आइवरी कोस्ट में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पहली मौत का मामला सामने आया जबकि दक्षिण सूडान में संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया गया।

यूरोप में 4,29,362 मामले (27,740 मौत), एशिया में (1,08,143 मामले, 3,878 मौत), अमेरिका और कनाडा में 1,71,896 मामले और 3,878 मौत, पश्चिम एशिया में 54,642 मामले, और 2,999 मौत, लातिन अमेरिका और कैरेबिया में 16,399 मामले और 417 मौत, अफ्रीका में 5,343 मामले और 170 मौत और ओशिनिया में 5,224 मामले और 22 मौत दर्ज की गई।

इटली में कोरोना वायरस के कारण मारे गए लोगों के सम्मान में एक मिनट के मौन के दौरान राष्ट्रध्वज को आधा झुकाया गया।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में लंबी लड़ाई की चेतावनी दी डब्लूएचओ ने

जकार्ता, 31 मार्च (एपी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी कि कोविड-19 को लेकर पूरा ध्यान जहां पश्चिमी यूरोप और उत्तर अमेरिका के सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों की ओर चला गया है वहीं एशिया और प्रशांत क्षेत्र में यह महामारी अभी समाप्त होने से बहुत दूर है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सभी स्तर पर सरकारों से वायरस से लड़ने के प्रयासों में लगे रहने का अनुरोध करते हुए डब्लाूएचओ के पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ ताकेशी कासाई ने कहा कि यह लड़ाई बहुत लंबी चलने वाली है और हम अपनी चौकसी में ढिलाई नहीं ला सकते। प्रत्येक नागरिक को उनके स्थानीय हालात के हिसाब से निपटना होगा। उन्होंने कहा कि डब्लूएचओ को लगता है कि इससे निपटने के लिए सभी के लिए एक समान तरीका नहीं है लेकिन कुछ समान उपाय जरूर हैं।

ताकेशी ने कहा कि इनमें लोगों का पता लगाना, पृथक करना और जल्द से जांच कराना, पता लगने के बाद अन्य संपर्कों को जल्द अलग करना और संक्रमण की रफ्तार कम करने और उसे रोकने के लिए लोगों के बीच दूरी सुनिश्चित करने के लिए अनेक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय करना शामिल है। उन्होंने इस बात के लिए भी आगाह किया कि देशों को बड़े स्तर पर सामुदायिक संक्रमण के लिए तैयार रहना होगा।

ताकेशी ने कहा कि हमें यह बात साफ-साफ समझनी होगी कि इन उपायों के साथ भी खतरा तब तक नहीं टलेगा जब तक यह महामारी रहती है।

स्पेन में अंतिम संस्कार के लिए अब तीन ही लोग एकत्र हो पाएंगे

मैड्रिड, 31 मार्च (एएफपी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच स्पेन ने अंतिम संस्कार में अधिक लोगों के एकत्रित होने और घरों पर जाकर शोक व्यक्त करने पर रोक लगा दी है। नए आदेशानुसार अंतिम संस्कार के लिए अब तीन से अधिक लोग एकत्रित नहीं हो पाएंगे। मैड्रिड ने सोमवार को घोषणा की कि अलर्ट खत्म होने तक धार्मिक समारोह और लोगों के अंतिम संस्कार के बाद किए जाने वाले अनुष्ठानों पर रोक रहेगी। लोगों को नियंत्रित रखने के लिए देशभर में 11 अप्रैल तक लॉकडाउन घोषित किया गया है। नए आदेशानुसार अब केवल तीन लोग ही अंतिम संस्कार के लिए एकत्र हो पाएंगे और लोगों को एक दूसरे से एक-दो मीटर की दूरी बनाए रखनी होगी। स्पेन में कोरोना वायरस की चपेट में आने से अभी तक 7,340 लोगों की जान जा चुकी है। सरकार ने लोगों के घर पर जाकर शोक व्यक्त करने पर भी रोक लगा दी है।

इटली में 12 अप्रैल तक बढ़ी बंदी

रोम, 31 मार्च (एएफपी)।

इटली ने कोरोना वायरस संक्रमण को जड़ से खत्म करने की खातिर लॉकडाउन की अवधि अप्रैल के मध्य तक बढ़ा दी है। यहां इस संक्रमण के कारण दुनिया में सर्वाधिक 11,591 लोगों की मौत हुई है। प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने सोमवार को कहा कि बंद में किसी भी तरह की ढील धीरे-धीरे करके ही दी जाएगी ताकि इटली ने अब तक इस संक्रमण के खिलाफ जो कुछ भी सफलता हासिल की है, उस पर पानी न फिर जाए। कोंते ने स्पेन के अल पाइस अखबार से कहा कि लगभग तीन हफ्ते के बंद ने आर्थिक हालात खराब कर दिए हैं।

कोरोना से निपटने के लिए सख्त कानूनों का दौर

रूस में पृथकता नियमों का उल्लंघन करने पर सात साल की सजा का कानून सदन में पारित

मॉस्को, 31 मार्च (एएफपी)।

रूस में एक ही दिन में कोरोना वायरस के सवार्धिक 500 मामले सामने आने के बाद इस महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए मंगलवार को बंदी का दायरा बढ़ा दिया गया और तीन अहम कानूनों को मंजूरी दे दी गई।

क्षेत्रफल के लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े देश रूस के कुल 85 में से अब 40 से अधिक क्षेत्रों में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। इनमें पूर्व में चीन की सीमा से सटे प्रिमोस्की क्राई और पश्चिम में कालिनिनग्राद क्षेत्र भी हैं। दूसरी ओर संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने मंगलवार को तीन मसौदा विधेयकों को मंजूरी दे दी, जिनमें कोरोना वायरस पृथकता नियमों का उल्लंघन करने वालों और झूठी खबरें फैलाने वालों को सात साल जेल की सजा का प्रावधान है।इससे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कड़े कदमों को सही ठहराते हुए कहा था कि अगर पूरे देश में मनोरंजन स्थलों को बंद नहीं किया गया तो स्थानीय अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक लापरवाही का मामला दर्ज किया जा सकता है। लगभग 14 करोड़ 40 लाख की आबादी वाले रूस में मंगलवार तक कोरोना वायरस से 17 लोगों की मौत हो चुकी है और 2,337 लोग इससे संक्रमित हैं। बीते 24 घंटे में देश में 500 नए मामले सामने आए हैं जो कि एक दिन में सामने आए मामलों की सबसे अधिक संख्या है।

इंडोनेशिया में आपातकाल की घोषणा, पर राष्ट्रव्यापी बंदी नहीं

जकार्ता, 31 मार्च (एएफपी)।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विदोदो ने कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत के मामलों में लगातार इजाफा के मद्देनजर मंगलवार को देश में आपातकाल की घोषणा की, लेकिन उन्होंने किसी राष्ट्रव्यापी बंद करने से इनकार कर दिया है।

राजधानी जकार्ता और अन्य प्रमुख शहरों में बंद लागू नहीं करने पर विदोदो प्रशासन की कड़ी निंदा हो रही है। इन शहरों में देश की करीब तीन करोड़ आबादी रहती है और इन्हीं से कोरोना वायरस से मौत के अधिकतर मामले सामने आए हैं। विदोदो ने आपातकाल को लेकर थोड़ी जानकारी दी, जिसमें सामाजिक दूरी रखने का कड़ाई से पालन शामिल है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक सहायता के लिए डेढ़ अरब अमेरिकी डॉलर और निम्न वेतन वाले कामगारों के लिए रियायतों का एलान किया। उन्होंने कहा कि 'कोविड-19 के प्रभाव से निपटने के लिए हमने बड़े पैमाने पर सामाजिक दूरी बनाए रखने का फैसला किया है। हमें अन्य देशों के अनुभवों से सीखना चाहिए लेकिन हम उनकी नकल नहीं कर सकते क्योंकि हर देश का अपना चरित्र है। इंडोनेशिया में मंगलवार तक कोरोना वायरस से 136 लोगों की मौत हो चुकी है।

कोविड-19 से मृत्यु दर 0.0016 से 7.8 फीसद के बीच : लांसेट

लंदन, 31 मार्च (भाषा)।

कोविड-19 से होने वाली मृत्यु का दर 0.0016 से 7.8 फीसद के बीच है लेकिन यह लोगों की उम्र पर निर्भर करता है।

नए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है जिसमें चीन में कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों और इस बीमारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों के अनुपात पर पहला समग्र अनुमान व्यक्त किया गया है। इस अध्ययन में पाया गया कि कोविड-19 से होने वाली कुल मौतों के पूर्व अनुमानों में यह दर 0.2 से 1.6 फीसद के बीच और सबसे उम्रदराज आयु समूह यानि 80 साल से ऊपर वालों के लिए यह दर आठ से 36 फीसद के बीच बताई गई थी। हालांकि इस अध्ययन में उस तथ्य को शामिल नहीं किया गया है कि ज्यादातर देशों में केवल उन्हीं लोगों का परीक्षण किया गया जिनके लक्षण गंभीर थे। ब्रिटेन के इंपीरियल कॉलेज लंदन के अनुसंधानकताओं समेत अन्य ने कहा कि ये संख्या पूरी आबादी के सही-सही मामलों को नहीं दिखाती है। उन्होंने कहा कि इससे पहले तक अध्ययनों में संक्रमण के उन मामलों के अनुपात का अनुमान भी नहीं दिया गया था जिनमें लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत होती है। मौजूदा अध्ययन के मुताबिक कोविड-19 से चीनी भूभाग पर हुई कुल मृत्यु दर 0.66 फीसद हो सकती है जिसमें वे मामले भी शामिल हैं जिनमें संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। वहीं जिन मामलों की पुष्टि हुई उनमें मृत्यु दर 1.38 फीसद हो सकती है। इस अध्ययन में 70,000 से ज्यादा मामलों को आंका गया। हालांकि अनुसंधानकताओं का कहना है कि वैश्विक महामारी के संबंध में और जानकारी सामने आने पर इन परिणामों में सुधार हो सकता है और वर्तमान अध्ययन में सुधार करना जरूरी होगा। यह अध्ययन 'द लांसेट इंफेक्शस डिजीज' जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

सुरक्षा के मुद्दे को लेकर अमेजन के कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

न्यूयॉर्क, 31 मार्च (एएफपी)।

न्यूयॉर्क के स्टेटन द्वीप पर अमेजन वर्कर वेयरहाउस में सोमवार को 50 से 60 कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस गोदाम को बंद करने और इसकी साफ-सफाई कराने की मांग की। दरअसल यहां का कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था।

अमेजन गोदाम के कर्मचारी और इंस्टाकार्ट डिलिवरी के कर्मचारियों ने सोमवार के प्रदर्शन में सुरक्षा की मांग रखी और कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण घरों में रह रहे अमेरिकियों को सामान पहुंचा रहे अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को संक्रमण का जोखिम बहुत अधिक है। गोदाम में काम करने वाले कर्मचारी क्रिश्चियन स्माल्स ने ट्विटर पर लिखा कि इन इमारतों में संक्रमित व्यक्ति काम कर रहे हैं और वे हजारों और लोगों को संक्रमित कर रहे हैं।

इस ट्वीट के बारे में सवाल पूछने पर एएफपी से अमेजन ने कहा कि हालात के बारे में स्मॉल्स भ्रामक बयान दे रहे हैं और उन्हें पृथक रहना था। अमेजन ने बयान जारी किया जिसमें कहा कि जिस तरह कोरोना वायरस महामारी से दूसरे कारोबार जूझ रहे हैं, उसी तरह हम भी अपने कर्मचारियों को सुरक्षित रखने के लिए मेहनत कर रहे हैं और साथ ही समुदायों और संवेदनशील लोगों को आपूर्ति भी कर रहे हैं। प्रदर्शन के बाद अमेजन ने स्मॉल्स को नौकरी से निकाल दिया।

कंपनी ने इसकी वजह यह बताई कि उसने स्माल्स से खुद ही पृथक होने को कहा था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए थे लेकिन सोमवार को प्रदर्शन में हिस्सा लेकर उन्होंने कई लोगों को जोखिम में डाला जो कि अस्वीकार्य है।

कोरोना के चीन में बन रहे टीके का विदेश में भी किया जा सकता है परीक्षण : अधिकारी

बेजिंग, 31 मार्च (भाषा)।

चीन में जानलेवा कोरोना वायरस का टीका विकसित किया जा रहा है। अगर वुहान में चल रहे परीक्षण से साबित होता कि यह टीका सुरक्षित और प्रभावी है तो चीन की योजना इस बीमारी से गंभीर रूप से प्रभावित अन्य देशों में भी इसका परीक्षण करने की है।

चाइनीज अकादमी ऑफ इंजीनियरिंग की सदस्य चेन वेई ने बताया कि अधिकारियों की मंजूरी के बाद, 16 मार्च को वुहान में टीके के क्लीनिकल परीक्षण का पहला चरण शुरू किया गया था। यह सुचारू रूप से चल रहा है और इसके नतीजे अप्रैल में प्रकाशित किए जाएंगे। इस टीका का परीक्षण चीन में रहने वाले विदेशियों पर भी किया जाएगा।

वुहान चीन के हुबेई प्रांत की राजधानी है। इसी शहर से जानलेवा कोरोना वायरस का प्रकोप शुरू हुआ था जो अब दुनिया के अधिकतर देशों में फैल चुका है। हाल के दिनों में संक्रमण के मामले कम होने के बाद 1.1 करोड़ की आबादी वाले शहर में करीब दो महीने बाद हालात सामान्य हो रहे हैं। सरकारी चाइना डेली ने मंगलवार को चेन के हवाले से खबर दी कि अगर शुरूआती परिणाम साबित करते हैं कि टीका सुरक्षित है और प्रभावी है और वैश्विक तौर पर महामारी का फैलना जारी रहता है तो हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए विदेशों में टीके की प्रभावशीलता का परीक्षण करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस तरह से इस टीके का इस्तेमाल कोरोना वायरस से बुरी तरह से प्रभावित देशों में भी जल्द से जल्द किया जा सकता है, ताकि इम महामारी को नियंत्रण में लाया जा सके। चेन अकादमी ऑफ मिलिट्री साइंसेज में भी शोधार्थी हैं। कई देशों ने टीके में रुचि दिखाई है और उनकी टीम के सदस्य टीका विकसित करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ सहयोग करने को तैयार हैं।

चेन ने कहा कि यह अभी पता नहीं है कि टीका का इस्तेमाल करने के लिए कब मंजूरी मिलेगी, क्योंकि इसका सुरक्षित और प्रभावी साबित होना जरूरी है। क्लीनिकल परीक्षण के पहले चरण में 18 से 60 वर्ष की आयु के स्वस्थ लोगों को टीका लगाया गया था जिसका मकसद सुरक्षा और अन्य चीजों का मूल्यांकन करना है।

आशा की किरण

कंपनी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए

ईबोला के संभावित टीके की तकनीक का इस्तेमाल होगा

जॉनसन एंड जॉनसन के कोरोना के टीके का मनुष्य पर परीक्षण सितंबर में

वाशिंगटन, 31 मार्च (एएफपी)।

जॉनसन एंड जॉनसन ने कहा है कि उसने कोरोना वायरस के इलाज के लिए संभावित टीके की पहचान की है जिसका सितंबर में मनुष्यों पर परीक्षण किया जाएगा। यह अगले साल के शुरुआती महीनों में आपात इस्तेमाल के लिए उपलब्ध भी हो सकता है।

कंपनी ने सोमवार को बताया कि फार्मास्यूटिकल कंपनी ने अमेरिकी सरकार के बायोमेडिकल एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया है जो इस प्रयास में एक अरब डॉलर का निवेश करेगा।

जॉनसन एंड जॉनसन ने जनवरी में एडी26 सार्स-सीओवी-2 पर जनवरी में काम करना शुरू किया था जिस पर अब भी जांच चल रही है। इस टीके के लिए ईबोला के संभावित टीके को विकसित करने वाली प्रौद्योगिकी का ही इस्तेमाल किया जा रहा है।

कंपनी के मुख्य विज्ञानी अधिकारी पॉल स्टोफेल्स ने कहा कि हमारे पास कई संभावित टीके थे जिनका परीक्षण हमने जानवरों पर किया था और उनमें से हमें सर्वश्रेष्ठ को चुनना था, इसमें 12 हफ्ते लग गए 15 जनवरी से लेकर आज तक का वक्त। हमें यह भी आंकना था कि कौन से संभावित टीके में सुधार किया जा सकता है ताकि एक तरफ यह सुनिश्चित हो सके कि यह काम करे और दूसरी तरफ इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ लिया जा सके। हालांकि आज तक कोरोना वायरस परिवार से संबंधित किसी भी वायरस के लिए सफल मानवीय टीका नहीं बन सका है लेकिन स्टोफेल्स को भरोसा है कि वे इस उपलब्धि को हासिल कर लेंगे।

अमेरिकी विश्वविद्यालय ने स्वचालित और सस्ते वेंटिलेटर बनाए

ह्यूस्टन, 31 मार्च (भाषा)।

दुनियाभर में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण वेंटिलेटर की मांग में इजाफा के बीच टेक्सास के विश्वविद्यालय ने स्वचालित, हाथ में लेकर उपयोग किए जा सकने वाले और सस्ते श्वसन उपकरण बनाए हैं जिनका जल्द ही इस्तेमाल भी किया जा सकेगा।

जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर के 175 से अधिक देशों और क्षेत्रों में कोविड-19 से 7,82,365 लोग संक्रमित हुए हैं। अब तक इस संक्रमण के कारण 37,582 लोगों की मौत हो चुकी है। पूरे अमेरिका के अस्पतालों में वेंटिलेटरों की कमी है। बहरहाल, कुछ चिकित्सा उपकरण निमार्ता आपूर्ति तेज करने को तैयार हुए हैं। कोविड-19 के मरीजों या संदिग्धों को अकसर श्वसन सहायता की जरूरत होती है लेकिन जितने उपकरणों की जरूरत होगी, उतने इतनी तेजी से बन नहीं पाएंगे और न ही इतनी तेजी से उनकी आपूर्ति संभव होगी। टेक्सास के राइस विश्वविद्यालय और कनाडा की कंपनी मैट्रिक टेक्नोलॉजीज ने ऑटोमेटेड बैग वॉल्व मास्क वेंटिलेशन यूनिट विकसित की हैं जो 300 डॉलर से भी कम लागत में बन सकती हैं। इसे तैयार करने वाले 'डिजाइन किचन' टीम के सदस्य वेटरग्रीन ने बताया कि यह ऐसे मामलों के लिए नहीं हैं जिनमें मरीज की हालत नाजुक है, बल्कि ऐसे लोगों के लिए है जिन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

कागज आधारित जांच से कोरोना का पता लगेगा : अध्ययन

लंदन, 31 मार्च (भाषा)।

अनुसंधानकर्ता अपशिष्ट जल में कोरोना वायरस की मौजूदगी का पता लगाने के लिए एक जांच पर काम कर रहे हैं। इससे अपशिष्ट जल स्रोतों के जरिए कोविड-19 को फैलने से रोका जा सकेगा। ब्रिटेन के क्रेनफिल्ड वॉटर साइंस इंस्टिट्यूट के अनुसंधानकताओं समेत अन्य वैज्ञानिकों के अनुसार इस तरह रोगियों के मलमूत्र से लिए गए नमूनों से जांच कर वायरस के फैलने की आशंका का पता लगाया जा सकता है। एंवायरमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार जलमल शोधन संयंत्रों में कागज आधारित उपकरणों वाली त्वरित जांच किटों का इस्तेमाल किया जा सकता है। अध्ययन के अनुसार स्थानीय क्षेत्रों में कोविड-19 के स्रोतों का पता लगाने और संभावित रोगियों को चिह्नित करने में इन तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कृत्रिम मेधा उपकरण बताएंगे किन्हें सांस का रोग होगा

न्यूयॉर्क, 31 मार्च (भाषा)।

वैज्ञानिकों ने एक कृत्रिम मेधा उपकरण विकसित किया है जो सही-सही बता सकता है कि कोरोना वायरस से संक्रमित नए मरीजों में से किस को श्वसन संबंधी गंभीर रोग हो सकते हैं।('कंप्यूटर्स, मटैरियल्स ऐंड कंटिनुआ' नाम के जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में रोग की भविष्य में गंभीरता बताने वाले श्रेष्ठ संकेतक बताए गए हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में क्लिनिकल असिस्टेंट प्रोफेसर मेगन कॉफी ने कहा कि यह निश्चित ही ऐसा उपकरण है जो बता पाएगा कि मरीजों में से वायरस के प्रति कौन अधिक संवेदनशील है।

www.readwhere.com

बंद के दौरान कोलकाता की थोक सब्जी मंडी में मंगलवार को सामान ढोता मजदूर।

सूचकांक वित्त वर्ष के अंतिम दिन 1,028 अंक उछला

मुंबई, 31 मार्च (भाषा)।

शेयर बाजारों में 2019-20 के अंतिम दिन मंगलवार को जोरदार तेजी आई और सूचकांक 1,028 अंक से अधिक मजबूत हुआ। लेकिन पूरे वित्त वर्ष को देखा जाए तो इसमें अच्छीखासी गिरावट आई है। कोरोना महामारी के कारण मार्च में ही इसमें रिकार्ड गिरावट दर्ज की गई।

तीस शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार का सूचकांक 1,028.17 अंक की तेजी के साथ 29,468.49 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 316.65 अंक मजबूत होकर 8,597.75 अंक पर बंद हुआ। मार्च में कोराना संक्रमण के कारण भारत और अन्य देशों में सार्वजनिक पाबंदियों से कारोबार पर प्रभाव और वैश्वक मंदी के दस्तक देने के बीच बाजारों में अभूतपूर्व गिरावट दिखी। इसके असर से 2019-20 के दौरान सूचकांक कुल मिला कर 9,204.42 अंक यानी 23.80 फीसद लुढ़का जबकि एनएसई का निफ्टी 3,026.15 अंक यानी 26.03 फीसद नीचे आया।

कोरोना विषाणु संकट के बीच वैश्विक बाजारों के अनुरूप दोनों सूचकांकों में मार्च में एक दिन में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। निवेशक संकट के दौरान जोखिमपूर्ण संपत्ति से बाहर निकलकर सुरक्षित उत्पादों में निवेश को तरजीह दे रहे हैं। सूचकांक के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में आइटीसी रही। कंपनी का शेयर 7.84 फीसद मजबूत हुआ। उसके बाद क्रम से रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और एसबीआइ का स्थान रहा। सूचकांक में शामिल केवल चार कंपनियों- इंडसइंड बैंक (14.68 फीसद), मारुति (1.23 फीसद), बजाज फाइनेंस (1.17 फीसद) और टाइटन (1.13 फीसद) के शेयर नीचे आए।

कारोबारियों के अनुसार दुनिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ निवेशकों की धारणा घरेलू बाजार को लेकर सकारात्मक रही। एशिया के ज्यादातर प्रमुख बाजारों में तेजी रही। चीन में मार्च के दौरान विनिर्माण में सुधार से सकारात्मक असर पड़ा है। चीन प्रशासन ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए लगाए गए नियंत्रण में ढील दी है और कारखानों को खोलने की इजाजत दी है। चीन का विनिर्माण पीएमआइ (परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स) मार्च में 52 पहुंच गया जो फरवरी में 35.7 के रिकार्ड निम्न स्तर पर था।

चीन में शंघाई, हांगकांग, दक्षिण कोरिया के सोल के बाजारों में 2 फीसद तक की तेजी आई। जापान का टोक्यो बाजार नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 3.60 फीसद मजबूत होकर 27.37 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में 11 महीने में सर्वाधिक

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में 5.5 फीसद रही जो 11 महीने का उच्चतम स्तर है। मुख्य रूप से कोयला, रिफाइनरी उत्पादों और बिजली का उत्पादन बढ़ने से बुनियादी उद्योग में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार आठ बुनियादी उद्योगों- कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली में पिछले साल फरवरी महीने में 2.2 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई थी। इससे पहले मार्च 2019 में आठों उद्योग की वृद्धि दर 5.8 फीसद रिकार्ड की गई थी। इस साल जनवरी में इसमें 1.4 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई थी। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) में इन उद्योगों की हिस्सेदारी 40.27 फीसद है। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली में क्रम से 10.3 फीसद, 7.4 फीसद और 11 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और इस्पात क्षेत्र में उत्पादन गिरावट दर्ज की गई। उर्वरक और सीमेंट उत्पादन में क्रम से 2.9 फीसद और 8.6 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल-फरवरी 2019-20 के दौरान आठ बुनियादी उद्योग की वृद्धि दर घटकर एक फीसद पर आ गई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 4.2 फीसद थी।

बीपीसीएल के लिए बोली लगाने की समय सीमा 13 जून तक बढ़ाई सरकार ने

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

सरकार ने मंगलवार को सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने के लिए बोली लगाने की अंतिम तिथि को एक महीने से अधिक यानी 13 जून तक के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने इससे पहले बीपीसीएल में उसकी हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा रखने वालों से दो मई तक अपनी मंशा जाहिर करते हुए रुचि पत्र सौंपने को कहा था।

एक आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि इस समय सीमा को अब 13 जून शाम पांच बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि कोविड-19 से उपजी स्थिति को देखते हुए इसमें रुचि रखने वाले बोलीकर्ताओं के आग्रह पर यह कदम उठाया गया है। इसी प्रकार बीपीसीएल के बारे में लिखित में कुछ भी पूछने की अंतिम तिथि को भी पहले की 4 अप्रैल से आगे बढ़ाकर 16 मई कर दिया गया है।

रुचि पत्र आमंत्रित करने वाले नोटिस में कहा गया है कि भारत सरकार ने बीपीसीएल में अपनी पूरी 114.91 करोड़ रुपए इक्विटी शेयरों की रणनीतिक बिक्री के लिए प्रस्ताव किया है। कंपनी में सरकार की 52.98 फीसद हिस्सेदारी है। इसके साथ ही रणनीतिक निवेशक को कंपनी का प्रबंधन नियंत्रण भी हस्तांतरित किया जाएगा। हालांकि, इसमें नुमालीगढ़ रिफानइरी लिमिटेड में बीपीसीएल की 61.65 फीसद हिस्सेदारी को शामिल नहीं किया गया है। नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड की हिस्सेदारी को सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य तेल व गैस कंपनी को बेचा जाएगा।

बीपीसीएल के लिए बोली लगाने की प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में उन्हें रुचि पत्र सौंपने को कहा जाएगा। इसमें सफल बोलीकर्ताओं को दूसरे चरण में वित्तीय बोली सौंपने को कहा जाएगा। पेशकश दस्तावेज में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इसमें भागीदारी के पात्र नहीं होंगे। इसमें कहा गया है कि 10 अरब डालर की नेटवर्थ रखने वाली कोई भी कंपनी बोली लगाने की पात्र होगी। इसके अलावा यदि समूह है तो उसमें चार कंपनियों से अधिक वाला समूह नहीं होना चाहिए।

तेल व गैस ब्लॉक के लिए बोली की भी समय सीमा बढ़ी

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

सरकार ने कोरोना महामारी के कारण देशव्यापी बंद के बीच 11 तेल और गैस ब्लॉक के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख को आगे बढ़ा दिया है। यह पांचवें दौर की बोली थी। इसके साथ ही सरकार ने फैसला किया है कि अगले दो दौर की बोली को एक साथ मिला दिया जाए।

ओपन एक्रेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत पांचवें दौर की बोली को जनवरी में खोला गया था। पहले इसे 18 मार्च को बंद होना था, हालांकि बोली की समय सीमा को इस महीने की शुरुआत में 16 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया था। अब इसे और बढ़ा दिया गया है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने एक ट्वीट में कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण किए गए बंद के मद्देनजर ओएएलपी के पांचवें दौर की बोली लगाने की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है।

संशोधित तिथि जल्द ही अधिसूचित की जाएगी। सरकार अब तक पिछले दो-ढाई वर्षों में चार दौर की बोलियों के दौरान 94 ब्लॉकों को आबंटित कर चुकी है। ओएएलपी के तहत कंपनियों को उन क्षेत्रों में काम करने की इजाजत दी जाती है, जहां वे तेल और गैस का पता लगाना चाहती हैं। डीजीएच ने कहा कि कोविड-19 के कारण बंद के कारण छठे दौर की ईओआइ प्रक्रिया (31 मार्च, 2020 को समाप्त हो रही) और सातवें दौर की प्रक्रिया (31 जुलाई, 2020 को समाप्त हो रही) को मिला दिया जाएगा।

राजकोषीय घाटा बजट अनुमान के 135.2 फीसद पर पहुंचा

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

सरकार का राजकोषीय घाटा फरवरी के अंत में पूरे साल के लक्ष्य का 135.2 फीसद पहुंच गया है। मुख्य रूप से राजस्व संग्रह धीमी होने से राजकोषीय घाटा बढ़ा है।

मंगलवार को जारी लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के आंकड़े के अनुसार निरपेक्ष रूप से व्यय और राजस्व का अंतर राजकोषीय घाटा 10,36,485 करोड़ रुपए रहा। फरवरी के दौरान कोरोना महामारी का कोई प्रभाव नहीं था। हालांकि जब सीजीए पूरे वित्त वर्ष का आंकड़ा जारी करेगा, इसका प्रभाव साफ दिखाई देगा। सरकार ने 2019-20 में राजकोषीय घाटा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 3.8 फीसद या 7.1 लाख करोड़ रुपए रहने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में राजकोषीय घाटा बजटीय अनुमान का 134.2 फीसद था।

सीजीए के अनुसार सरकार की राजस्व प्राप्ति 2019-20 में 13.77 लाख करोड़ रुपए रही जो संशोधित अनुमान का 74.5 फीसद है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 73.2 फीसद थी। आंकड़ों के अनुसार कुल व्यय संशोधित अनुमान का 91.4 फीसद या 24.65 लाख करोड़ रुपए रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी अवधि में व्यय संशोधित अनुमान का 89.1 फीसद था। कुल खर्च में पूंजी व्यय संशोधित अनुमान 87.5 फीसद रहा जो इससे पूर्व 2018-19 की इसी अवधि में 86.6 फीसद था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में 2020-21 का बजट पेश करते हुए 2019-20 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य पूर्व के 3.3 फीसद से बढ़ाकर 3.8 फीसद कर दिया। राजस्व में कमी को देखते हुए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य बढ़ाया गया।

जी-20 देश चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने पर सहमत

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

दुनिया की 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के संगठन जी-20 देशों के व्यापार और निवेश मंत्री निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने और महत्त्वपूर्ण चिकित्सा सामग्रियों व अन्य जरूरी वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति पर सहमत हुए हैं।

वीडियो कांफ्रेंस के जरिए हुई बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि मंत्रियों ने वाजिब कीमत पर जरूरी चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर सहमति जताई। बयान में कहा गया कि जहां सबसे ज्यादा जरूरत हो, वहां आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। मंत्रियों ने स्वतंत्र व निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने का भी आह्वान किया। बयान में कहा गया- हम व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से महामारी के खिलाफ लड़ रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व निवेश पर इसके प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्पाइसजेट अपने कर्मचारियों के वेतन में करेगा 30 फीसद तक की कटौती

मुंबई, 31 मार्च (भाषा)।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट मार्च में अपने सभी कर्मचारियों के वेतन में 10 से 30 फीसद तक की कटौती करेगी, जबकि कंपनी के चेयरमैन अजय सिंह को मिलने वाली धनराशि में सबसे अधिक 30 फीसद कटौती होगी। एअरलाइन ने मंगलवार को कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में यह बात कही।

ईमेल में कहा गया है कि स्पाइसजेट प्रबंधन ने मार्च में सभी कर्मचारियों के वेतन में 10 से 30 फीसद के बीच कटौती करने का फैसला किया है। हमारे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने 30 फीसद की उच्चतम कटौती का विकल्प चुना है। दूसरी विमानन कंपनियां इंडिगो और गोएअर पहले ही इस तरह के कदम की घोषणा कर चुकी हैं। ईमेल में कहा गया है कि यह बहुत कठिन समय है और असाधारण चुनौतियों से मुकाबले के लिए समुचित व असाधारण उपाए समय की मांग हैं।

स्पाइसजेट ने कहा कि ज्यादातर भारतीय विमानन कंपनियां पहले ही अपने कर्मचारियों के वेतन में कटौती की घोषणा कर चुकी हैं। ईमेल में आगे कहा गया है- दुर्भाग्य से स्पाइसजेट उस स्थिति से निपटने में बहुत अधिक सक्षम नहीं है, जिसने दुनिया भर में विमानन कंपनियों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ईमेल में कहा गया है कि इन मुश्किल हालात में कंपनी कुछ कड़े फैसले लेने के लिए मजबूर है और इससे कठिन समय को पार करने में मदद मिलेगी।

अब फोन पर ही स्वास्थ्य जांच से मिल जाएगी चिकित्सा बीमा पॉलिसी

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

ग्राहकों को ऑनलाइन बीमा उपलब्ध कराने की सुविधा देने वाले मंच पॉलिसी बाजार ने बंद के दौरान संबंधित व्यक्ति की शारीरिक तौर पर जांच कराए बिना केवल फोन पर डाक्टर से बातचीत के आधार पर 'टर्म इंश्योरेंस' और चिकित्सा बीमा उपलब्ध कराने के लिए कुछ बीमा कंपनियों के साथ गठबंधन किया है।

कोई भी ग्राहक अब टर्म इंश्योरेंस या स्वास्थ्य बीमा कवर शारीरिक तौर पर उपस्थित हुए बिना ही ले सकता है। डाक्टर केवल फोन पर ही पूछताछ करेंगे और बीमाकर्ता को स्वास्थ्य जांच के लिए डाक्टर के समक्ष नहीं जाना होगा। आमतौर पर टर्म जीवन बीमा लेने पर बीमाकर्ता की व्यापक रूप से स्वास्थ्य जांच की जाती है। पालिसी बाजार डॉट कॉम की मुख्य व्यावसायिक अधिकारी (जीवन बीमा) संतोष अग्रवाल ने यह जानकारी दी।

माल्या ने बकाया चुकाने की पेशकश पर वित्त मंत्री से विचार को कहा

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

शराब कारोबारी विजय माल्या ने मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से गुजारिश की कि वैश्विक कोरोना महामारी के इस संकटपूर्ण समय में दिवालिया हो चुकी किंगफिशर एअरलाइंस की ओर से उधार ली गई सौ फीसद राशि चुकाने की उनकी पेशकश पर विचार करें।

विजय माल्या की भारत को करीब 9,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में तलाश है। उन्होंने कहा कि बंद के बाद उनकी सभी कंपनियों ने भारत में संचालन और विनिर्माण बंद कर दिया है। माल्या ने एक ट्वीट में कहा कि मैंने केएफए की ओर से बैंकों से उधार ली गई राशि का सौ फीसद भुगतान करने के लिए बार-बार प्रस्ताव दिया है। लेकिन न तो बैंक धनराशि लेने के लिए तैयार हैं और न ही ईडी अपने एटेचमेंट जारी करने के लिए तैयार है, जो उन्होंने बैंकों की तरफ से दायर किए हैं। मुझे उम्मीद है कि वित्त मंत्री संकट के इस समय में मेरी बात सुनेंगी।

शराब कारोबारी ने कहा कि भारत सरकार ने पूरे देश को बंद कर जो किया, वह अकल्पनीय था। हम इसका सम्मान करते हैं। मेरी सभी कंपनियों ने प्रभावी ढंग से संचालन बंद कर दिया है। सभी विनिर्माण भी बंद हैं। माल्या ने सरकारी मदद मांगी और कहा कि हम कर्मचारियों को घर नहीं भेज रहे हैं और व्यर्थ लागत का भुगतान कर रहे हैं। सरकार को मदद करनी होगी। उन्होंने लोगों से घर में रहने और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की और कहा कि वह भी ऐसा ही कर रहे हैं।

प्रपत्र-'जी'

अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण

दिवाला और शोधन अक्षमता (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए (1) के अधीन

प्रासंगिक विवरण

1.	कार्पोरेट देनदार का नाम	यूटीएम पैकेजिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
2.	कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	27/12/2013
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित / पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (ROC) - दिल्ली एंड हरियाणा, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, कंपनी अधिनियम 1956 के तहत पंजीकृत
4.	कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या / सीमित दायित्व पहचान संख्या	U74140DL2013PTC262838
5.	कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	पंजीकृत कार्यालय: 532/2, पहली मंजिल लाहौरी गेट, नया बाजार, मध्य दिल्ली, दिल्ली - 110006
6.	कार्पोरेट देनदार की ऋण शोध अक्षमता आरम्भ की तिथि	28 अगस्त 2019 (एनसीएलटी, नई दिल्ली पीठ-VI के आदेशानुसार 28 अगस्त 2019 को सी.पी. (आईबी) नंबर (आईबी) -271 (एनडी/आई)/2019)
7.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति के आमंत्रण की तिथि	01/04/2020
8.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के अधीन समाधान आवेदकों की पात्रता	विवरण rajandgupta@gmail.com पर ईमेल करके मांगा जा सकता है।
9.	धारा 29क के अधीन लागू अपात्रता के मानदंड	धारा 29ए, दिवाला और ऋण शोध अक्षमता कोड, 2016 / आईबीसी के अन्य प्रावधानों के अनुसार भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड की वेबसाइट http://ibbi.gov.in/webfront/legal_framework.php पर उपलब्ध है।
10.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	17/04/2020
11	संभावित समाधान आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	27/04/2020
12.	अंतिम सूची के बारे में आपत्तियां प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	02/05/2020
13.	संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	12/05/2020
14.	संभावित समाधान आवेदकों को सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा समाधान योजना हेतु अनुरोध जारी करने की तिथि	02/05/2020
15.	समाधान योजना, मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना ज्ञापन तथा अतिरिक्त सूचना हेतु अनुरोध प्राप्त करने की विधि	सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स और संकल्प योजना के लिए अनुरोध समाधान प्रोफेशनल द्वारा धारा 25 और IBC की धारा 29A के अनुसार पात्रता मानदंड को पूरा करने वाले शॉर्टलिस्ट संभावित समाधान आवेदकों को IBC की धारा 29(2) के अनुसार एक गोपनीयता वचन प्राप्त करने के उपरांत साझा किया जाएगा।
16.	समाधान योजना प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	01/06/2020
17.	समाधान प्रोफेशनल को समाधान योजना सौंपने की विधि	एक सीलबंद कवर स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप में राजन दास गुप्ता, एन -103 एलजीएफ, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली-110048 को भेजें (एक प्रति ईमेल आईडी - rajandgupta@gmail.com पर भी भेजें)
18.	निर्णायक प्राधिकारी के अनुमोदन हेतु समाधान योजना प्रस्तुत करने हेतु अनुमानित तिथि	23/06/2020
19.	समाधान प्रोफेशनल का नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर	राजन दास गुप्ता पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-01/IP-P01094/2017-18/11804
20.	समाधान प्रोफेशनल का नाम, पता और ई-मेल, जैसाकि बोर्ड में पंजीबद्ध है	नाम : राजन दास गुप्ता पता : एन-103 एलजीएफ, ग्रेटर कैलाश - I, नई दिल्ली- 110048 ईमेल: rajandgupta@gmail.com
21.	पता और ई-मेल, जो समाधान प्रोफेशनल के साथ पत्राचार के लिए प्रयुक्त किया जाना है	ऊपर की तरह
22.	अतिरिक्त विवरण पर अथवा के पास उपलब्ध है	राजन दास गुप्ता (रिजोल्यूशन प्रोफेशनल्स) मोबाईल : +91-9810404086 ईमेल : rajandgupta@gmail.com
23.	प्रपत्र 'जी' के प्रकाशन की तिथि	01/04/2020

हस्ता/- राजन दास गुप्ता
यूटीएम पैकेजिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के लिए समाधान प्रोफेशनल
पंजीकरण संख्या : IBBI/IPA-01/IP-P01094/2017-18/11804
पता : एन -103 एलजीएफ, ग्रेटर कैलाश - I, नई दिल्ली - 110048

तिथि : 01.04.2020
स्थान : नई दिल्ली

गुमशुदा की तलाश

फरहा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला जिसका नाम : **फरहा** पत्नी : **महफूज अली**, निवासी : **मकान नं. ए-202, गली नं. 12, गड्डे वाली मस्जिद के नजदीक, चौहान बांगड़, दिल्ली**, उम्र : **29 साल**, लम्बाई : **4'10''**, रंग : **गोरा**, चेहरा : **लम्बा**, शरीर : **पतला**, पहनावा : **हरे रंग का सूट-सलवार और काले रंग का बुर्का पहना है**, जो **24.02.2020** से अपने लड़के नाम : **उसमान**, उम्र : **3 साल** के साथ अपने घर से गुमशुदा /अपहृत है। इस सन्दर्भ में **डीडी संख्या 26-A दिनांक 24.02.2020** को पुलिस थाना, सीलमपुर, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। स्थानीय पुलिस द्वारा गंभीरता से इस गुमशुदा/अपहृत महिला को तलाश करने की कोशिश की गई लेकिन अभी तक कुछ पता नही चल पाया है। अगर किसी को इस गुमशुदा /अपहृत महिला के बारे में कोई जानकारी मिले तो निम्नलिखित को सुचित करें।

वेबसाइट: http://cbi.nic.in, मेल आईडी cic@cbi.gov.in,
फोन नं : 011-24368638, 24368641, फैक्स : 011-24368639

थानाध्यक्ष
थाना सीलमपुर, दिल्ली
फोन नं. 011-22562035, 8750870721

DP/25/NE/2020.

RELIABLE DATA SERVICES LIMITED
(CIN: L72900DL2001PLC110145)
Registered Office: GF-22, Hans Bhawan, 1, Bahadur Shah Zafar Marg, ITO, New Delhi 110002, India Email: cs@rdspl.com, Website:- www.rdspl.com Tel. No. 0120-4089166

RESULTS OF POSTAL BALLOT

The Members of Reliable Data Services Limited is hereby inform that the result of voting conducted through Postal Ballot (including E-voting) on the basis of the report dated March 29, 2020, submitted by the scrutinizer Mrs. Neha Mehra, Practicing Company Secretary, in respect of resolution mentioned in the Postal Ballot notice dated February 21, 2020 under section 110 of the Companies Act, 2013 ("the Act") read with the Companies (Management and Administration) Rules 2014, are as under:

Item No.	Particulars	Type of Resolution	Total No. of Valid Votes	Total votes cast in favour		Total votes cast against	
				No. of Shares	% of votes cast	No. of Shares	% of votes cast
1.	Migration from SME Platform of NSE EMERGE to Main Board of NSE	Special Resolution	22	7845200	76.02	0.00	0.00

As per the result of the Postal Ballot (including e-voting), the resolution have been passed with the requisite majority. The result of the Postal Ballot has been displayed at the Registered Office of the Company, communicated to the stock exchange and has also been posted on the website of the Company i.e. www.rdspl.com along with scrutinizer's report.

By order of the Board of Directors
For Reliable Data Services Limited
Sd/-
Sanjay Kumar Pathak
Managing Director
DIN -00912040

Place – New Delhi
Date – March 29, 2020

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

शाखा कार्यालय : आईबीबी, डीसीएम, बिल्डिंग, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001

सन्दर्भ : **PNB/IBB/LOANS/HAIL/WD/2019** दिनांक : 01.10.2019

ऋणकर्ता/जमानती(यों)/गैर-समूह कॉरपोरेट जमानती(यों)/समूह कॉरपोरेट जमानती(यों) हेतु कारण बताओ सूचना

मैसर्स अल-मशरिक एक्सपोर्ट्स प्रा.लि.
पता : ए-1, फेज-1, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020
मैसर्स इंटीग्रेटेड लाइवस्टॉक विलेज फार्म (प्रा.) लि.
पता : ए-1, फेज-1, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020
मैसर्स हिन्द इण्डस्ट्रीज लि.
पता : सीडीएफ कॉम्पलेक्स, अनूपशहर रोड, अलीगढ़, उ.प्र.-202122

प्रिय श्रीमान,

सन्दर्भ : ''इरादतन'' मैसर्स हिन्द एग्रो इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का बैंक के साथ ऋण खाते में बकाये की पहचान के परिणामस्वरूप आपके नाम का ''इरादतन चूककर्ता'' के रूप में अभिचिह्नांकन।

कृपया दिनांक 23.05.2018 की हमारी सूचना का सन्दर्भ लें जिसमें हमने ऋण खाते में इरादतन चूक की घटना(ओं) को इंगित किया था। आपने कथित सर्व की गयी सूचना का कोई उत्तर नहीं दिया और यह माना गया कि आपको अपने बचाव में कुछ कहना नहीं है।

इस मामले के तथ्य इरादतन चूककर्ता समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये थे जिसने इस मामले पर गहन विचार-विमर्श, रिकार्ड के साक्ष्यों और आपके प्रतिनिधान के पश्चात पाया कि ये आपके द्वारा इरादतन चूक की घटना(एँ) हैं।

तदनुसार बैंक द्वारा स्थापित ''जानबूझकर चूककर्ताओं की समिति'' ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कारणों से आप (जमानती) को ''इरादतन'' के रूप में तथा निदेशकों/साझेदारों आदि को ''इरादतन चूककर्ता'' के रूप में वर्गीकृत करने के लिए चूक की पहचान की है :

(अ) भुगतान करने की क्षमता होने के बावजूद समय पर बकायों के पुनर्भुगतान में चूक की है।
(ब) बैंक को सूचित किये बिना परिसंघ से बाहर खाते खोलकर बैंक के धन को साइफन ऑफ किया।
(स) प्राथमिक प्रतिभूति तथा स्टॉक और बुक डैट का निस्तारण या समापन किया।

यदि आप ''जानबूझकर चूककर्ताओं की समिति'' के निर्णय से असन्तुष्ट हैं तो आप यदि आप चाहते हैं तो एक प्रस्तुति/प्रतिनिधान ''जानबूझकर चूककर्ताओं की समिति'' के पास कर सकते हैं और कारण बताइये कि आपको ''जानबूझकर चूककर्ता'' के रूप में क्यों न वर्गीकृत किया जाये। आपका प्रतिनिधान इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर और अधिकतम 21 अक्टूबर, 2019 तक हमारे पास पहुँच जाना चाहिए और उत्तर यहाँ ऊपर लिखित शाखा के शाखा प्रबन्धक के पास या उपमहाप्रबन्धक, सस्त्र डिवीजन, तीसरी मंजिल, पंजाब नैशनल बैंक, मुख्य कार्यालय, प्लॉट नं. 4, सेक्टर-10 द्वारका, नई दिल्ली-110075 के पास भेजने हैं। यदि हमें आपकी कोई प्रस्तुति/प्रतिनिधान नहीं प्राप्त होता है तो यह माना जायेगा कि आपको अपने बचाव में (''इरादतन चूककर्ताओं की समिति'' के निर्णय के विरुद्ध) कुछ कहने के लिए नहीं है और बैंक आपके नाम अथवा आपकी कम्पनी/फर्म/इकाई तथा आपके निदेशक/कों/साझेदार/रों/प्रोपराइटर के नाम(मों) को आरबीआई/सिबिल/अन्य साख सूचना कम्पनियों को ऐसे माध्यम से जैसा बैंक अपने निरपेक्ष विशेषाधिकार से उचित समझे, ''इरादतन चूककर्ता'' के रूप में प्रकाशित करेगा। पुनः अन्य बातों के साथ-साथ इसका परिणाम निम्नलिखित भी होगा :

धन्यवाद
आपका विश्वासपात्र
कृते पंजाब नैशनल बैंक
शाखा प्रबन्धक

खेती के लिए छोटे कर्ज पर ब्याज सहायता 31 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

कोविद-19 विषाणु के प्रसार को थामने के लिए देशव्यापी रोक के बीच किसानों को खेती के लिए सात फीसद की रियायती दर पर तीन लाख रुपए तक के अल्पावधिक फसल ऋण की सुविधा जारी रहेगी। सरकार ने ऐसे कर्जों पर अपनी ओर से ब्याज सहायता 31 मई तक जारी रखने का फैसाला किया है। इसके कारण समय से कर्ज चुकाने वालों को यह कर्ज चार फीसद ब्याज पर पड़ता है।

कृषि मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैंकों द्वारा दिए गए 3 लाख रुपए तक के खेती के ऐस ऋणों पर ब्याज सबसिडी की समय सीमा बढ़ा दी गई है जिसने भुगतान समय 1 मार्च से 31 मई के बीच पड़ रहा है। इसमें कहा गया है कि बंद के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के कारण यह फैसला आया है क्योंकि कई किसान अपने ऋण के भुगतान के लिए बैंकों में नहीं जा पा रहे हैं। इसके अलावा समय पर बिक्री और अपनी उपज के भुगतान की प्राप्ति में कठिनाइयों के कारण किसानों को उन ऋणों के इस अवधि के दौरान पुनर्भुगतान में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम के तहत हर किसान को 3,00,000 रुपए तक के अल्पकालिक फसली ऋण के लिए दो फीसद सालाना ब्याज सहायता दी जाती है, बशर्ते कि ऋण देने वाली संस्थाएं जमीनी स्तर पर किसानों को सात फीसद पर अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराए। समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों के लिए एक फीसद सालाना की अतिरिक्त ब्याज सहायता दी जाती है, इस प्रकार समय पर पुनर्भुगतान के लिए चार फीसद सालाना की ब्याज दर पर ऋण दिया जाता है।

www.readwhere.com

इंदौर में कोरोना संक्रमण से महिला ने दम तोड़ा

इंदौर, 31 मार्च (भाषा)।

मध्यप्रदेश के इंदौर में 49 वर्षीय महिला के सोमवार रात दम तोड़ने के बाद राज्य में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की मौत की संख्या बढ़ कर पांच पर पहुंच गई है। इनमें से तीन अकेले इंदौर शहर के निवासी थे जिनमें से दो की मौत पिछले 24 घंटे में हुई।

उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थी

शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि चंदन नगर क्षेत्र में रहने वाली 49 वर्षीय महिला ने मनोरमा राजे टीबी (एमआरटीबी) चिकित्सालय में आखिरी सांस ली।

अधिकारी ने बताया कि 23 मार्च को कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई महिला उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पहले ही पीड़ित थी। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ने वाली महिला ने पिछले दिनों कोई यात्रा नहीं की थी।

इंदौर में सन्नाटे के बीच फैल रहा है कोरोना

बीते एक सप्ताह में इस महामारी के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 44 हुई

इंदौर (मध्य प्रदेश), 31 मार्च (भाषा)।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में इस महामारी के स्थानीय स्तर पर तेजी से फैलने से सरकारी तंत्र की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अधिकारियों के मुताबिक सूबे के इस सबसे बड़े शहर में पिछले सात दिन में इस महामारी के पुष्ट मामलों की तादाद बढ़कर 44 हो गई है जिनमें से तीन लोग इलाज के दौरान दम तोड़ चुके हैं। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से हमेशा गुलजार रहने वाले इस उत्सवधर्मी शहर में हफ्ते भर से लागू कर्फ्यू के कारण मंडी-बाजार सूने हैं और गली-मोहल्लों में चुप्पियां छाई हैं। हैरत की बात यह है कि इसके बावजूद शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जड़िया ने मंगलवार को कहा, 'इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को सामुदायिक प्रसार की अटकलों से जोड़ना उचित नहीं होगा। अभी इस बीमारी का शहर के कुछेक परिवारों में स्थानीय प्रसार ही हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हमें संदेह है कि विदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद भारत लौटा कोई व्यक्ति किसी समारोह में इंदौर के कुछ लोगों के संपर्क में आया था। इससे यह बीमारी शहर में पहुंच गई।' जड़िया ने बताया कि मंगलवार को 17 नए मामले सामने आने के बाद शहर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की तादाद बढ़कर 44 पर पहुंच गई है। इनमें शामिल 49 वर्षीय महिला, 41 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय पुरुष की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

उन्होंने बताया, 'इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण के जो 17 नए मरीज मिले हैं, इनमें से ज्यादातर व्यक्ति उन्हीं लोगों के परिजन हैं जो इस महामारी की जद में आकर पहले से स्थानीय अस्पतालों में भर्ती हैं।' अधिकारियों ने बताया कि शहर के रानीपुरा, चंदन नगर और खजराना सरीखे घनी आबादी वाले इलाके कोरोना वायरस संक्रमण के फैलने के लिहाज से सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं। इन इलाकों में प्रशासन इस महामारी से बचाव की विशेष मुहिम चला रहा है। इन इलाकों में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के मिलने के बाद वहां के कई रहवासियों को इस महामारी के संदेह में अस्पतालों के पृथक वॉर्डों में रखा गया है।

जानकारों का कहना है कि सामाजिक दूरी बनाने को लेकर सरकार की ओर से लगातार जारी की जा रही हिदायतों की कई शहरवासियों द्वारा अनदेखी से भी स्थानीय स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा बढ़ा है। शहर के कई स्थानों पर अनियंत्रित जमावड़ों के दृश्य सामने आने के बाद प्रशासन ने कर्फ्यू सख्त कर दिया है और लोगों को दूध लेने के लिए भी घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं है।

शहर में कोरोना वायरस के खतरे की आहट 31 जनवरी को पहली बार सुनाई दी, जब चीन से लौटे 21 वर्षीय छात्र और 22 वर्षीय छात्रा को इस महामारी के संदेह में 31 जनवरी को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, दोनों विद्यार्थी जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाए गए थे। इसके बाद भी अलग-अलग देशों की यात्रा से इंदौर लौटे कई लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण की जांच रिपोर्ट निगेटिव आती रही।

इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती पांच मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि 25 मार्च को की गई थी। इसके ठीक बाद प्रशासन ने शहरी सीमा में लॉकडाउन की जगह कर्फ्यू लागू कर दिया था।

कोरोना : मप्र में 18 नए मामले कुल 65 संक्रमित

भोपाल, 31 मार्च (भाषा)।

इंदौर और भोपाल के 18 और लोगों में मंगलवार को कोरोना संक्रमण की पुष्टि होने के साथ ही मध्य प्रदेश में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर 65 हो गई। वहीं राज्य में कोरोना वायरस से पांच लोगों की मौत हो गई है। इंदौर में मंगलवार को 17 नए मामले जबकि भोपाल में एक और संक्रमित मिला है।

मध्यप्रदेश स्वास्थ्य सेवा प्रचार-प्रसार की निदेशक सपना लोवंशी ने बताया कि मध्य प्रदेश में कुल 65 लोग संक्रमण की जद में आए हैं। इनमें इंदौर के 44 लोग शामिल हैं। जबलपुर के आठ, उज्जैन के पांच, भोपाल के चार और शिवपुरी एवं ग्वालियर के दो-दो लोगों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसी बीच, भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि भोपाल में आज जिस 25 वर्षीय व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है वह लंदन से आया था। इंदौर में उसे पृथक किया था वह भाग कर भोपाल आ गया था।

एक जनजागरण अभियान के तहत बंगलुरु में सोमवार को दो पुलिस कर्मी कोरोना की थीम पर हेलमेट पहने नजर आए।

कोरोना संदिग्ध मामले की सूचना देने के संदेह में हत्या!

छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पटना, 31 मार्च (भाषा)। बिहार के सीतामढ़ी जिला में कोरोना वायरस से संक्रमण के संदिग्ध मामले की कथित तौर पर सूचना देने के कारण एक व्यक्ति की हत्या करने का मामला सामने आया है।

सीतामढ़ी जिले के रून्नीसैदपुर थाना क्षेत्र के मधौल गांव निवासी बब्लू कुमार (36) की 29 मार्च की शाम हत्या कर दी गई। इस संबंध में बब्लू के भाई गुडडू सिंह द्वारा 30 मार्च को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि बब्लू ने हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर किसी व्यक्ति के कोरोना वायरस से संक्रमित होने का संदेह जाहिर किया था, इसी कारण उसकी हत्या की गई है।

पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बब्लू इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती था, वहीं पर उसके भाई ने बयान दिया कि कुछ लोगों ने उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने इस संबंध में छह लोगों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है।

> बब्लू की स्थानीय युवकों के साथ 29 मार्च की शाम को हाथापाई हुई थी, उसी दौरान बुरी तरह पिटाई किए जाने से उसकी मौत हो गई थी।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला पुरानी रंजिश का है और इसका कोरोना वायरस से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि कॉल रिकॉर्ड देखने पर पता चला है कि बब्लू ने ना तो स्थानीय प्रशासन और ना ही नियंत्रण कक्ष से कोई संपर्क किया था।

उन्होंने बताया कि बब्लू की स्थानीय युवकों के साथ 29 मार्च की शाम को हाथापाई हुई थी, उसी दौरान बुरी तरह पिटाई किए जाने से उसकी मौत हो गई थी। जांच के क्रम में अभी तक यह बात सामने आई आई है कि रून्नीसैदपुर की जिला परिषद सदस्य के पति ओमप्रकाश भारती द्वारा दी गई सूचना के आलोक में उक्त गांव में 27 मार्च को मेडिकल टीम गई थी।

टीम ने उस दिन मुंबई से लौटे एक व्यक्ति मुन्ना महतो की जांच की थी। इस मामले में नामजद अभियुक्त और दो सगे भाईयों मुन्ना महतो और सुधीर महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुल्तानपुर से रुड़की आए आठ लोगों की चिकित्सीय जांच

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून 31 मार्च।

हरिद्वार पुलिस ने रुड़की के मंगलौर में लखनऊ के सुल्तानपुर क्षेत्र से आए आठ लोगों को पुलिस ने मंगलवार को चिकित्सा जांच के लिए भेज दिया। इन लोगों को 14 दिन तक पृथक रखा जाएगा। मेडिकल टीम इनकी जांच करेगी। ये लोग उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से मरकज जमात से लौटे थे। ये फरवरी में निजामुद्दीन में रहे थे। उत्तराखंड पुलिस उन सब जमात वालों की तलाश कर रही है जो उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और यह पता लगा रही है। कि यह लोग उत्तराखंड में किस-किस जगह गए इसका पता लगाया जा रहा है। खुफिया एजंसियों ने भी अपने स्तर से तलाश जारी रखी हुई है, उधर पुलिस की बड़ी लापरवाही यह मानी जा रही है कि जब हरिद्वार जिले की नारसन सीमा पूरी तरह से बंद है तो उत्तर प्रदेश से नारसन सीमा पार करते हुए ये कस्बे में कैसे पहुंच गए।

वहीं दूसरी ओर हरिद्वार में एक युवती की मौत के बाद उसके परिजनों सहित कई लोगों को पृथक किया गया है। हरिद्वार के ज्वालापुर में एक किशोरी की बुखार के चलते मौत हो जाने और उसकी अंतिम यात्रा में कई लोगों के शामिल होने के बाद प्रशासन की नींद टूटी। बीती देर शाम मृतका के परिजनों सहित शहर के करीब 15 लोगों को घर पर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

कोरोना संक्रमण : 21 हजार राहत शिविर, 6.6 लाख लोगों को शरण

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 31 मार्च।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश में चल रहे 21 हजार से अधिक राहत शिविरों में 6.6 लाख से अधिक निराश्रित लोग और कोरोना वायरस के कारण फंसे लोग शरण लिए हुए हैं।

मंत्रालय में संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कोरोना वायरस और पूर्ण बंदी को लेकर बताया कि इन शिविरों और अन्य स्थानों पर 23 लाख से अधिक लोगों को भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय देश में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के समन्वय से देश में पूर्ण बंदी को लागू कराने पर लगातार नजर रख रहा है और अब तक स्थिति संतोषजनक है।उन्होंने कहा, 'राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के द्वारा केंद्रीय गृह मंत्रालय को उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार लगभग 21,064 राहत शिविर बनाए गए हैं और इनमें 6.66 लाख से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं। 23 लाख से अधिक लोगों को भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

अधिकारी ने कहा, 'ये सुविधा गरीब, बेसहारा लोगों, फंसे हुए प्रवासी श्रमिकों के लिए हैं, जिन्हें केवल भोजन की जरूरत है। यह सुविधा उन लोगों के लिए भी है जो अपने स्थान पर पहुंच चुके हैं, लेकिन मानकों के अनुसार उन्हें पृथक किया गया है।' उन्होंने कहा, 'प्रवासी श्रमिकों की स्थिति भी नियंत्रण में है।' उन्होंने कहा कि देशभर में जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति की व्यवस्था भी संतोषजनक ढंग से चल रही है। क्या सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित किए गए पूर्ण बंदी को कड़ाई से लागू कराने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की योजना है?

वीजा नियम तोड़ने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 31 मार्च।

सरकार ने मंगलवार को कहा कि जिन लोगों ने हाल ही में वीजा नियमों का उल्लंघन किया और भारत की यात्रा की, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें काली सूची में भी डाला जा सकता है। उसने यह भी कहा कि जो लोग कोविड के संबंध में अफवाहें फैला रहे हैं, उनके विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा, 'हाल ही में भारत यात्रा के दौरान जिन लोगों ने वीजा नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया, उन्हें काली सूची में डाली जाएगा।'

परिवर्तित रेल डिब्बों से मिलेगी 3.2 लाख पृथक बिस्तरों की सुविधा

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

रेलवे ने कोरोना वायरस रोगियों के लिए पृथक वार्डों में परिर्वितत किए गए 20,000 डिब्बे मुहैया कराने की अपनी योजना को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को कहा कि इन डिब्बों में 3.2 लाख संभावित बिस्तर समायोजित हो सकते हैं।

रेलवे ने साथ ही 16 जोन के लिए लक्ष्य निर्धारित किए हैं। तेलंगाना के सिकंदराबाद में मुख्यालय वाला दक्षिण मध्य रेलवे 486 कोच की जिम्मेदारी संभालेगा जिन्हें रूपांतरण के लिए आबंटित किया जा रहा है। इसके बाद मुंबई मुख्यालय वाले मध्य रेलवे को 482 कोच आबंटित किए गए हैं। रेलवे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, 'ये परिवर्तित 20,000 डिब्बे पृथक जरूरतों के लिए 3.2 लाख संभावित बिस्तरों को समायोजित कर सकते हैं। 5,000 डिब्बों के रूपांतरण पर काम शुरू हो चुका है जिन्हें प्रारंभिक रूप से पृथक डिब्बे के तौर पर परिवर्तित किया जाना है।' रेलवे ने बयान में कहा, 'इन 5,000 डिब्बों में 80,000 बिस्तरों की क्षमता होगी। एक डिब्बे में पृथक रखने के लिए 16 बेड होने की उम्मीद है।'

राष्ट्रव्यापी बंदी के दौरान कोच्चि की दो महिलाएं मंगलवार को सड़क पर भटकने वाले कुत्तों को खाना खिलाते हुए।

प्रधानमंत्री ने योगासन का वीडियो साझा किया

कहा, इससे तनाव घटाने में मिलती है मदद

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)

कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के उद्देश्य से किए गए लॉकडाउन के दौरान लोगों को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को योगासन का एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह शरीर को स्वस्थ और मन को प्रसन्न रखता है ।

मोदी ने 'योग निद्रा' का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, 'जब भी समय मिलता है, मैं हफ्ते में 1-2 बार योग निद्रा का अभ्यास अवश्य करता हूं।' उन्होंने कहा, 'इससे शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है, साथ ही यह तनाव और चिंता को कम भी करता है।' प्रधानमंत्री ने कहा ' इंटरनेट पर आपको योग निद्रा के कई वीडियो मिलेंगे। अंग्रेजी और हिन्दी में 1-1 वीडियो साझा कर रहा हूं।' गौरतलब है कि रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान एक श्रोता ने प्रधानमंत्री से पूछा था कि वे देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान क्या कर रहे हैं और अपनी फिटनेस का कैसे ख्याल रखते हैं? इस दौरान प्रधानमंत्री ने योग का जिक्र करते हुए कहा था कि वे न तो फिटनेस विशेषज्ञ हैं और न ही चिकित्सा विशेषज्ञ हैं, लेकिन योग का अभ्यास कई वर्षों से उनके जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है।

उन्होंने कहा था 'कुछ योग आसनों से मुझे बहुत फायदा हुआ। संभव है कि लॉकडाउन के दौरान इनसे आपको भी कुछ मदद मिल जाए।'

बिना सुरक्षा किट के ड्यूटी करने से डॉक्टरों का इनकार

बिहार में कोरोना संक्रमण के पॉजीटिव मामले बढ़ कर 15 हुए

भागलपुर 31 मार्च जनसत्ता)।

एक तरफ कोरोना संक्रमण के पॉजीटिव मामले बिहार में बढ़ कर 15 हो गए हैं। इनमें एक की मौत हो चुकी है। वहीं जवाहरलाल नेहरू भागलपुर मेडिकल कालेज अस्पताल के पृथक वार्ड में 22 मरीज भर्ती हैं। जिनमें छह पॉजीटिव हैं। फिर भी डाक्टरों को एन-75 मास्क और सुरक्षा किट पीपीई अबतक मुहैया नहीं कराई गई है। जूनियर डाक्टरों ने सुरक्षा किट के बगैर ड्यूटी करने से इनकार कर दिया है। अधीक्षक को सोमवार को लिखित तौर पर दिए आवेदन में इन लोगों ने लिखा है कि जान जोखिम में डाल कर हम ड्यूटी नहीं कर सकते। सुरक्षा किट का इंतजाम हो जाने पर हम ड्यूटी करने तैयार है।

अधीक्षक को दिए आवेदन पर दो दर्जन से ज्यादा डाक्टरों के दस्तखत है। हस्ताक्षर करने वालों में वे भी है जिनका ड्यूटी रोस्टर एक अप्रैल से सात अप्रैल तक का अधीक्षक ने निकाला है और इन्हें ड्यूटी करने को कहा है। ऐसा आदेश इससे पहले पत्रांक 1335 दिनांक 24 मार्च 2020 को भी अधीक्षक निकाल चुके है। जूनियर डॉक्टर पेसोपेश में है। उन्हें दो टूक कह दिया गया कि एन-95 मास्क और पीपीई ग्लब्स नहीं दिए जाएंगे। और इसके पहने बगैर ओपीडी और इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी करनी पड़ेगी।

जान बचाएं या नौकरी?

कोरोना संक्रमण के बाद जेएलएन भागलपुर मेडिकल कालेज अस्पताल के करीब एक सौ जूनियर डाक्टरों ने नियम के तहत रोगियों के इलाज के दौरान सुरक्षा कवच किट की लिखित मांग अधीक्षक से की थी। आवेदन पर सभी के दस्तखत है। जिसे अधीक्षक ने ठुकरा दिया है। और नया ड्यूटी रोस्टर भी बन कर तैयार है। इससे सभी जूनियर डॉक्टर संशय में है कि जान बचाएं या नौकरी।

डाक्टरों ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के नियमों को दिखाते हुए आदेश को मनमानी करार दिया है। नियम में साफ लिखा है कि केवल डॉक्टरों के लिए ही नहीं जो कर्मचारी ओपीडी सेवा में कार्यरत है, उनके लिए भी एन-95 मास्क और ग्लब्स पहनना अनिवार्य है। साथ ही इमरजेंसी वार्ड में कार्यरत डॉक्टर व कमर्चारियों के लिए संपूर्ण पीपीई का उपयोग करना नितांत जरूरी है। कोरोना संक्रमण के बाद जेएलएन भागलपुर मेडिकल कालेज अस्पताल के करीब एक सौ जूनियर डाक्टरों ने नियम के तहत रोगियों के इलाज के दौरान सुरक्षा कवच किट की लिखित मांग अधीक्षक से की थी। आवेदन पर सभी के दस्तखत है। जिसे अधीक्षक ने ठुकरा दिया है। और नया ड्यूटी रोस्टर भी बन कर तैयार है। इससे सभी जूनियर डॉक्टर संशय में है कि जान बचाए या नौकरी।

सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि अब राज्य के दूर-दराज के लोगों का सैंपल उनके ही जिले में ही संग्रहित कर जांच सेंटर तक भेजा जाएगा। उन्हें मेडिकल कालेज अस्पताल लाने की जरूरत नहीं है। राज्यवासियों की परेशानियों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिले के सदर अस्पतालों में जांच के वास्ते नमूने लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही उन्होने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में आइसोलेशन बेड की संख्या 20 से बढ़ा कर 120 कर दी गई है ताकि आम लोगों को सुविधा मिल सके। वहीं अभी तक राज्य में कुल 977 नमूनों की जांच हुई है। जिसमें 962 निगेटिव और 15 नमूने पॉजिटिव पाए गए।

www.readwhere.com

आइपीएल नहीं तो वेतन नहीं

रद्द होने पर खिलाड़ियों, बोर्ड और आयोजकों को लग सकता है झटका

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

कोरोना विषाणु के चलते आइपीएल के रद्द होने पर खिलाड़ियों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ सकता है। अगर आइपीएल इस साल नहीं होता है तो उम्मीद है कि खिलाड़ियों को कोई भुगतान नहीं किया जाए। इसके साथ ही इससे बोर्ड, फ्रेंचाइजी व आयोजक को भी काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कोई खेल नहीं तो कोई वेतन नहीं। इस साल आइपीएल में करार करने वाले खिलाड़ियों के साथ भी ऐसा हो सकता है क्योंकि अभी इसे स्थगित कर दिया गया है और तब तक इसके आगे आयोजित होने की संभावना नहीं है, जब तक बीसीसीआइ साल के अंत में इसकी वैकल्पिक विंडो तैयार नहीं कर लेता।

आइपीएल फ्रेंचाइजी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एजंसी से कहा, आइपीएल भुगतान का तरीका ऐसा है कि टूर्नामेंट शुरू होने से एक हफ्ते पहले 15 फीसद राशि दे दी जाती है। टूर्नामेंट के दौरान 65 फीसद दी जाती है। बची हुई 20 फीसद टूर्नामेंट खत्म होने के बाद निर्धारित समय के अंदर दी जाती है। उन्होंने कहा, बीसीसीआइ के विशेष दिशानिर्देश हैं। निश्चित रूप से किसी भी खिलाड़ी को अभी कुछ नहीं दिया गया है।

बीसीसीआइ खिलाड़ी संस्था-भारतीय क्रिकेटर्स संघ के अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि आइपीएल के एक सत्र के नहीं होने का आर्थिक प्रभाव काफी बड़ा होगा। उन्हें लगता है कि कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए चल रहे पूर्णबंदी के चलते अगर नुकसान हजारों करोड़ों में होता है तो घरेलू खिलाड़ियों तक को भी कटौती सहनी पड़ेगी। इस समय बीसीसीआइ एक वैकल्पिक विंडो तलाश रहा है क्योंकि मई में आइपीएल

कोरोना के कारण आइपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित किया गया है

करीब 3000 करोड़ रुपए के नुकसान होने का अनुमान

कराने का मौका बहुत कम है लेकिन अभी तक कुछ तय नहीं हुआ है। देश में इस समय 21 दिन का पूर्णबंदी है जो 14 अप्रैल को खत्म होगा जबकि आइपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित किया गया है। कोरोना विषाणु महामारी से काफी आर्थिक उथल पुथल हुई है जिससे इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने स्वीकार किया कि उनके वेतन में कटौती हो सकती है।

एक अन्य फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि महामारी के लिए खिलाड़ियों के वेतन का बीमा नहीं किया जाता। उन्होंने पूछा, हमें बीमा कंपनी से कोई राशि नहीं मिलेगी क्योंकि महामारी बीमा की शर्तों में शामिल नहीं है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी की वेतन देने की राशि 75 से 85 करोड़ रुपए है। अगर खेल ही नहीं होता तो हम भुगतान कैसे कर सकते हैं। आइपीएल के 10वें चरण तक फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे इस अधिकारी ने कहा, इंग्लिश प्रीमियर लीग, ला लिगा से लेकर बुंदेसलीगा तक खिलाड़ी कटौती सह रहे हैं। साथ ही यह भी पता नहीं कि चीजें कब सामान्य होंगी। दोनों ने कहा कि बीसीसीआइ को देखने की जरूरत है कि क्या किया जा सकता है, हालांकि वे समझते हैं कि उसे करीब 3000 करोड़ रुपए के करीब का नुकसान होगा। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि धोनी और कोहली ही प्रभावित होंगे। निश्चित रूप से उन्हें भी नुकसान होगा लेकिन पहली बार खेलने वालों के लिए 20, 40 या 60 लाख रुपए जिंदगी बदलने वाली राशि है। उम्मीद करते हैं बीसीसीआइ के पास कोई योजना हो।

बीसीसीआइ के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने हालांकि कहा कि इस समय अभी तक कटौती के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने एजंसी से कहा, कटौती को लेकर कोई भी चर्चा नहीं हुई है। आइपीएल निश्चित रूप से बीसीसीआइ का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। लेकिन इस समय गणना करना और नुकसान का अंदाजा लगाना काफी मुश्किल है। हम कुछ नहीं कह सकते, जब तक अधिकारी एक साथ नहीं बैठते क्योंकि गणना काफी पेचीदा है। हालांकि पूर्व भारतीय टैस्ट खिलाड़ी मल्होत्रा को लगता है कि परिस्थितियों को देखकर व्यावहारिक होना चाहिए। घरेलू खिलाड़ी के लिए यह कटौती नहीं होगी लेकिन हो सकता है कि उसकी बढ़ाई जाने वाली राशि को कुछ समय के लिए रोका जा सकता है। उन्होंने कहा, बीसीसीआइ अपनी कमाई क्रिकेट से करता है। अगर क्रिकेट नहीं हो रहा तो पैसा कहां से आएगा। हमें यहां समझदार होना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा, इसलिए ऐसा नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ही प्रभावित होंगे बल्कि घरेलू क्रिकेटरों पर भी असर पड़ेगा। इस परिस्थिति से बचा नहीं जा सकता।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन टला, 2022 में होगी

पेरिस, 31 मार्च (एएफपी)।

कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक के एक साल तक टलने से 2021 में प्रस्तावित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 2021 की जगह अब 2022 में होगा। 'विश्व एथलेटिक्स' ने तोक्यो ओलंपिक की नई तारीख घोषित होने के बाद यह फैसला करते हुए कहा कि अमेरिका के यूजीन में छह से 15 अगस्त 2021 तक प्रस्तावित इस चैंपियनशिप का आयोजन 2022 में होगा। विश्व एथलेटिक्स ने कहा, हम जापान के आयोजकों और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) द्वारा घोषित ओलंपिक की नयी तारीखों का समर्थन करते हैं। इसमें कहा गया, इससे हमारे एथलीटों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में जाने के लिए जरूरी समय मिलेगा। उन्होंने कहा, हर किसी को इसे लेकर लचीला होना होगा और हम ओरेगोन में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्थानीय आयोजकों से चर्चा कर नई तारीख की घोषणा करेंगे। विश्व एथलेटक्स ने कहा कि वह इसके लिए राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अलावा यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आयोजकों से भी चर्चा कर रहे हैं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 27 जुलाई से सात अगस्त तक होगा जबकि यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन म्यूनिख में 11 से 21 अगस्त तक होना है।

अमेरिका के यूजीन में छह से 15 अगस्त 2021 तक प्रस्तावित इस चैंपियनशिप का आयोजन 2022 में होगा।

रूट को वेतन कटौती पर बातचीत की उम्मीद

लंदन, 31 मार्च (भाषा)।

इंग्लैंड के टैस्ट कप्तान जो रूट से उम्मीद है कि कोविड-19 महामारी के कारण वित्तीय चुनौती का आकलन कर रहा इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) आने वाले सप्ताह में वेतन कटौती को लेकर खिलाड़ियों से चर्चा करेगा। उन्होंने कहा कि जब इस महामारी का असर खत्म होगा तब तक खिलाड़ियों का कार्यभार काफी बढ़ जाएगा।

कोरोना विषाणु के संक्रमण के कारण इंग्लैंड में 28 मई तक किसी भी क्रिकेट पर रोक लगी है और जानकारों का मानना है कि इसे और आगे बढ़या जाएगा। अटकलें लगाई जा रही हैं कि ईसीबी रूट और जोस बटलर जैसे अपने अनुबंधित खिलाड़ियों के वेतन में कटौती कर विचार कर रहा है। रूट हालांकि इस बारे में नहीं सोच रहे।

रूट ने आइसीसी के वेबसाइट से कहा, मुझे यकीन है कि आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चर्चा होगी लेकिन वह बातचीत पीसीए (पेशेवर क्रिकेट संघ) और ईसीबी के बीच होगी। जब तक ऐसा नहीं होता यह मेरी विशेषज्ञता का क्षेत्र नहीं है उन्होंने कहा, हमें फिलहाल अपनी फिटनेस पर ध्यान देना है जिससे हमें क्रिकेट के लिए वापसी करने में परेशानी ना हो और हमें समुदाय का ध्यान रखना सुनिश्चित करना होगा। कोरोना विषाणु महामारी के कारण वैश्विक खेल आयोजनों को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इंग्लैंड का श्रीलंका दौरा इस महीने की शुरुआत में रद्द कर दिया गया था। वेस्ट इंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ उनकी घरेलू टैस्ट श्रृंखला (जून से अगस्त) के अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला पर भी स्थगित या रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है। रूट ने कहा कि जब क्रिकेट सामान्य रूप से शुरू होगा तब तक खिलाड़ियों का कार्यभार काफी बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, यह काफी मुश्किल सत्र होगा, काम का बोझ अचानक से काफी ज्यादा बढ़ेगा।

वेतन में कटौती छोटी चीज : पेन

मेलबर्न, 31 मार्च (भाषा)।

आस्ट्रेलियाई टैस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने माना कि उनके खिलाड़ियों को कोविड-19 महामारी के चलते वेतन में कटौती को स्वीकार करना होगा और उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए वित्तीय कटौती बहुत छोटी चीज है और वे अपनी ओर से योगदान देने के लिए तैयार हैं। शीर्ष क्रिकेटरों के वेतन में कटौती हो सकती है क्योंकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों के सालाना अनुबंध देने में देरी कर रहा है। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' ने पेन के हवाले से लिखा, निश्चित रूप से चर्चाएं अगले हफ्ते से शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा, अगर चीजें उसी तरह हुई जैसी फुटबाल में या अन्य खेलों में हुई हैं तो निश्चित रूप से हमें अपनी ओर से योगदान करना होगा ताकि सुनिश्चित कर सकें कि खेल बना रहे और आने वाले वर्षों में भी अच्छी तरह चलता रहे। पेन ने कहा, अगर ऐसा होता है तो मुझे पूरा भरोसा है कि खिलाड़ी ऐसा करना चाहेंगे।

हिमा ने आउटडोर अभ्यास के लिए रिजीजू से दखल देने की मांग की

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

कोविड-19 महामारी के कारण देश भर में लगे पूर्णबंदी में पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआइएस) के शिविर में शामिल धाविका हिमा दास सहित दूसरे कई एथलीटों ने खेल मंत्री से मांग की है कि उन्हें परिसर के अंदर आउटडोर प्रशिक्षण की अनुमति दी है। एनआइएस पटियाला में बाहरी लोगों के आने की अनुमति नहीं है।

इस कदम का समर्थन कर रहे सहायक राष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच राधाकृष्णन नायर ने एजंसी को बताया कि एनआइएस में हिमा के नेतृत्व में शिविर में शामिल खिलाड़ियों को एक-दो दिनों में मंत्रालय से जवाब मिलने की उम्मीद है।

नायर ने पटियाला से फोन पर एजंसी से कहा, हिमा और कुछ अन्य एथलीटों ने खेल मंत्री को लिखा है कि उन्हें दिन में एक या दो घंटे अलग-अलग समय में छोटे समूहों में अभ्यास करने की अनुमति दी जाए ताकि वे सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अभ्यास

कर सकें। उन्होंने कहा, उन्होंने रिजीजू को लिखा है कि अगर प्रशिक्षण की अनुमति नहीं है तो उन्हें घर भेज दिया जाएगा। (लेकिन) घर जाना संभव नहीं है क्योंकि देश में पूर्णबंदी है और प्रधानमंत्री ने कहा है कि हर किसी को वहीं रहना चाहिए जहां वे है। उन्होंने कहा, इसलिए, मंत्रालय उन्हें घर वापस जाने की अनुमति नहीं देगा लेकिन आउटडोर प्रशिक्षण के विकल्प पर विचार संभव है। हमें एक-दो दिन में इसके बारे में पता चल जाएगा। नायर ने कहा कि उन्होंने और दूसरे कोचों ने इस विचार का समर्थन किया है क्योंकि इससे शिविर में शामिल किसी भी खिलाड़ी के कोरोना वायरस की चपेट में आने का खतरा नहीं है। एक शीर्ष कोच ने कहा, एनआइएस में हमारे साथ 41 एथलीट हैं और खिलाड़ियों का हॉस्टल से ट्रैक एवं फील्ड क्षेत्र से सिर्फ 50 मीटर की दूरी पर है। हम छोटे समूहों (आठ एथलीट) में एक या दो घंटे का अभ्यास कर सकते हैं।

बैडमिंटन रैंकिंग पर रोक, 17 मार्च की रैंकिंग के आधार पर भावी टूर्नामेंटों में प्रवेश और वरीयता

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्लूएफ) ने मंगलवार को विश्व रैंकिंग फ्रीज (बंद) करने का फैसला किया और कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर शुरू होगा तो 17 मार्च तक के स्थान के आधार पर प्रवेश और वरीयता दी जाएगी।

कोविड-19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं स्थगित या रद्द करनी पड़ी हैं। इसके बाद विश्व रैंकिंग को फ्रीज करने की गुहार की जा रही थी जिसमें भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, बी साई प्रणीत, पारूपल्ली कश्यप और एचएस प्रणय ने चिंता व्यक्त की थी। बीडब्लूएफ ने अपनी विज्ञप्ति में कहा, बीडब्लूएफ घोषणा कर सकता है कि वह अपनी विश्व रैंकिंग और विश्व जूनियर रैंकिंग अगले नोटिस तक फ्रीज कर देगा। फ्रीज की हुई रैंकिंग 12वें हफ्ते की होगी जो अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट-योनेक्स आल इंग्लैंड ओपन 2020-के बाद के हफ्ते की है। इसके अनुसार, 17 मार्च 2020 को जारी रैंकिंग सूची अगले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की प्रविष्टि और वरीयता का आधार होगी।

संदेश हर्टफोर्ड (ब्रिटेन) में मंगलवार को कोरोना विषाणु के खिलाफ लोगों को जागरूक करने लिए फुटबॉल खेलता दस साल का जोसेफ वत्स।

कोविड-19 : रोहित ने 80 लाख रुपए का दान दिया

मुंबई, 31 मार्च (भाषा)।

भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने तेजी से फैल रही कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए 80 लाख रुपए का योगदान दिया और कहा कि इससे निपटना देश के नागरिकों की जिम्मेदारी है।

भारतीय वनडे टीम के उप कप्तान रोहित ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 45 लाख रुपए और मुख्यमंत्री (महाराष्ट्र) राहत कोष में 25 लाख रुपए का दान दिया।

उन्होंने देश में लगे पूर्णबंदी से प्रभावित परिवारों की मदद कर रही 'जोमैटो फीडिंग इंडिया' को पांच लाख रुपए और सड़क पर आवारा कुत्तों की देखभाल के लिए एक संस्था को पांच लाख रुपए का योगदान किया।

प्रधानमंत्री राहत कोष में 45 लाख और मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपए का दान दिया।

रोहित मंगलवार सुबह ट्वीट किया, हमें इस संकट से निपटने की जरूरत है और इसकी जिम्मेदारी हम पर है। मैंने अपनी ओर से प्रधानमंत्री केयर्स फंड में 45 लाख रुपए, मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपए, फीडिंग इंडिया को पांच लाख रुपए और 'वेल्फेयर आफॅ स्ट्रे ड्रग्स' को पांच लाख रुपए का योगदान दिया है। हमें अपने नेताओं की सहायता करनी चाहिए। कोविड-19 से देश की लड़ाई में काफी खिलाड़ियों ने मदद की है।

क्रिकेटरों में रोहित महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, कप्तान विराट कोहली, टैस्ट टीम के साथी अजिंक्य रहाणे के साथ सूची में जुड़ गए हैं।

कुंबले ने भी दिया योगदान

बंगलुरु, 31 मार्च (भाषा)।

पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने कोविड-19 के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए मंगलवार को केंद्र और कर्नाटक राज्य राहत कोष में दान दिया। कुंबले ने ट्वीट किया, मैंने पीएम राहत कोष और मुख्यमंत्री (कर्नाटक) राहत कोष में योगदान किया है। हालांकि इस महान लेग स्पिनर ने दान की हुई राशि का खुलासा नहीं किया। कहा, कृपया घर पर रहिए, सुरक्षित रहिए।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की तारीखों का विकल्प तलाश रहा बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्लूएफ) कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक के 2021 तक टलने के बाद विश्व चैंपियनशिप की तिथि को लेकर मेजबान स्पेन के साथ बातचीत कर रहा है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन दक्षिण-पश्चिम स्पेन के ह्यूलवा शहर में अगस्त 2021 में होना था। लेकिन तोक्यो ओलंपिक के आयोजन की तारीख 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने बाद बीडब्लूएफ दूसरा विकल्प देख रहा है।

बीडब्लूएफ ने कहा, बीडब्लूएफ को विश्व चैंपियनशिप 2021 की तारीखों को बदलने की जरूरत के बारे में पता है। आमतौर पर इसका आयोजन अगस्त में किया जाता है। ओलंपिक वर्ष को छोड़कर विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हर साल होता है। कोरोना वायरस के संक्रमण के दुनिया भर में फैलने के कारण बीडब्लूएफ ने 12 अप्रैल तक के सभी टूर्नामेंटों को स्थगित कर दिया है।

ईसीबी ने मैदान पर खिलाड़ियों के स्मार्टवाच पहनने पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने क्रिकेटरों को काउंटी क्रिकेट की लाइव स्ट्रीमिंग के मद्देनजर भ्रष्टाचार रोधी नियमों को सख्त करते हुए आगामी सभी मुकाबलों में स्मार्टवॉच पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बोर्ड ने इससे पहले खिलाड़ियों को मैदान पर स्मार्टवॉच पहनने की अनुमति दी थी, बशर्ते कि संचार या डाटा ट्रांसमिशन सुविधाओं को टेलीविजन पर प्रसारण होने वाले मैचों के दौरान बंद रखा जाए।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को उम्मीद **इंतजार** दो से 21 नवंबर तक किया जाना है विश्व कप का आयोजन

तय समय पर होगा अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) ने कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर के खेल आयोजनों के रद्द या स्थगित होने के बीच उम्मीद जताई है कि फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का आयोजन इस साल नवंबर में अपने तय समय पर होगा।

टूर्नामेंट के शुरू होने में अभी सात महीने का समय है और ऐसे में आयोजन समिति को उम्मीद है कि आयुवर्ग के इस टूर्नामेंट को आयोजित करने के लिए इतना समय काफी है।

एआइएफएफ के महासचिव कुशल दास ने हालांकि कहा कि अब सब कुछ फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा पर निर्भर करता है। दास ने एजंसी से कहा, फीफा इस पर फैसला लेगा। वे सभी घटनाक्रमों पर नजर रख रहे हैं और हम देखेंगे कि यह कैसे होता है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में काफी समय बचा है और वह अभी इंतजार करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, अभी बहुत समय बाकी है और हम इंतजार करेंगे और आगे की घटनाक्रम देखेंगे। विश्व कप का

आयोजन दो से 21 नवंबर तक नवी मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, भुवनेश्वर और गुवाहाटी में होगा। दास को पता है कि टूर्नामेंट के लिए यूरोपीय और अफ्रीकी क्वालीफायर मुकाबले अभी बाकी हैं। फीफा अपने सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के तारीखों को लेकर सभी परिसंघ के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहा है। कोविड-19 महामारी के कारण खेल की दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन माने जाने वाला ओलंपिक को भी एक साल के लिए टालना पड़ा। यूरो 2020 फुटबॉल टूर्नामेंट भी स्थगित हो गया है। फीफा ने पिछले सप्ताह कहा कि वह भारत में कोविड-19 महामारी से उत्पन्न होने वाले घटनाक्रमों पर नजर रखने के साथ 'वैकल्पिक समाधान' भी खोज रहा है। इस शीर्ष निकाय ने कहा था, नवंबर में देश में होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप के भविष्य का फैसला करने के लिए भारत में कोरोना विषाणु संक्रमण की स्थिति पर नजर रखा है। इस टूर्नामेंट में 16 टीमों को भाग लेना है जिसके लिए सिर्फ तीन टीमों ने क्वलीफाई किया है। भारत मेजबान के तौर पर जबकि उत्तर कोरिया और जापान ने एशियाई के विजेता और उपविजेता के तौर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 135, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com